मनुष्यता का विकास विद्यार्थी जीवन का चरम लक्ष्य होना चाहिए: प्रो. नीलम सांगवान

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ का योग विभाग विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार की प्रेरणा और उनके नेतृत्व में लगातार प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग का अनुसरण करते हुए योग विभाग, विभागीय गतिविधियों को लेकर प्रत्येक सप्ताह शुक्रवार के दिन विद्यार्थियों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान करता है ताकि उनका शिक्षण और प्रशिक्षण सही तरीके से चलता रहे। साथ ही वे विषय की गहराइयों को समझ सकें व प्रायोगिक ज्ञान को आत्मसात कर सकें। इसी संदर्भ में विश्वविद्यालय की अंतर विषय एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान पीठ की अधिष्ठाता एवं योग विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान ने विद्यार्थियों को जीवन में आने वाली कठिनाइयों से निपटने के तरीकों, जीवन में कैसे निरंतरता के साथ प्रयास करते हुए, जीवन के चरम उत्कर्ष तक पहुंचने और सफलता प्राप्त संबंधित विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कई उदाहरणों के साथ अपने जीवन से जुड़ी हुई घटनाओं का भी वर्णन करते हुए विद्यार्थियों को निरंतर प्रगतिशील रहने और प्रतियोगी बने रहने की प्रेरणा दी। प्रो. सांगवान द्वारा प्रदान की गई प्रेरणादायक जानकारी योग विभाग के विद्यार्थियों, शोधार्थियों के लिए प्रेरणादायी सिद्ध होगी। इस अवसर पर योग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. नवीन, शिक्षक प्रभारी डॉ. अजय पाल और विभाग के सभी शोधार्थी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आरपीएस पूरे देश प्रदेश में जगा रहा शिक्षा की अलख : सुनिता श्रीवास्तव

आरपीएस स्कूल में शपथ लेते विद्यार्थी। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। विद्यार्थी जीवन में अनुशासन में रहकर जो शिक्षा हम लेते हैं वहीं हमारे भविष्य की नींव तय करती हैं। विद्यार्थी को जीवन में अनुशासन का पालन करते हुए अपने लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रयासरत रहना चाहिए। उक्त विचार आरपीएस स्कूल की 9 वीं, 10वीं विंग में आयोजित इंवेस्टीचर सेरेमनी समारोह के दौरान विद्यार्थियों को शपथ दिलाते हुए आरपीएस ग्रुप की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने व्यक्त किए।

बतौर मुख्य अतिथि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि आज आरपीएस ग्रुप महेंद्रगढ़ में ही नहीं पूरे प्रदेश विदेश में शिक्षा की अलख जगाने का काम कर रहा है। आरपीएस के बच्चे वास्तव में अपनी प्रतिभा के बल पर हर जगह अव्वल भूमिका में नजर आ रहे हैं।

जागरूकता पर भी विद्यार्थी करेंगे काम

कार्यक्रम में विद्यालय के एपीजे अब्दुल कलाम, मदर टेरेसा, कल्पना चावला व एस रामानुजन के विद्यार्थियों ने भाग लिया। सभी हाउस के कैप्टन, वाइस कैप्टन, हेड ब्वाय व हेड गर्ल, स्पोर्ट हेड तथा कल्चरल हेड का चयन किया गया। मदर टेरेसा हाउस से देव, हिमांशी कैप्टन व हर्ष, तनिषा वाइस कैप्टन, एपीजे अब्दुल कलाम हाउस से यश, अंजलि कैप्टन व उत्सव, मेधा वाइस कैप्टन, कल्पना चावला हाउस से चेतना, शिवम कैप्टन व ओकेश, सृष्टि वाइस कैप्टन, रामानुजन हाउस से राघव, नैंसी कैप्टन, भावेस और भव्य वाइस कैप्टन, प्रतीक्षा को कल्चरल हैड, नितेश को स्पोर्ट्स हेड, प्राची को हैड गर्ल, आर्यन को हेड ब्वॉय की जिम्मेदारी देते हुए उन्हें सोसाइटी, समाज के लिए अपनी अहम भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

मनुष्यता का विकास, विद्यार्थी जीवन का चरम लक्ष्य हो : प्रो. नीलम

विद्यार्थियों से संवाद करतीं प्रो. नीलम सांगवान। संवाद

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) का योग विभाग विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की प्रेरणा और उनके नेतृत्व में लगातार प्रगति के पथ पर अग्रसर है।

उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग का अनुसरण करते हुए योग विभाग द्वारा विभागीय गतिविधियों को लेकर प्रत्येक सप्ताह विद्यार्थियों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान करता है। इसी संदर्भ में विश्वविद्यालय की अंतर विषय एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान पीठ की अधिष्ठाता एवं योग विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान ने विद्यार्थियों को जीवन में आने वाली कठिनाइयों से निपटने के तरीकों, जीवन में कैसे निरंतरता के साथ प्रयास करते हुए, जीवन के चरम उत्कर्ष तक पहुंचने और सफलता प्राप्त संबंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर प्रगतिशील रहने और प्रतियोगी बने रहने की प्रेरणा दी। संवाद

मनुष्यता का विकास विद्यार्थी जीवन का चरम लक्ष्य होना चाहिए : प्रो. नीलम सांगवान

महेंद्रगढ़ | हकेंवि, महेंद्रगढ़ का योग विभाग विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार की प्रेरणा और उनके नेतृत्व में लगातार प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग का अनुशरण करते हुए योग विभाग, विभागीय गतिविधियों को लेकर प्रत्येक सप्ताह शुक्रवार के दिन विद्यार्थियों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान करता है ताकि उनका शिक्षण और प्रशिक्षण सही तरीके से चलता रहे। साथ ही वे विषय की गहराइयों को समझ सकें व प्रायोगिक ज्ञान को आत्मसात कर सकें।

इसी संदर्भ में विश्वविद्यालय की अंतर विषय एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान पीठ की अधिष्ठाता एवं योग विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान ने विद्यार्थियों को जीवन में आने वाली कठिनाइयों से निपटने के तरीकों, जीवन में कैसे निरंतरता के साथ प्रयास करते हुए, जीवन के चरम उत्कर्ष तक पहुंचने और सफलता प्राप्त संबंधित विभिन्न पहलुओं पर

विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कई उदाहरणों के साथ अपने जीवन से जुड़ी हुई घटनाओं का भी वर्णन करते हुए विद्यार्थियों को निरंतर प्रगतिशील रहने और प्रतियोगी बने रहने की प्रेरणा दी। प्रो. सांगवान द्वारा प्रदान की गई प्रेरणादायक जानकारी योग विभाग के विद्यार्थियों, शोधार्थियों के लिए प्रेरणादायी सिद्ध होगी। इस अवसर पर योग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. नवीन, शिक्षक प्रभारी डॉ. अजय पाल और विभाग के सभी शोधार्थी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों को बताये कठिनाइयों से निपटने के तरीके

नारनौल 31 मई (निस)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ का योग विभाग विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार की प्रेरणा और उनके नेतृत्व में लगातार प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उनके द्वारा दिखाए मार्ग का अनुसरण करते हुए योग विभाग, विभागीय गतिविधियों को लेकर प्रत्येक सप्ताह शुक्रवार के दिन विद्यार्थियों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान करता है ताकि उनका शिक्षण और प्रशिक्षण सही तरीके से चलता रहे। इसी संदर्भ में विश्वविद्यालय की अंतर विषय एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान पीठ की अधिष्ठाता एवं योग विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान ने विद्यार्थियों को जीवन में आने वाली कठिनाइयों से निपटने के तरीकों, जीवन में कैसे निरंतरता के साथ प्रयास करते हुए, जीवन के चरम उत्कर्ष तक पहुंचने और सफलता प्राप्त संबंधित विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर योग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. नवीन, शिक्षक प्रभारी डॉ. अजय पाल और विभाग के सभी शोधार्थी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

दैनिक ट्रिब्यून Th ht

मनुष्यता का विकास विद्यार्थी जीवन का चरम लक्ष्य होना चाहिए: प्रो. नीलम सांगवान

महेंद्रगढ़, 31 मई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ का योग विभाग विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की प्रेरणा और उनके नेतृत्व में लगातार प्रगति के पथ पर अग्रसर है।

उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग का अनुसरण करते हुए योग विभाग, विभागीय गतिविधियों को लेकर प्रत्येक सप्ताह शुक्रवार के दिन विद्यार्थियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान करता है ताकि उनका शिक्षण और प्रशिक्षण सही तरीके से चलता रहे। साथ ही वे विषय की गहराइयों को समझ सकें व प्रायोगिक ज्ञान को आत्मसात कर सकें।

इसी संदर्भ में विश्वविद्यालय की अंतर विषय एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान पीठ की अधिष्ठाता एवं योग विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान ने विद्यार्थियों को जीवन में आने वाली कठिनाइयों से निपटने के तरीकों, जीवन में कैसे निरंतरता के साथ प्रयास करते हुए, जीवन के चरम उत्कर्ष तक पहुंचने और सफलता प्राप्त संबंधित विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उन्होंने कई उदाहरणों के साथ अपने जीवन से जुड़ी हुई घटनाओं का भी वर्णन करते हुए विद्यार्थियों को निरंतर प्रगतिशील रहने और प्रतियोगी बने रहने की प्रेरणा दी। प्रो. सांगवान द्वारा प्रदान की गई प्रेरणादायक जानकारी योग विभाग के विद्यार्थियों, शोधार्थियों के लिए प्रेरणादायी सिद्ध होगी।

इस अवसर पर योग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. नवीन, शिक्षक प्रभारी डॉ. अजय पाल और विभाग के सभी शोधार्थी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों से संवाद करतीं प्रो. नीलम सांगवान। (मोहन)

शिक्षा

विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रमों की हुई शुरूआत, प्रत्येक दिन होंगे व्याख्यान

हकेंवि में प्लास्टिक फ्री कैंपस के तहत कार्यक्रम से जागरूक किया

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन आरंभ हो गया है।

आयोजन के पहले दिन विश्वविद्यालय के पर्यावरण अध्ययन विभाग व राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के संयुक्त प्रयासों से प्लास्टिक फ्री कैंपस नामक कार्यक्रम आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों व शिक्षणेतर कर्मचारियों से प्लेज फॉर लाइफ में प्रतिभागिता का आह्वान किया। पर्यावरण अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा ने बताया कि पहले दिन विभाग द्वारा प्लास्टिक फ्री कैंपस ड्राइव व पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य प्लास्टिक से पर्यावरण को होने वाले नुकसान के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करना था। आयोजन के अगले चरण में शुक्रवार को वाटर मैन ऑफ इंडिया राजेंद्र सिंह विशेषज्ञ व्याख्यान के लिए विश्वविद्यालय में उपस्थित रहेंगे। इसी के साथ-साथ इस मौके पर हरियाणा पॉड एंड वेस्ट वॉटर मैनेजमेंट अथोरिटी, पंचकुला के एग्जिक्यूटिव वाइस चेयरपर्सन प्रभाकर वर्मा भी उपस्थित रहेंगे। आयोजन के अंतर्गत 5 जून को साइकिल रैली के माध्यम से प्लास्टिक अपशिष्ट के प्रति जागरूक किया जाएगा।

अभियान में संकाय की अधिष्ठता प्रो. नीलम सांगवान के नेतृत्व में विभाग के शिक्षक डॉ. विक्रम सिंह, डॉ. अनूप यादव, डॉ. भूपेंद्र प्रताप और डॉ. दुष्यंत ने सक्रिय योगदान दिया। इस आयोजन में भारी संख्या में विद्यार्थी व शोधार्थी सम्मिलित हुए।

अभियान में प्रतिभागिता करते विद्यार्थी व शिक्षक। संवाद

5 को साइकिल रैली के माध्यम से प्लास्टिक अपशिष्ट के प्रति किया जाएगा जागरूक

हकेंवि में 'प्लास्टिक फ्री कैम्पस' मुहिम की शुरुआत

महेंद्रगढ़ | हकेंवि में विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में गुरुवार से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन आरंभ हो गया है। आयोजन के पहले दिन विश्वविद्यालय के पर्यावरण अध्ययन विभाग व राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त प्रयासों से प्लास्टिक फ्री कैम्पस नामक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवसर पर भारत सरकार के द्वारा सतत एवं पर्यावरण हितैषी जीवन क्रिया संबंधी अभियान को ध्यान में रखते हुए सभी विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों से 'प्लेज फॉर लाइफ' में प्रतिभागिता की अपील की। पर्यावरण अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा ने बताया कि 5 जून को आयोजित होने वाले विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में विवि में गुरुवार से विभिन्न कार्यक्रमों की शुरुआत हो गई है। इसके अंतर्गत पहले दिन विभाग द्वारा प्लास्टिक फ्री कैम्पस ड्राइव व पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य प्लास्टिक से पर्यावरण को होने वाले नुकसान के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करना था। आयोजन के अगले चरण में शुक्रवार को वॉटर मैन ऑफ इंडिया राजेंद्र सिंह विशेषज्ञ व्याख्यान के लिए विश्वविद्यालय में उपस्थित रहेंगे।

इसी के साथ इस मौके पर हरियाणा पोंड एंड वेस्ट वॉटर मैनेजमेंट अथॉरिटी, पंचकूला के एग्जिक्यूटिव वाइस चेयरपर्सन प्रभाकर के. वर्मा भी उपस्थित रहेंगे। आयोजन के अंतर्गत 5 जून को साइकिल रैली के माध्यम से प्लास्टिक अपशिष्ट के प्रति जागरूक किया जाएगा। गुरुवार को आयोजित अभियान में संकाय की अधिष्ठता प्रो. नीलम सांगवान के नेतृत्व में विभाग के शिक्षक डॉ. विक्रम सिंह, डॉ. अनूप यादव, डॉ. भूपेंद्र प्रताप और डॉ. दुष्यंत ने सक्रिय योगदान दिया। इस आयोजन में भारी संख्या में विद्यार्थी व शोधार्थी सम्मिलित हुए।

हकेंवि में विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में आयोजन शुरू

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में बृहस्पतिवार से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन आरंभ हो गया है। आयोजन के पहले दिन विश्वविद्यालय के पर्यावरण अध्ययन विभाग व राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के संयुक्त प्रयासों से प्लास्टिक फ्री कैंपस नामक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

उधर, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवसर पर भारत सरकार के द्वारा सतत एवं पर्यावरण हितैषी जीवन क्रिया संबंधी अभियान को ध्यान में रखते हुए सभी विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों व शिक्षणेतर कर्मचारियों से 'प्लेज फार लाइफ' में प्रतिभागिता की अपील की। पर्यावरण अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डा. मोना शर्मा ने बताया कि आगामी पांच जून को आयोजित होने वाले विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय में बृहस्पतिवार से विभिन्न कार्यक्रमों की शुरुआत हो गई है। इसके अंतर्गत पहले दिन विभाग द्वारा प्लास्टिक फ्री कैम्पस ड्राइव व पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य प्लास्टिक से पर्यावरण को होने वाले नुकसान के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करना था।

विश्व पर्यावरण दिवस पर विशेष: हकेवि ने तैयार की पर्यावरण हितैषी थ्री सीटर इलेक्ट्रिक स्कूटर मित्रा

लैपटॉप बैटरी आधारित इलेक्ट्रिक स्कूटर एक बार चार्ज करने पर करता है 70 किलोमीटर का सफर तय

- 21 हजार की लागत में वेस्ट मटीरियल से हकेवि के विद्यार्थियों शिक्षकों ने किया कमाल

नीरज कौशिक

इलेक्ट्रिक स्कूटर मित्रा बनाने वाली टीम के साथ कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व हकेवि के विद्यार्थियों व शिक्षकों द्वारा तैयार मित्रा का अवलोकन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के विद्यार्थियों व शिक्षकों की टीम ने एक ऐसा इलेक्ट्रिक स्कूटर तैयार किया है जो एक बार चार्ज करने पर 70 किलोमीटर तक का सफर सरपट तय कर सकता हैं। लैपटाप की बैटरी से चलने वाले इस थ्री सीटर इलेक्ट्रिक स्कूटर को मात्र एक घंटा दस मिनट की अवधि में किसी भी सामान्य इलेक्ट्रिक प्लग के माध्यम से चार्ज कर उपयोग में लाया जा सकता है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज के समय में जब पर्यावरण संरक्षण के लिए लगातार प्रयास जारी है आवश्यक है कि हम ऐसे इनोवेशन करें जो कि प्रदूषण की समस्या के निदान में मददगार हो और विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी विभाग के शिक्षकों व विद्यार्थियों द्वारा तैयार इलेक्ट्रिक स्कूटर मित्रा ऐसा ही एक प्रयास है। कुलपति ने कहा कि हमारे स्कूटर से 25 किलोमीटर प्रतिघंटा की स्पीड से एक बार में तीन व्यक्ति एक साथ यात्रा कर सकते हैं। मात्र 21 हजार रुपए की लागत में वेस्ट मेटीरियल से तैयार यह स्कूटर प्रदूषण रहित पर्यावरण हितैषी उत्पाद है।

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के विद्यार्थी अभिषेक शर्मा, आदर्श तिवारी, भुख्या वामशी, मुज्जखीर अली खान, फैजान अशरफ और शिक्षक डॉ. मुरलीधर नायक भुख्या व डॉ. सुधीर कुमार की टीम द्वारा तैयार इस इलेक्टिक स्कूटर के संबंध में आवश्यक पेटेंट इत्यादि की प्रक्रिया विश्वविद्यालय के स्तर आरंभ कर दी गई हैं। डॉ. मुरलीधर नायक भुख्या ने इस खोज हेतु कुलपति प्रो टंकेश्वर कुमार, डीन प्रो. फूल सिंह, विभाग के शिक्षक प्रो. अजय बंसल और विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार दुबे का उनके सहयोग व मार्गदर्शन के लिए आभार जताया। डॉ. मुरलीधर ने बताया कि मित्रा पर्यावरण का मित्र है और वेस्ट मेटीरियल से तैयार इस स्कूटर को मात्र 21 हजार रुपए की लागत में ही तैयार कर लिया गया है स्कूटर के माध्यम से एक समय में तीन लोग आसानी से यात्रा कर सकते है और इतना ही नहीं यह स्कूटर आप घर में या पार्किंग में उपलब्ध किसी भी सामान्य इलेक्ट्रिसिटी प्लग से चार्ज कर सकते हैं। इस टीम के अन्य सदस्य डॉ. सुधीर बताते है कि इस स्कूटर को यदि इंडस्ट्री के स्तर पर बडे.पैमाने पर तैयार किया जाता है तो इसकी लागात को और कम कर पाना संभव होगा और इसके माध्यम से भारी संख्या में उपलब्ध वेस्ट मेटीरियल को भी उपयोग में लाया जा सकता हैं। स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डीन प्रो. फूल सिंह ने शिक्षकों व विद्यार्थियों की इस खोज पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही यह उत्पाद पर्यावरण में वाहनों के माध्यम से होने वाले प्रदूषण का समाधान उपलब्ध कराता है। मित्रा को एक बार चार्ज करने पर 70 किलोमीटर तक की यात्रा की जा सकती है यानी इसके माध्यम से हम अपनी रोजमर्रा की आवश्यकता से जुड़ी स्थानीय यात्रा बिना किसी प्रदूषण के कर सकते हैं।

हकेंवि का कमाल, कबाड़ से तैयार कर दिया इलेक्ट्रिक स्कूटर

प्रदूषण से भी दिलाएगा निजात, 21 हजार रुपये की आई लागत, एक बार चार्ज करने पर 70 किलोमीटर का तय करेगा सफर

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के विद्यार्थियों व शिक्षकों की टीम ने एक ऐसा इलेक्ट्रिक स्कूटर तैयार किया है, जो एक बार चार्ज करने पर 70 किलोमीटर का सफर तय कर सकता है।

लैपटॉप की बैटरी से चलने वाले थ्री सीटर इलेक्ट्रिक स्कूटर को मात्र एक घंटा दस मिनट में किसी भी सामान्य इलेक्ट्रिक प्लग से चार्ज किया जा सकता है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज के समय में जब पर्यावरण संरक्षण के लिए लगातार प्रयास जारी है, आवश्यक है कि हम ऐसे इनोवेशन करें, जोकि प्रदूषण की समस्या के निदान में मददगार हो। विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी विभाग के शिक्षकों व विद्यार्थियों द्वारा तैयार इलेक्ट्रिक स्कूटर मित्रा ऐसा ही एक प्रयास है। कुलपति ने कहा कि हमारे स्कूटर से 25 किलोमीटर प्रतिघंटा की स्पीड से एक बार में तीन व्यक्ति एक साथ यात्रा कर सकते हैं।

इलेक्ट्रिक स्कूटर मित्रा बनाने वाली टीम के साथ कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

बड़े पैमाने पर तैयार किया जाए तो लागत होगी कम

डॉ. मुरलीधर ने बताया कि मित्रा स्कूटर पर्यावरण का मित्र है। टीम के अन्य सदस्य डॉ. सुधीर बताते है कि इस स्कूटर को यदि इंडस्ट्री के स्तर पर बड़े पैमाने पर तैयार किया जाता है तो इसकी लागत को और कम कर पाना संभव होगा और इसके माध्यम से भारी संख्या में उपलब्ध वेस्ट मैटीरियल को भी उपयोग में लाया जा सकता है। स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डीन प्रो. फूल सिंह ने शिक्षकों व विद्यार्थियों की इस खोज पर खुशी जताई है।

इस टीम ने किया तैयार

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के विद्यार्थी अभिषेक शर्मा, आदर्श तिवारी, भुख्या वामशी, मुज्जखीर अली खान, फैजान अशरफ और शिक्षक डॉ. मुरलीधर नायक भुख्या व डॉ. सुधीर कुमार आदि की टीम ने इस स्कूटर को तैयार किया है। इलेक्ट्रिक स्कूटर के संबंध में आवश्यक पेंटेंट आदि की प्रक्रिया विश्वविद्यालय के स्तर पर आरंभ कर दी गई है। डॉ. मुरलीधर नायक भुख्या ने इसके लिए कुलपति प्रो टंकेश्वर कुमार, डीन प्रो. फूल सिंह, विभाग के शिक्षक प्रो. अजय बंसल और विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार दुबे का उनके सहयोग व मार्गदर्शन के लिए आभार जताया।

विश्व पर्यावरण दिवस • 21 हजार की लागत में वेस्ट मैटीरियल से हकेंवि में विद्यार्थियों-शिक्षकों ने बनाया वाहन

पर्यावरण हितैषी थ्री सीटर इलेक्ट्रिक स्कूटर 'मित्रा'

लैपटॉप बैटरी आधारित इलेक्ट्रिक स्कूटर एक बार चार्ज करने पर करता है 70 किमी का सफर तय

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि, महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के विद्यार्थियों व शिक्षकों की टीम ने एक ऐसा इलेक्ट्रिक स्कूटर तैयार किया है जो एक बार चार्ज करने पर 70 किलोमीटर तक का सफर सरपट तय कर सकता है। लैपटॉप की बैटरी से चलने वाले इस थ्री सीटर इलेक्ट्रिक स्कूटर को मात्र एक घंटा दस मिनट की अवधि में किसी भी सामान्य इलेक्ट्रिक

स्कूटर का अवलोकन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

प्लग के माध्यम से चार्ज कर उपयोग में लाया जा सकता है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज के समय में जब पर्यावरण संरक्षण के लिए लगातार प्रयास जारी है आवश्यक है कि हम ऐसे इनोवेशन करें जो कि प्रदूषण की समस्या के निदान में मददगार हो और विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी विभाग के शिक्षकों व विद्यार्थियों द्वारा तैयार इलेक्ट्रिक स्कूटर मित्रा ऐसा ही एक प्रयास है। कुलपति ने कहा कि हमारे स्कूटर से 25 किलोमीटर प्रति घंटा की स्पीड से एक बार में तीन व्यक्ति एक साथ यात्रा कर सकते हैं।

डॉ. मुरलीधर ने बताया कि मित्रा पर्यावरण का मित्र है और वेस्ट मेटीरियल से तैयार इस स्कूटर को मात्र 21 हजार रुपए की लागत में ही तैयार कर लिया गया है। इस टीम के अन्य सदस्य डॉ. सुधीर बताते हैं कि इस स्कूटर को यदि इंडस्ट्री के स्तर पर बड़े पैमाने पर तैयार किया जाता है तो इसकी लागत को और कम कर पाना संभव होगा और इसके माध्यम से भारी संख्या में उपलब्ध वेस्ट मेटीरियल को भी उपयोग में लाया जा सकता है।

पेटेंट कराने सहित अन्य प्रक्रियाएं शुरू

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के विद्यार्थी अभिषेक शर्मा, आदर्श तिवारी, भुख्या वामशी, मुज्जखीर अली खान, फैजान अशरफ और शिक्षक डॉ. मुरलीधर नायक भुख्या व डॉ. सुधीर कुमार की टीम द्वारा तैयार इस इलेक्ट्रिक स्कूटर के संबंध में आवश्यक पेटेंट इत्यादि की प्रक्रिया विश्वविद्यालय के स्तर आरंभ कर दी गई है। डॉ. मुरलीधर नायक भुख्या ने इस खोज हेतु कुलपति प्रो टंकेश्वर कुमार, डीन प्रो. फूल सिंह, विभाग के शिक्षक प्रो. अजय बंसल और विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार दुबे का उनके सहयोग व मार्गदर्शन के लिए आभार जताया। स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डीन प्रो. फूल सिंह ने शिक्षकों व विद्यार्थियों की इस खोज पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही यह उत्पाद पर्यावरण में वाहनों के माध्यम से होने वाले प्रदूषण का समाधान उपलब्ध कराता है। मित्रा को एक बार चार्ज करने पर 70 किलोमीटर तक की यात्रा की जा सकती है यानी इसके माध्यम से हम अपनी रोजमर्रा की आवश्यकता से जुड़ी स्थानीय यात्रा बिना किसी प्रदूषण के कर सकते हैं।

हिंदी के विकास के लिए हकेंवि की महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विवि के साथ साझेदारी स्थापित

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में हिंदी के विकास हेतु जारी प्रयासों को अब महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा का सहयोग मिलेगा। हिंदी भाषा, भाषा विज्ञान, भाषा शिक्षा, हिंदी साहित्य, अनुवाद अध्ययन, तुलनात्मक साहित्य, लोक साहित्य और सिनेमा अध्ययन को ध्यान में रखते हुए दोनों ही विश्वविद्यालय आपसी सहयोग से विभिन्न कार्यक्रमों में साझेदारी निभाएंगे।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल की उपस्थिति में हुई इस साझेदारी के विषय में हकेवि हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीर पाल सिंह यादव ने बताया कि इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य शिक्षण, प्रशिक्षण, शोध एवं अन्य अकादमिक गतिविधियों हेतु आपसी सहयोग स्थापित करना, दोनों ही विश्वविद्यालयों में हिंदी भाषा से संबंधित विशेषज्ञता का अधिकतम उपयोग स्थापित करना प्रमुख रूप से शामिल है। प्रो. बीर पाल ने बताया कि इस साझेदारी की मदद से दोनों ही संस्थाओं में संयुक्त शोध निर्देशन, कार्यक्रम एवं पाठ्यचर्या निर्माण संबंधी विषयों में मिलकर काम करने का मार्ग प्रशस्त होगा।

उन्होंने बताया कि 5 वर्ष की अवधि वाले इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का हिंदी विभाग व महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय का हिंदी साहित्य विभाग संबंधित संकायों के अधिष्ठाताओं की पर्यवेक्षण में हिंदी भाषा के विकास हेतु प्रयास करेंगे और इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत लोक साहित्य, सिनेमा अध्ययन व अनुवाद अध्ययन जैसी रोजगारपरक व साहित्य सृजन से संबंधित विषयों पर भी विशेष रूप से कार्य करने की योजना है।

इस अवसर पर महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के हिंदी साहित्य विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. प्रीति सागर भी उपस्थित रहीं। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु यह समझौता हिंदी भाषा के विकास के स्तर पर एक उल्लेखनीय प्रयास है। अवश्य ही इसके माध्यम से दोनों विश्वविद्यालय मिलकर अपने मानव एवं भौतिक संसाधनों का विभिन्न अकादमिक प्रयोजनों में उपयोग करेंगे।

हकेंवि विद्यार्थियों ने तैयार किया 'मित्रा' स्कूटर

छात्रों ने 21 हजार की लागत में वेस्ट मटीरियल से किया कमाल, स्कूटर पर बैठ सकते हैं तीन लोग

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के स्कूल आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालाजी के विद्यार्थियों व शिक्षकों की टीम ने एक ऐसा इलेक्ट्रिक स्कूटर तैयार किया है, जो एक बार चार्ज करने पर 70 किलोमीटर तक का सफर तय कर सकता है। लैपटाप की बैटरी से चलने वाले इस थ्री सीटर इलेक्ट्रिक स्कूटर को मात्र एक घंटा दस मिनट की अवधि में किसी भी सामान्य इलेक्ट्रिक प्लग के जरिये चार्ज कर उपयोग में लाया जा सकता है।

स्कूटर मित्रा बनाने वाली टीम के साथ कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार • सौ. हकेंवि प्रवक्ता

हकेंवि के विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई स्कूटी के साथ कुलपति व विद्यार्थी • सौ. हकेंवि प्रवक्ता

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज के समय में जब पर्यावरण संरक्षण के लिए लगातार प्रयास जारी है। आवश्यक है कि हम ऐसे इनोवेशन करें जो कि प्रदूषण की समस्या के निदान में मददगार हो और विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग एंड टेक्नालाजी विभाग के शिक्षकों व विद्यार्थियों द्वारा तैयार इलेक्ट्रिक स्कूटर (मित्रा) ऐसा ही एक प्रयास है। कुलपति ने कहा कि हमारे स्कूटर से 25 किलोमीटर प्रतिघंटा की स्पीड से एक बार में तीन व्यक्ति एक साथ यात्रा कर सकते हैं। मात्र 21 हजार रुपये की लागत में वेस्ट मेटीरियल से तैयार यह स्कूटर प्रदूषण रहित पर्यावरण हितैषी उत्पाद है।

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के विद्यार्थी अभिषेक शर्मा, आदर्श तिवारी, भुख्या वामशी, मुज्जखीर अली खान, फैजान अशरफ और शिक्षक डा. मुरलीधर नायक भुख्या व डा. सुधीर कुमार की टीम द्वारा तैयार इस इलेक्ट्रिक स्कूटर के संबंध में आवश्यक पेंटेंट इत्यादि की प्रक्रिया विश्वविद्यालय के स्तर आरंभ कर दी गई हैं। डा. मुरलीधर नायक भुख्या ने इस खोज के लिए कुलपति प्रो टंकेश्वर कुमार, डीन प्रो. फूल सिंह, विभाग के शिक्षक प्रो. अजय बंसल और विभागाध्यक्ष डा. राजेश कुमार दुबे का उनके सहयोग व मार्गदर्शन के लिए आभार जताया। उन्होंने बताया कि मित्रा पर्यावरण का मित्र है और वेस्ट मेटीरियल से तैयार इस स्कूटर को मात्र 21 हजार रुपये की लागत में ही तैयार कर लिया गया है। स्कूटर के माध्यम से एक समय में तीन लोग आसानी से यात्रा कर सकते है और इतना ही नहीं यह स्कूटर आप घर में या पार्किंग में उपलब्ध किसी भी सामान्य इलेक्ट्रिसिटी प्लग से चार्ज कर सकते हैं।

इस टीम के अन्य सदस्य डा. सुधीर बताते है कि इस स्कूटर को यदि इंडस्ट्री के स्तर पर बड़े पैमाने पर तैयार किया जाता है, तो इसकी लागात को और कम कर पाना संभव होगा और इसके माध्यम से भारी संख्या में उपलब्ध वेस्ट मेटीरियल को भी उपयोग में लाया जा सकता हैं।

स्कूल आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालाजी के डीन प्रो. फूल सिंह ने कहा कि अवश्य ही यह उत्पाद पर्यावरण में वाहनों के माध्यम से होने वाले प्रदूषण का समाधान उपलब्ध कराता है। मित्रा के माध्यम से हम अपनी रोजमर्रा की आवश्यकता से जुड़ी स्थानीय यात्रा बिना किसी प्रदूषण के कर सकते हैं।

हकेंवि के विद्यार्थियों ने तैयार किया थ्री सीटर इलेक्ट्रिक स्कूटर मित्रा

नारनौल में रविवार को विद्यार्थियों व शिक्षकों द्वारा तैयार स्कूटर 'मित्रा' का अवलोकन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। -निस

नारनौल, 4 जून (निस)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के विद्यार्थियों व शिक्षकों की टीम ने एक ऐसा इलेक्ट्रिक स्कूटर तैयार किया है जो एक बार चार्ज करने पर 70 किलोमीटर तक का सफर सरपट तय कर सकता हैं। लैपटाप की बैटरी से चलने वाले इस थ्री सीटर इलेक्ट्रिक स्कूटर को मात्र एक घंटा दस मिनट की अवधि में किसी भी सामान्य इलेक्ट्रिक प्लग के माध्यम से चार्ज कर उपयोग में लाया जा सकता है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज के समय में जब पर्यावरण संरक्षण के लिए लगातार प्रयास जारी है, आवश्यक है कि हम ऐसे इनोवेशन करें जो प्रदूषण की समस्या के निदान में मददगार हों और विवि के शिक्षकों व विद्यार्थियों द्वारा तैयार इलेक्ट्रिक स्कूटर मित्रा ऐसा ही एक प्रयास है। कुलपति ने कहा कि इस स्कूटर से 25 किलोमीटर प्रतिघंटा की स्पीड से एक बार में तीन व्यक्ति यात्रा कर सकते हैं। मात्र 21 हजार रुपये की लागत में वेस्ट मेटीरियल से तैयार यह स्कूटर प्रदूषण रहित पर्यावरण हितैषी उत्पाद है।

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के विद्यार्थी अभिषेक शर्मा, आदर्श तिवारी, भुख्या वामशी, मुज्जखीर अली खान, फैजान अशरफ और शिक्षक डॉ. मुरलीधर नायक भुख्या व डॉ. सुधीर कुमार की टीम द्वारा तैयार इस इलेक्टिक स्कूटर के संबंध में आवश्यक पेंटेंट इत्यादि की प्रक्रिया आरंभ कर दी गई हैं। स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डीन प्रो. फूल सिंह ने शिक्षकों व विद्यार्थियों की इस खोज पर खुशी जतायी।

epaper.dainiktribuneonline.com
दैनिक ट्रिब्यून Mon, 05 June 2023
https://epaper.dainiktrib

पर्यावरण दिवस पर विशेष हकेंवि ने तैयार किया पर्यावरण हितैषी ई-स्कूटर

लैपटॉप की बैट्री से चार्ज होगा, एक बार में सत्तर किमी चलेगा थ्री सीटर 'मित्रा'

21,000 की लागत से तैयार होगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के विद्यार्थियों और शिक्षकों की टीम ने एक ऐसा इलेक्ट्रिक स्कूटर 'मित्रा' तैयार किया है, जो एक बार चार्ज करने पर 70 किलोमीटर तक चलेगा। लैपटॉप की बैट्री से चलने वाले इस थ्री सीटर इलेक्ट्रिक स्कूटर को मात्र एक घंटा दस मिनट में किसी भी सामान्य इलेक्ट्रिक प्लग के माध्यम से चार्ज किया जा सकता है।

महेंद्रगढ़। इलेक्ट्रिक स्कूटर 'मित्रा' बनाने वाली टीम के साथ कुलपति प्रो. कुमार।

ऐसा है 'मित्रा'

- 25 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार।
- तीन व्यक्ति कर सकते हैं यात्रा।
- 21000 की लागत से तैयार हुआ।
- वेस्ट मेटीरियल से तैयार यह स्कूटर पर्यावरण हितैषी।

पर्यावरण संरक्षण जरूरी

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज के समय में जब पर्यावरण संरक्षण के लिए लगातार प्रयास जारी है, आवश्यक है कि हम ऐसे इनोवेशन करें जो कि प्रदूषण की समस्या के निदान में मददगार हों। इलेक्ट्रिक स्कूटर 'मित्रा' भी एक ऐसा ही प्रयास है।

जल्द करवाएंगे पेटेंट

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के विद्यार्थी अभिषेक शर्मा, आदर्श तिवारी, मुख्या वामशी, मुज्जाखीर अली खान, फैजान अशरफ और शिक्षक डॉ. मुरलीधर नायक मुख्या व डॉ. सुधीर कुमार की टीम द्वारा तैयार इस इलेक्टिक स्कूटर के संबंध में आवश्यक पेटेंट इत्यादि की प्रक्रिया विश्वविद्यालय के स्तर आरंभ कर दी गई हैं।

'मित्रा' पर्यावरण का मित्र

डॉ. मुरलीधर ने बताया कि 'मित्रा' पर्यावरण का मित्र है। वेस्ट मेटीरियल से तैयार इस स्कूटर को मात्र 21 हजार रुपये की लागत में ही तैयार कर लिया गया है। स्कूटर के माध्यम से एक समय में तीन लोग आसानी से यात्रा कर सकते हैं। इसे किसी भी सामान्य इलेक्ट्रिसिटी प्लग से चार्ज कर सकते हैं।

हकेंवि ने तैयार किया पर्यावरण हितैषी थ्री सीटर इलैक्ट्रिक स्कूटर 'मित्रा'

■ एक बार चार्ज करने पर करता है 70 किलोमीटर का सफर तय

महेंद्रगढ़, 4 जून (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी के विद्यार्थियों व शिक्षकों की टीम ने एक ऐसा इलैक्ट्रिक स्कूटर तैयार किया है जो एक बार चार्ज करने पर 70 किलोमीटर तक का सफर सरपट तय कर सकता है।

लैपटॉप की बैटरी से चलने वाले इस थ्री सीटर इलैक्ट्रिक स्कूटर को मात्र 1 घंटा 10 मिनट की अवधि में किसी भी सामान्य इलैक्ट्रिक प्लग के माध्यम से चार्ज कर उपयोग में लाया जा सकता है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज के समय में जब पर्यावरण संरक्षण के लिए लगातार प्रयास जारी हैं, आवश्यक है कि हम ऐसे इनोवेशन करें जो कि प्रदूषण की समस्या के निदान में मददगार हों और विश्वविद्यालय के इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी विभाग के शिक्षकों व विद्यार्थियों द्वारा तैयार इलैक्ट्रिक स्कूटर 'मित्रा' ऐसा ही एक प्रयास है।

इलैक्ट्रिक स्कूटर मित्रा बनाने वाली टीम के साथ कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। (मोहन)

कुलपति ने कहा कि हमारे स्कूटर से 25 किलोमीटर प्रतिघंटा की स्पीड से एक बार में 3 व्यक्ति एक साथ यात्रा कर सकते हैं। मात्र 21 हजार रुपए की लागत में वेस्ट मैटीरियल से तैयार यह स्कूटर प्रदूषण रहित पर्यावरण हितैषी उत्पाद है।

इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के विद्यार्थी अभिषेक शर्मा, आदर्श तिवारी, भुख्या वामशी, मुज्जखीर अली खान, फैजान अशरफ और शिक्षक डॉ. मुरलीधर नायक भुख्या व डॉ. सुधीर कुमार की टीम द्वारा तैयार इस इलैक्टिक स्कूटर के संबंध में आवश्यक पेंटेंट इत्यादि की प्रक्रिया विश्वविद्यालय के स्तर पर आरंभ कर दी गई है।

डॉ. मुरलीधर नायक भुख्या ने इस खोज हेतु कुलपति प्रो टंकेश्वर कुमार, डीन प्रो. फूल सिंह, विभाग के शिक्षक प्रो. अजय बंसल और विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार दुबे का उनके सहयोग व मार्गदर्शन के लिए आभार जताया।

रोजमर्रा की आवश्यकता से जुड़ी यात्रा बिना किसी प्रदूषण के कर सकेंगे

स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी के डीन प्रो. फूल सिंह ने शिक्षकों व विद्यार्थियों की इस खोज पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही यह उत्पाद पर्यावरण में वाहनों के माध्यम से होने वाले प्रदूषण का समाधान उपलब्ध कराता है।

मित्रा को एक बार चार्ज करने पर 70 किलोमीटर तक की यात्रा की जा सकती है यानी इसके माध्यम से हम अपनी रोजमर्रा की आवश्यकता से जुड़ी स्थानीय यात्रा बिना किसी प्रदूषण के कर सकते हैं।

सामान्य इलैक्ट्रिसिटी प्लग से कर सकते हैं चार्ज

डॉ. मुरलीधर ने बताया कि मित्रा पर्यावरण का मित्र है और वेस्ट मैटीरियल से तैयार इस स्कूटर को मात्र 21 हजार रुपए की लागत में ही तैयार कर लिया गया है स्कूटर के माध्यम से एक समय में 3 लोग आसानी से यात्रा कर सकते हैं और इतना ही नहीं यह स्कूटर आप घर में या पार्किंग में उपलब्ध किसी भी सामान्य इलैक्ट्रिसिटी प्लग से चार्ज कर सकते हैं।

इस टीम के अन्य सदस्य डॉ. सुधीर बताते हैं कि इस स्कूटर को यदि इंडस्ट्री के स्तर पर बड़े पैमाने पर तैयार किया जाता है तो इसकी लागत को और कम कर पाना संभव होगा और इसके माध्यम से भारी संख्या में उपलब्ध वेस्ट मैटीरियल को भी उपयोग में लाया जा सकता है।

जागरूकता

पोस्टर मेकिंग में नेहा लुहान रही प्रथम

हकेंवि में साइकिल रैली निकाली

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में पर्यावरण दिवस के अंतर्गत जारी कार्यक्रमों की शृंखला के अंतर्गत सोमवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा आमजन में पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से साइकिल रैली का आयोजन किया गया।

'बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन थीम पर आयोजित रैली की अगुवाई करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों को पर्यावरण के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने तथा पर्यावरण के संरक्षण के लिए आमजन को प्रोत्साहित करने का आह्वान किया। पर्यावरण विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा ने बताया कि पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया। पर्यावरण अध्ययन विभाग की नेहा लुहान ने प्रथम, शिक्षा विभाग की सुमन व मनोविज्ञान विभाग की अंशु ने द्वितीय, गणित विभाग की ऊषा व शिक्षा विभाग के मोहम्मद शहबाज ने तृतीय स्थान हासिल किया। विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया।

साइकिल रैली में प्रतिभागिता करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

रैली निकालकर दिया आमजन को संदेश

पर्यावरण बचाने को चलाएं साइकिल

महेंद्रगढ़ | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में पर्यावरण दिवस के अंतर्गत जारी कार्यक्रमों की शृंखला के अंतर्गत सोमवार को पर्यावरण अध्ययन विभाग की ओर से साइकिल रैली निकाली गई । 'बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन' थीम पर आयोजित इस रैली की अगुवाई करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों को पर्यावरण के संरक्षण के लिए आमजन को प्रोत्साहित करने का आह्वान किया। इस दौरान पेंटिंग प्रतियोगिता भी हुई। स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने प्लास्टिक के प्रयोग के होने वाले नुकसान से प्रतिभागियों को अवगत कराते हुए प्लास्टिक के विकल्पों पर भी चर्चा की। इसके बाद विशेषज्ञ व्याख्यान हुआ जिसमें जेएनयू प्रो. कृष्ण कुमार ने पर्यावरणीय स्थिरता पर केंद्रित अपने व्याख्यान दिया। इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत एवं परिचय पर्यावरण विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ मोना शर्मा ने किया। प्रो. नीलम सांगवान ने साप्ताहिक कार्यक्रम की रिपोर्ट प्रस्तुत की। पर्यावरण अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य डॉ भूपेंद्र प्रताप सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। डॉ. विक्रम सिंह, डॉ. स्मिता, डॉ. अनूप यादव, डॉ. मनोज और डॉ. दुष्यंत सहित कई शिक्षक व विद्यार्थियों ने इस कार्यक्रम में प्रतिभागिता की।

हकेंवि में निकाली साइकिल जागरूकता रैली

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में पर्यावरण दिवस के अंतर्गत जारी कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत सोमवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा आमजन में पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से साइकिल रैली का आयोजन किया गया। 'बीट प्लास्टिक पाल्यूशन' थीम पर आयोजित इस साइकिल रैली की अगुवाई करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों को पर्यावरण के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने तथा पर्यावरण के संरक्षण के लिए आमजन को प्रोत्साहित करने का आह्वान किया।

हकेंवि में जागरूकता साइकिल रैली निकालते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य शिक्षक एवं विद्यार्थी ● सौ. प्रवक्ता

विश्वविद्यालय के स्कूल आफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने प्लास्टिक के प्रयोग के होने वाले नुकसान से प्रतिभागियों को अवगत कराते हुए प्लास्टिक के विकल्पों पर भी चर्चा की। हकेंवि में साइकिल रैली विश्वविद्यालय के गेट नंबर एक से शुरू होकर प्रशासनिक भवन, वाईफाई पार्क, स्वास्थ्य केंद्र से होते हुए विश्वविद्यालय के गेट नंबर दो पर समाप्त हुई। इस साइकिल रैली में पचास से अधिक विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों और एनएसएस स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया। साइकिल रैली के पश्चात विश्वविद्यालय में विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्रो. कृष्ण कुमार द्वारा विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित हुए। प्रो. कृष्ण कुमार ने पर्यावरणीय स्थिरता पर केंद्रित अपने व्याख्यान में कहा कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण जलवायु परिवर्तन से आज हम सभी जूझ रहे हैं।

प्रत्येक प्राकृतिक संसाधन का देखभाल हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। पर्यावरण अत्यधिक प्रदूषित और विषाक्त पदार्थों से भरा हुआ है जिसका हमारे स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है। विश्व पर्यावरण दिवस हमें पर्यावरण में सुधार करने के लिए प्रेरित करता है।

प्रो. नीलम सांगवान ने साप्ताहिक कार्यक्रम की रिपोर्ट प्रस्तुत की। पर्यावरण विभाग की विभागाध्यक्ष डा. मोना शर्मा ने बताया कि पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया था। जिसमें 30 विद्यार्थियों में से पर्यावरण अध्ययन विभाग की नेहा लुहान ने प्रथम, शिक्षा विभाग की सुमन व मनोविज्ञान विभाग की अंशु ने द्वितीय तथा गणित विभाग की ऊषा व शिक्षा विभाग के मोहम्मद शहबाज ने तृतीय स्थान हासिल किया।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर हकेंवि में निकाली जागरूकता रैली

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में पर्यावरण दिवस के अंतर्गत जारी कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत सोमवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा आमजन में पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से साइकिल रैली का आयोजन किया गया। बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन थीम पर आयोजित इस साइकिल रैली की अगुवाई करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों को पर्यावरण के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने तथा पर्यावरण के संरक्षण के लिए आमजन को प्रोत्साहित करने का आह्वान किया। कुलपति ने प्लास्टिक से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले बुरे प्रभावों के बारे में विद्यार्थियों को अवगत कराया और कहा कि हम सभी के छोटे-छोटे प्रयास प्लास्टिक से पर्यावरण को होने वाले नुकसान को कम करने में मददगार साबित हो सकते हैं।

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने इस अवसर पर प्लास्टिक के प्रयोग के होने वाले नुकसान से प्रतिभागियों को अवगत कराते हुए प्लास्टिक के विकल्पों पर भी चर्चा की। हकेंवि में साइकिल रैली विश्वविद्यालय के गेट नंबर एक से शुरू होकर प्रशासनिक भवन, वाईफाई पार्क, स्वास्थ्य केंद्र से होते हुए विश्वविद्यालय के गेट नंबर दो पर समाप्त हुई। इस साइकिल रैली में पचास से अधिक विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों और एनएसएस स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया। साइकिल रैली के पश्चात विश्वविद्यालय में विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर हकेंवि में निकाली जागरूकता रैली

प्राकृतिक संसाधनों की देखभाल हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी: प्रो. कृष्ण

महेंद्रगढ़, 5 जून (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में पर्यावरण दिवस के अंतर्गत जारी कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत सोमवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा आमजन में पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से साइकिल रैली का आयोजन किया गया।

'बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन' थीम पर आयोजित इस साइकिल रैली की अगुवाई करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों को पर्यावरण के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने तथा पर्यावरण के संरक्षण के लिए आमजन को प्रोत्साहित करने का आह्वान किया।

कुलपति ने प्लास्टिक से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले बुरे प्रभावों के बारे में विद्यार्थियों को अवगत कराया और कहा कि हम सभी के छोटे-छोटे प्रयास प्लास्टिक से पर्यावरण को होने वाले नुक्सान को कम करने में मददगार साबित हो सकते हैं।

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने इस अवसर पर प्लास्टिक के प्रयोग के होने वाले नुक्सान से प्रतिभागियों को अवगत कराते हुए प्लास्टिक के विकल्पों पर भी चर्चा की।

हकेंवि में साइकिल रैली विश्वविद्यालय के गेट नम्बर एक से शुरू होकर प्रशासनिक भवन, वाईफाई पार्क, स्वास्थ्य केंद्र से होते हुए विश्वविद्यालय के गेट नम्बर 2 पर समाप्त हुई।

इस साइकिल रैली में 50 से अधिक विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों और एनएसएस स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया। साइकिल रैली के पश्चात विश्वविद्यालय में विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्रो. कृष्ण कुमार द्वारा विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित हुए।

विशेषज्ञ व्याख्यान में मुख्य वक्ता प्रो. कृष्ण कुमार को स्मृति चिन्ह भेंट करतीं प्रो. नीलम सांगवान। (मोहन)

ग्लोबल वार्मिंग के कारण जलवायु परिवर्तन से जूझ रहे हैं हम सभी

प्रो. कृष्ण कुमार ने पर्यावरणीय स्थिरता पर केंद्रित अपने व्याख्यान में कहा कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण जलवायु परिवर्तन से आज हम सभी जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक प्राकृतिक संसाधन की देखभाल हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। पर्यावरण अत्यधिक प्रदूषित और विषाक्त पदार्थों से भरा हुआ है जिसका हमारे स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है। विश्व पर्यावरण दिवस हमें पर्यावरण में सुधार करने के लिए प्रेरित करता है।

इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत एवं परिचय पर्यावरण विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा ने किया। प्रो. नीलम सांगवान ने साप्ताहिक कार्यक्रम की रिपोर्ट प्रस्तुत की। पर्यावरण विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा ने बताया कि पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया था, जिसमें विभिन्न विभागों के 30 विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की।

अनुप्रयोग विषय पर केंद्रित व्याख्यान का आयोजन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग द्वारा व्यक्तित्व विकास व आजादी का अमृत महोत्सव और अनुप्रयोग विषय पर केंद्रित दो विशेषज्ञ व्याख्यानों का आयोजन किया गया। हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस तरह के व्याख्यान विद्यार्थियों को एक बेहतर नागरिक बनने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग के प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता ने मुख्य अतिथि प्रो. आरके भट्ट का अंग वस्त्र एवं सहायक आचार्य डॉ. अमित ने पौधा भेंट कर अभिनंदन किया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ प्रो. आरके भट्ट ने व्यक्तित्व विकास की परिभाषा, महत्वपूर्ण कारक और व्यावहारिक अनुप्रयोग सहित विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। दूसरे व्याख्यान में प्रोफेसर भट्ट ने आजादी का अमृत महोत्सव विषय और अनुप्रयोग पर चर्चा की। संवाद

व्यक्तित्व विकास की परिभाषा, महत्वपूर्ण कारक और व्यावहारिक अनुप्रयोग सहित कई पहलुओं पर प्रकाश डाला

▪ हकेवि में व्यक्तित्व विकास और आजादी का अमृत महोत्सव पर केंद्रित विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि, महेंद्रगढ़ के पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग द्वारा 'व्यक्तित्व विकास' व 'आजादी का अमृत महोत्सव और अनुप्रयोग' विषय पर केंद्रित दो विशेषज्ञ व्याख्यानों का आयोजन किया गया। इन व्याख्यानों में दिल्ली विश्वविद्यालय के पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. आर.के. भट्ट विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। हकेंवि के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से विभाग की पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के व्याख्यान विद्यार्थियों को एक बेहतर नागरिक बनने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

व्याख्यान के प्रारंभ में पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग के प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता ने मुख्य अतिथि प्रो. आर.के. भट्ट का अंग वस्त्र एवं सहायक आचार्य डॉ. अमित ने पौधा भेंट कर अभिनंदन किया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ प्रो. आर. के. भट्ट ने व्यक्तित्व विकास की परिभाषा, महत्वपूर्ण कारक और व्यावहारिक अनुप्रयोग सहित विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से संचार कौशल, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास जैसे व्यक्तिगत गुणों को मजबूत करने के लिए मूल्यवान सुझाव और तकनीकें प्रस्तुत की।

इसी क्रम में दूसरे व्याख्यान में प्रोफेसर भट्ट ने आजादी का अमृत महोत्सव विषय और अनुप्रयोग पर चर्चा की। उन्होंने पुस्तकालय और सूचना विज्ञान के क्षेत्र में अपने व्यापक ज्ञान के साथ, प्रोफेसर भट्ट ने भारत के समृद्ध इतिहास और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित और प्रसारित करने में पुस्तकालयों, सूचना केंद्रों और शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका पर बल दिया। विवि के पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग ने प्रो. आर.के. भट्ट को उनके ज्ञानवर्धक व्याख्यानों के लिए आभार व्यक्त किया। विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. श्रीराम पांडेय ने कहा कि विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास को बढ़ाने के उद्देश्य से भविष्य में भी ऐसे आयोजन विभाग द्वारा किए जाएंगे।

व्यक्तित्व विकास और आजादी के अमृत महोत्सव पर केंद्रित विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग द्वारा 'व्यक्तित्व विकास' व 'आज़ादी का अमृत महोत्सव और अनुप्रयोग' विषय पर केंद्रित दो विशेषज्ञ व्याख्यानों का आयोजन किया गया। इन व्याख्यानों में दिल्ली विश्वविद्यालय के पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. आरके भट्ट विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। हकेंवि के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से विभाग की पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के व्याख्यान विद्यार्थियों को एक बेहतर नागरिक बनने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

व्याख्यान के प्रारंभ में पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग के प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता ने मुख्य अतिथि प्रो. आरके भट्ट का अंग वस्त्र एवं सहायक आचार्य डॉ. अमित ने पौधा भेंट कर अभिनंदन किया। कार्यक्रम

विशेषज्ञ व्याख्यान के बाद प्रो. आरके भट्ट के साथ शिक्षक व विद्यार्थी ● सौ. हकेंवि प्रवक्ता

में विशेषज्ञ प्रो. आरके भट्ट ने व्यक्तित्व विकास की परिभाषा, महत्वपूर्ण कारक और व्यावहारिक अनुप्रयोग सहित विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से संचार कौशल, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास जैसे व्यक्तिगत गुणों को मजबूत करने के लिए मूल्यवान सुझाव और तकनीक प्रस्तुत की।

इसी क्रम में दूसरे व्याख्यान में प्रोफेसर भट्ट ने आज़ादी का अमृत महोत्सव विषय और अनुप्रयोग पर चर्चा की। उन्होंने पुस्तकालय और सूचना विज्ञान के क्षेत्र में अपने व्यापक ज्ञान के साथ, प्रोफेसर भट्ट ने भारत के समृद्ध इतिहास और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित और प्रसारित करने में पुस्तकालयों, सूचना केंद्रों और शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका पर बल दिया।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग ने प्रो. आरके भट्ट को उनके ज्ञानवर्धक व्याख्यानों के लिए आभार व्यक्त किया। विभाग के विभागाध्यक्ष डा. श्रीराम पांडेय ने कहा कि विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास को बढ़ाने के उद्देश्य से भविष्य में भी ऐसे आयोजन विभाग द्वारा किए जाएंगे।

हकेंवि में व्यक्तित्व विकास व आजादी का अमृत महोत्सव पर व्याख्यान

बेहतर नागरिक बनने के लिए किया प्रेरित

- दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. आरके भट्ट विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग द्वारा व्यक्तित्व विकास व आजादी का अमृत महोत्सव और अनुप्रयोग विषय पर केंद्रित दो विशेषज्ञ व्याख्यानों का आयोजन किया गया। इन व्याख्यानों में दिल्ली विश्वविद्यालय के पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. आरके भट्ट विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से विभाग की पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के व्याख्यान विद्यार्थियों को एक बेहतर नागरिक बनने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। व्याख्यान के प्रारंभ में पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग के प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता ने मुख्यातिथि प्रो. आरके भट्ट का अंग वस्त्र एवं सहायक आचार्य डॉ. अमित ने पौधा भेंटकर अभिनंदन किया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ प्रो. आरके भट्ट ने व्यक्तित्व विकास की परिभाषा, महत्वपूर्ण कारक और व्यावहारिक अनुप्रयोग सहित विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से संचार कौशल, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास जैसे व्यक्तिगत गुणों को मजबूत करने के लिए मूल्यवान सुझाव और तकनीक प्रस्तुत की।

महेंद्रगढ़। विशेषज्ञ व्याख्यान के बाद विशेषज्ञ प्रो. आरके भट्ट के साथ शिक्षक व विद्यार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करें

इसी क्रम में दूसरे व्याख्यान में प्रो. भट्ट ने आजादी का अमृत महोत्सव विषय और अनुप्रयोग पर चर्चा की। उन्होंने पुस्तकालय और सूचना विज्ञान के क्षेत्र में अपने व्यापक ज्ञान के साथ, प्रो. भट्ट ने भारत के समृद्ध इतिहास और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित और प्रसारित करने में पुस्तकालयों, सूचना केंद्रों और शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका पर खल दिया। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग ने प्रो. आरके भट्ट को उनके ज्ञानवर्धक व्याख्यानों के लिए आभार व्यक्त किया। विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. श्रीराम पांडेय ने कहा कि विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास को बढ़ाने के उद्देश्य से भविष्य में भी ऐसे आयोजन विभाग द्वारा किए जाएंगे।

ह.कें.वि. में व्यक्तित्व विकास व आजादी के अमृत महोत्सव पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

महेंद्रगढ़, 6 जून (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.कें.वि.), महेंद्रगढ़ के पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग द्वारा 'व्यक्तित्व विकास' व 'आजादी का अमृत महोत्सव और अनुप्रयोग' विषय पर केंद्रित 2 विशेषज्ञ व्याख्यानों का आयोजन किया गया। इन व्याख्यानों में दिल्ली विश्वविद्यालय के पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. आर.के. भट्ट विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे।

ह.कें.वि. के कुलपति प्रोफैसर टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से विभाग की पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के व्याख्यान विद्यार्थियों को एक बेहतर नागरिक बनने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

व्याख्यान के प्रारंभ में पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग के प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता ने मुख्य अतिथि प्रो. आर.के. भट्ट का अंग वस्त्र एवं

विशेषज्ञ व्याख्यान के बाद विशेषज्ञ प्रो. आर.के. भट्ट के साथ शिक्षक व विद्यार्थी। (मोहन)

सहायक आचार्य डॉ. अमित ने पौधा भेंट कर अभिनंदन किया।

कार्यक्रम में विशेषज्ञ प्रो. आर.के. भट्ट ने व्यक्तित्व विकास की परिभाषा, महत्वपूर्ण कारक और व्यावहारिक अनुप्रयोग सहित विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से संचार कौशल, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, नेतृत्व क्षमता व आत्मविश्वास जैसे व्यक्तिगत गुणों को मजबूत करने के लिए मूल्यवान सुझाव व तकनीकें प्रस्तुत कीं।

इसी क्रम में दूसरे व्याख्यान में प्रो. भट्ट ने आजादी का अमृत महोत्सव विषय और अनुप्रयोग पर चर्चा की। प्रो. भट्ट ने भारत के समृद्ध इतिहास और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित और प्रसारित करने में पुस्तकालयों, सूचना केंद्रों और शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका पर बल दिया। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग ने प्रो. आर.के. भट्ट को उनके ज्ञानवर्धक व्याख्यानों के लिए आभार व्यक्त किया।

विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. श्रीराम पांडे ने कहा कि विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास को बढ़ाने के उद्देश्य से भविष्य में भी ऐसे आयोजन विभाग द्वारा किए जाएंगे।

सुविधा

कुलपति बोले - पौधों पर आधारित अनुसंधान में मददगार साबित होगी प्रयोगशाला

हकेंवि में प्लांट जीनोमिक्स लैबोरेटरी का उद्घाटन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के जैव रसायन विज्ञान विभाग में बुधवार को 'प्लांट जीनोमिक्स लैबोरेटरी' का उद्घाटन विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि यह प्रयोगशाला पौधों पर आधारित अनुसंधान में मददगार साबित होगी।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को शिक्षा व अनुसंधान के क्षेत्र में हरसंभव सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए कटिबद्ध है। जैव रसायन विज्ञान विभाग में इस प्रयोगशाला की स्थापना के लिए कुलपति द्वारा विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सौरभ सक्सेना को फंड उपलब्ध कराया गया है। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटर डिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान वर्तमान परिदृश्य में समाज के लिए प्लांट जीनोमिक्स रिसर्च के महत्व पर प्रकाश डाला।

जैव रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पवन कुमार मौर्य ने विभाग में उपलब्ध सुविधाओं से सभी को अवगत कराया। इससे पूर्व कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सौरभ सक्सेना ने कुलपति व सभी संकाय सदस्यों का स्वागत किया। डॉ. मुलाका मारुति द्वारा आयोजित 'मलेरिया अनुसंधान के तरीकों' पर डीएसटी (एसईआरबी) द्वारा वित्त पोषित 'वृतिका' इंटर्नशिप कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया।

प्लांट जीनोमिक्स लैबोरेटरी का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने पुस्तक का विमोचन किया

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मनीष कुमार, भूगोल विभाग के शोधार्थी आकाश तिवारी, सैयद इरतिजा माजिद, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. आरबी सिंह व मैप्स माय इंडिया के श्रीराम प्रवेश द्वारा संपादित और स्प्रिंगर नेचर, सिंगापुर द्वारा प्रकाशित पुस्तक का बुधवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विमोचन किया। शहरी नियोजन और प्रबंधन में भौगोलिक सूचना प्रणाली नामक इस पुस्तक के संदर्भ में कुलपति ने लेखकों की प्रशंसा की। डॉ. मनीष कुमार ने पुस्तक की प्रथम प्रति कुलपति को भेंट की और पुस्तक के संदर्भ में बताते हुए कहा कि इस पुस्तक में समकालीन शहरी चुनौतियों को समझने में भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) की भूमिका बताई गई है। संवाद

हकेंवि में 'प्लांट जीनोमिक्स लैबोरेटरी' का कुलपति ने किया उद्घाटन

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि महेंद्रगढ़ के जैव रसायन विज्ञान विभाग में बुधवार को 'प्लांट जीनोमिक्स लैबोरेटरी' का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार द्वारा किया गया।

इस दौरान कुलपति ने कहा कि यह प्रयोगशाला पौधों पर आधारित अनुसंधान में मददगार साबित होगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को शिक्षा व अनुसंधान के क्षेत्र में हरसंभव सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए कटिबद्ध है। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान वर्तमान परिदृश्य में समाज के लिए प्लांट जीनोमिक्स रिसर्च के महत्व पर प्रकाश डाला। जैव रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पवन कुमार मौर्य ने विभाग में उपलब्ध सुविधाओं से सभी को अवगत कराया। इससे पूर्व कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सौरभ सक्सेना ने कुलपति व सभी संकाय सदस्यों का स्वागत किया।

डॉ. मुलाका मारुति द्वारा आयोजित 'मलेरिया

अनुसंधान के तरीकों' पर डीएसटी (एसईआरबी) द्वारा वित्त पोषित 'वृतिका' इंटर्नशिप कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में प्रो. अंतरेश कुमार, डॉ उषा नागराजन, डॉ नीलम, डॉ पूजा यादव, डॉ. इंद्रजीत सहित विभाग के विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

'शहरी नियोजन और प्रबंधन में भौगोलिक सूचना प्रणाली' का विमोचन

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि, महेंद्रगढ़ के भूगोल विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मनीष कुमार, भूगोल विभाग के शोधार्थी आकाश तिवारी, सैयद इरतिजा माजिद, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. आर.बी. सिंह व मैप्स माय इंडिया के श्रीराम प्रवेश द्वारा संपादित और स्प्रिंगर नेचर, सिंगापुर द्वारा प्रकाशित पुस्तक का बुधवार का विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विमोचन किया।

'शहरी नियोजन और प्रबंधन में भौगोलिक सूचना प्रणाली' नामक इस पुस्तक के संदर्भ में कुलपति ने लेखकों की प्रशंसा की और कहा कि शहरी योजना और प्रबंधन के विभिन्न स्तरों पर योजनाकारों, शोधकर्ताओं, वैज्ञानिकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों के बीच वैज्ञानिक ज्ञान और भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियों की समझ को बढ़ावा देने में यह पुस्तक उपयोगी साबित होगी।

कुलपति ने किया पुस्तक का विमोचन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मनीष कुमार, भूगोल विभाग के शोधार्थी आकाश तिवारी, सैयद इरतिजा माजिद, दिल्ली विवि के प्रो. आरबी सिंह व मैप्स माय इंडिया के श्रीराम प्रवेश द्वारा संपादित और स्प्रिंगर नेचर, सिंगापुर द्वारा प्रकाशित पुस्तक का विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विमोचन किया।

हकेंवि में 'प्लांट जीनोमिक्स लैबोरेटरी' का उद्घाटन

महेंद्रगढ़, 7 जून (मोहन,परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के जैव रसायन विज्ञान विभाग में बुधवार को 'प्लांट जीनोमिक्स लैबोरेटरी' का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार द्वारा किया गया।

हकेंवि में प्लांट जीनोमिक्स लैबोरेटरी का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि यह प्रयोगशाला पौधों पर आधारित अनुसंधान में मददगार साबित होगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को शिक्षा व अनुसंधान के क्षेत्र में हरसंभव सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए कटिबद्ध है।

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान वर्तमान परिदृश्य में समाज के लिए प्लांट जीनोमिक्स रिसर्च के महत्व पर प्रकाश डाला। जैव रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पवन कुमार मौर्य ने विभाग में उपलब्ध सुविधाओं से सभी को अवगत कराया। इससे पूर्व कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सौरभ सक्सेना ने कुलपति व सभी संकाय सदस्यों का स्वागत किया।

डॉ. मुलाका मारुति द्वारा आयोजित 'मलेरिया अनुसंधान के तरीकों' पर डी.एस.टी. (एस.ई.आर.बी.) द्वारा वित्त पोषित 'वृतिका' इंटर्नशिप कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में प्रो. अंतरेश कुमार, डॉ. ऊषा नागराजन, डॉ. नीलम, डॉ. पूजा यादव, डॉ. इंद्रजीत सहित विभाग के विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया डॉ. मनीष द्वारा संपादित पुस्तक का विमोचन

महेंद्रगढ़, 7 जून (मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के भूगोल विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मनीष कुमार, भूगोल विभाग के शोधार्थी आकाश तिवारी, सैयद इरतिजा माजिद, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. आर.बी. सिंह व मैप्स माय इंडिया के राम प्रवेश द्वारा संपादित और स्प्रिंगर नेचर, सिंगापुर द्वारा प्रकाशित पुस्तक का बुधवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विमोचन किया।

शहरी नियोजन और प्रबंधन में भौगोलिक सूचना प्रणाली नामक इस पुस्तक के संदर्भ में कुलपति ने लेखकों की प्रशंसा की और कहा कि शहरी योजना और प्रबंधन के विभिन्न स्तरों पर योजनाकारों, शोधकर्त्ताओं, वैज्ञानिकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों के बीच वैज्ञानिक ज्ञान और भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियों की समझ को बढ़ावा देने में यह पुस्तक उपयोगी साबित होगी।

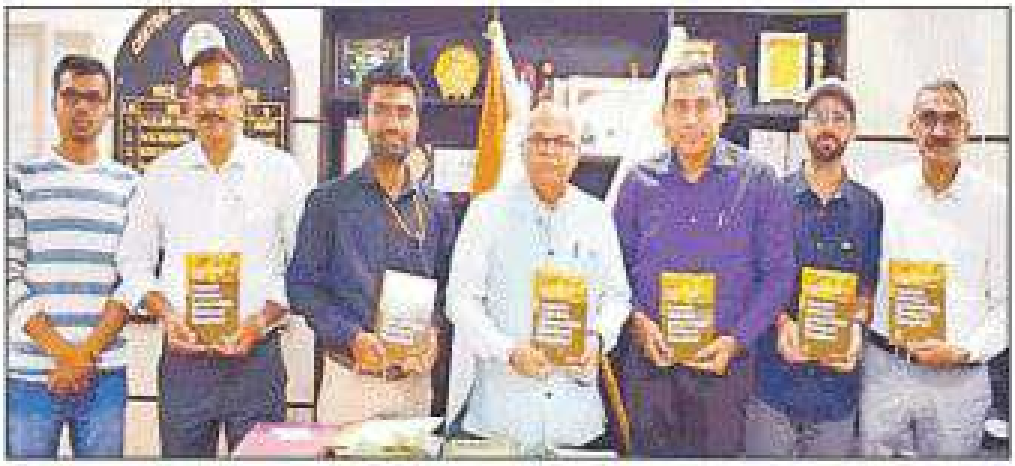

डॉ. मनीष कुमार की पुस्तक का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

डॉ. मनीष कुमार ने पुस्तक की प्रथम प्रति कुलपति को भेंट की तथा पुस्तक के संदर्भ में बताते हुए कहा कि इस पुस्तक में समकालीन शहरी चुनौतियों को समझने में भौगोलिक सूचना प्रणाली (जी.आई.एस.) की भूमिका पर विस्तार से बताया गया है।

डॉ. कुमार ने आशा व्यक्त की कि यह पुस्तक शहरी नियोजन में जी.आई.एस. के अनुप्रयोग में नई अंतर्दृष्टि प्रदान करेगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार तथा परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक भी उपस्थित रहे।

हकेवि में प्लांट जीनोमिक्स लैबोरेटरी का कुलपति ने किया उद्घाटन

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के जैवरसायन विज्ञान विभाग में बुधवार को ह्यप्लांट जीनोमिक्स लैबोरेटरीह्ल का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि यह प्रयोगशाला पौधों पर आधारित अनुसंधान में मददगार साबित होगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को शिक्षा व अनुसंधान के क्षेत्र में हरसंभव सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए कटिबद्ध है।

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान वर्तमान परिदृश्य में समाज के लिए प्लांट जीनोमिक्स रिसर्च के महत्व पर प्रकाश डाला। जैव रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पवन कुमार मौर्य ने विभाग में उपलब्ध सुविधाओं से सभी को अवगत कराया। इससे पूर्व कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सौरभ सक्सेना ने कुलपति व सभी संकाय सदस्यों का स्वागत किया।

डॉ. मुलाका मारुति द्वारा आयोजित ह्यमलेरिया अनुसंधान के तरीकोंह्ल पर डीएसटी (एसईआरबी) द्वारा वित्त पोषित ह्यवृतिकाह्ल इंटर्नशिप कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में प्रो. अंतरेश कुमार, डॉ. उषा नागराजन, डॉ. नीलम, डॉ. पूजा यादव, डॉ. इंद्रजीत सहित विभाग के विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेवि में प्लांट जीनोमिक्स लैबोरेटरी का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया डॉ. मनीष कुमार द्वारा संपादित पुस्तक का विमोचन

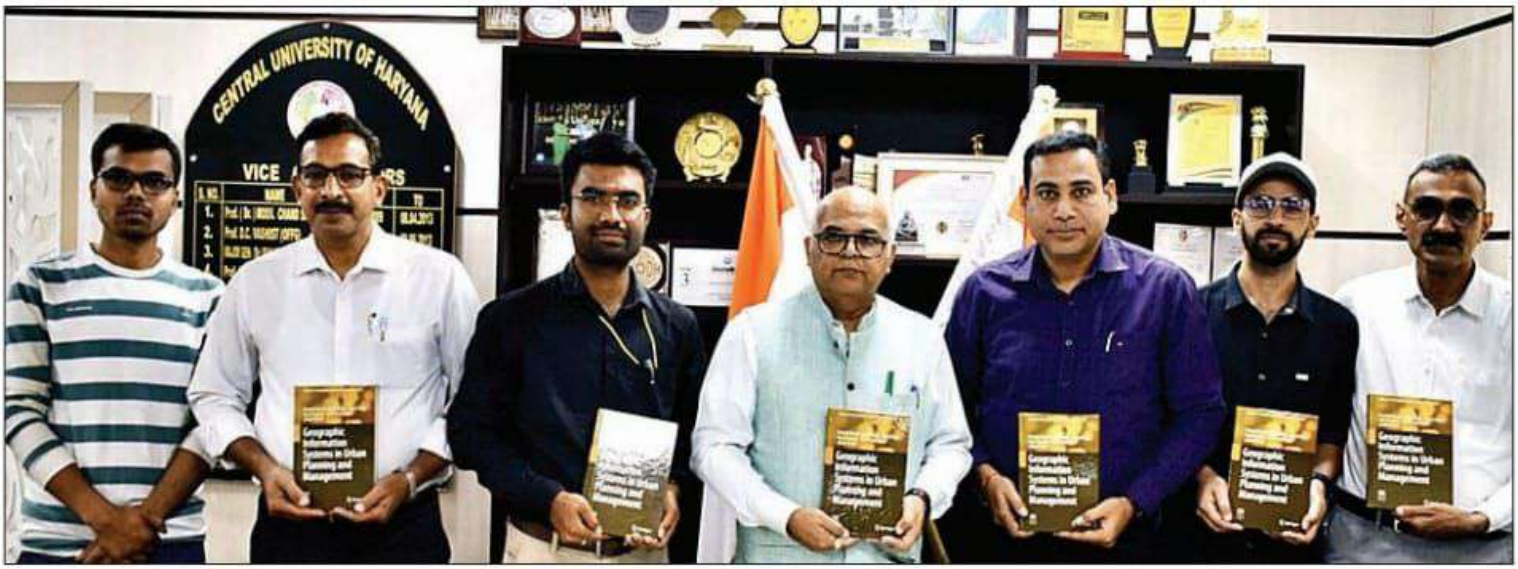

डॉ. मनीष कुमार की पुस्तक का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। आज समाज

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के भूगोल विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मनीष कुमार, भूगोल विभाग के शोधार्थी आकाश तिवारी, सैयद इरतिजा माजिद, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. आर.बी. सिंह व मैप्स माय इंडिया के श्री राम प्रवेश द्वारा संपादित और सिंप्रगर नेचर, सिंगापुर द्वारा प्रकाशित पुस्तक का बुधवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विमोचन किया। शहरी नियोजन और प्रबंधन में भौगोलिक सूचना प्रणाली नामक इस पुस्तक के संदर्भ में कुलपति ने लेखकों की प्रशंसा की और कहा कि शहरी योजना और प्रबंधन के विभिन्न स्तरों पर योजनाकारों, शोधकताओं, वैज्ञानिकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों के बीच वैज्ञानिक ज्ञान और भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियों की समझ को बढ़ावा देने में यह पुस्तक उपयोगी साबित होगी। डॉ. मनीष कुमार ने पुस्तक की प्रथम प्रति कुलपति को भेंट की तथा पुस्तक के संदर्भ में बताते हुए कहा कि इस पुस्तक में समकालीन शहरी चुनौतियों को समझने में भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) की भूमिका पर विस्तार से बताया गया है। डॉ. कुमार ने आशा व्यक्त की कि यह पुस्तक शहरी नियोजन में जीआईएस के अनुप्रयोग में नई अंतर्दृष्टि प्रदान करेगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार तथा परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक भी उपस्थित रहे।

हकेंवि में 'प्लांट जीनोमिक्स लैबोरेटरी' का उद्घाटन

नारनौल, 7 जून (निस)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के जैवरसायन विज्ञान विभाग में बुधवार को 'प्लांट जीनोमिक्स लैबोरेटरी' का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि यह प्रयोगशाला पौधों पर आधारित अनुसंधान में मददगार साबित होगी। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान वर्तमान परिदृश्य में समाज के लिए प्लांट जीनोमिक्स रिसर्च के महत्व पर प्रकाश डाला। जैव रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पवन कुमार मौर्य ने विभाग में उपलब्ध सुविधाओं से सभी को अवगत कराया।

Prof. Tankeshwar kumar inaugurated 'plant genomics laboratory' at CUH

Sanjay Kumar
info@impressivetimes.com

MAHENDERGARH : Plant Genomics Laboratory facility was inaugurated at the Department of Biochemistry, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh by Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor of the University. He said that this Laboratory will facilitate the plant-based research to a greater extent. The coordinator of the program Dr. Saurabh Saxena welcomed the chief guest, faculty members and applauded the support given by VC, CUH. Prof. Pawan Kumar Maurya, Head of the Department has briefed about the departmental facilities and achievements of the faculty. Prof. Neelam Sangwan, Dean, School of Interdisciplinary and Applied Sciences, and Dean Research has highlighted the importance of plant genomics research for the society in the current scenario. On the same occasion Department has inaugurated the DST (SERB) funded 'Vritika' internship program on 'methods in malaria research' organized by Dr. Mulaka Maruthi. The program was attended by Prof. Antresh Kumar, Dr. Usha Nagrajan, Dr. Neelam, Dr. Pooja Yadav, Dr. Inderjeet and students of the Department.

ऑक्साइड्स फॉर मेडिकल एप्लिकेशन्स नामक पुस्तक का हकेवि कुलपति ने किया विमोचन

नीरज कौशिक

प्रो. पवन कुमार मौर्य की पुस्तक का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के जैव रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पवन कुमार मौर्य, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, यूपीईएस, देहरादून के डॉ. पीयूष कुमार, शिव नादर विश्वविद्यालय के डॉ. गणेशलेनिन कंदासामी तथा मानव रचना विश्वविद्यालय के डॉ. जितेंद्र पाल द्वारा संपादित व एल्सेवियर द्वारा प्रकाशित पुस्तक का हकेवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विमोचन किया। ह्यऑक्साइड्स फॉर मेडिकल एप्लिकेशन्सह्य नामक इस पुस्तक का विमोचन करते हुए कुलपति ने संपादकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह पुस्तक स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र में काम कर रहे अकादमिक पेशेवरों के लिए काफी प्रासंगिक है। प्रो. टंकेश्वर कुमार को पुस्तक की पहली प्रति भेंट करते हुए पुस्तक के संपादक प्रो. पवन कुमार मौर्य ने कहा कि यह पुस्तक चिकित्सा अनुप्रयोग के लिए ऑक्साइड की भूमिका को कवर करती है। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने संपादकों को बधाई दी। यह पुस्तक ऑक्साइड के सबसे अधिक प्रासंगिक चिकित्सा अनुप्रयोगों जैसे बायोसेंसिंग, ड्रग डिलीवरी, टिशू इंजीनियरिंग और अन्य में उनके उपयोग का अवलोकन प्रदान करती है। इस अवसर पर प्रो. अंतरेश कुमार, डॉ. सौरभ सक्सेना, डॉ. उषा नागराजन, डॉ. मुलका मारुति, डॉ. नीलम, डॉ. पूजा और डॉ. इंद्रजीत कुमार भी उपस्थित रहे।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में बी.टेक. लेटरल एंट्री हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अंतर्गत संचालित प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी, सिविल इंजीनियरिंग, इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग व कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग कार्यक्रमों में लेटरल एंट्री स्कीम के अंतर्गत बी.टेक-द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर) में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी का उद्देश्य सामाजिक तथा कॉपोर्रेट जिम्मेदारी के साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने वाले पेशेवर तकनीकी प्रोफेशनल तैयार करना है। साथ ही विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के संचार कौशल, समस्या निदान पर भी जोर दे रहा है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के शिक्षण के लिए योग्य एवं औद्योगिक व अनुसंधान अनुभव रखने वाले शिक्षक उपलब्ध हैं। स्कूल के पास आधुनिक उपकरणों एवं नवीनतम अनुसंधान सुविधाओं से सुसज्जित प्रयोगशालाओं के साथ समृद्ध पुस्तकालय भी उपलब्ध है। हकेवि के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. फूल सिंह ने बताया कि बी.टेक. कार्यक्रमों में लेटरल एंट्री स्कीम के अंतर्गत बी.टेक-द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर) प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। उन्होंने बताया कि लेटरल एंट्री स्कीम में बी.टेक.- प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी में 10 तथा सिविल इंजीनियरिंग, इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग व कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में 6-6 सीटें उपलब्ध हैं। इनमें दाखिला प्रवेश परीक्षा की मेरिट के आधार पर होगा। उक्त कार्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 28 जून 2023 है।

हकेंवि कुलपति ने किया पुस्तक का विमोचन

पुस्तक का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के जैव रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पवन कुमार मौर्य, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, यूपीईएस, देहरादून के डॉ. पीयूष कुमार, शिव नादर विश्वविद्यालय के डॉ. गणेशलेनिन कंदासामी तथा मानव रचना विश्वविद्यालय के डॉ. जितेंद्र पाल द्वारा संपादित व एल्सेवियर द्वारा प्रकाशित पुस्तक का हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विमोचन किया। संवाद

'ऑक्साइड्स फॉर मेडिकल एप्लिकेशन्स' नामक पुस्तक का हकेवि कुलपति ने किया विमोचन

महेंद्रगढ़ | हकेवि महेंद्रगढ़ के जैव रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पवन कुमार मौर्य, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, यूपीईएस, देहरादून के डॉ. पीयूष कुमार, शिव नादर विश्वविद्यालय के डॉ गणेश लेनिन कंदासामी तथा मानव रचना विश्वविद्यालय के डॉ. जितेंद्र पाल द्वारा संपादित व एल्सेवियर द्वारा प्रकाशित पुस्तक का हकेवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विमोचन किया।

'ऑक्साइड्स फॉर मेडिकल एप्लिकेशन्स' नामक इस पुस्तक का विमोचन करते हुए कुलपति संपादकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह पुस्तक स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र में काम कर रहे अकादमिक पेशेवरों के लिए काफी प्रासंगिक है। प्रो. टंकेश्वर कुमार को पुस्तक की पहली प्रति भेंट करते हुए पुस्तक के संपादक प्रो. पवन कुमार मौर्य ने कहा कि यह पुस्तक चिकित्सा अनुप्रयोग के लिए ऑक्साइड की भूमिका को कवर करती है। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने संपादकों को बधाई

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में कर सकेंगे संचार कौशल की पढ़ाई

बीटेक लेटरल एंट्री में ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अंतर्गत संचालित प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी, सिविल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग कार्यक्रमों में लेटरल एंट्री स्कीम के अंतर्गत बीटेक - द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर) में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरु हो गई है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी का उद्देश्य सामाजिक तथा कॉर्पोरेट जिम्मेदारी के साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने वाले पेशेवर

तकनीकी प्रोफेशनल तैयार करना है। साथ ही विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के संचार कौशल, समस्या निदान पर भी जोर दे रहा है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के शिक्षण के लिए योग्य एवं औद्योगिक व अनुसंधान अनुभव रखने वाले शिक्षक उपलब्ध हैं। स्कूल के पास आधुनिक उपकरणों एवं नवीनतम अनुसंधान सुविधाओं से सुसज्जित प्रयोगशालाओं के साथ समृद्ध पुस्तकालय भी उपलब्ध है।

हकेवि के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. फूल सिंह ने बताया कि बी.टेक. कार्यक्रमों में लेटरल एंट्री स्कीम के अंतर्गत बी.टेक-द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर) प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरु हो गई है। उन्होंने बताया कि लेटरल एंट्री स्कीम में बी.टेक प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी में 10 तथा सिविल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग व कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में 6-6 सीटें उपलब्ध हैं। इनमें दाखिला प्रवेश परीक्षा की मेरिट के आधार पर होगा। उक्त कार्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 28 जून 2023 है। इस संबंध में विस्तृत विवरण http://phd.cuh.ac.in / पर उपलब्ध है।

'आक्साइड्स फार मेडिकल एप्लिकेशन्स' का हुआ विमोचन

प्रो. पवन कुमार मौर्य की पुस्तक का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. हकेंवि प्रकाशन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के जैव रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पवन कुमार मौर्य, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, यूपीईएस, देहरादून के डा. पीयूष कुमार, शिव नादर विश्वविद्यालय के डा. गणेशलेनिन कंदासामी तथा मानव रचना विश्वविद्यालय के डा. जितेंद्र पाल द्वारा संपादित व एल्सेवियर द्वारा प्रकाशित पुस्तक का हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विमोचन किया।

'आक्साइड्स फार मेडिकल एप्लिकेशन्स' नामक इस पुस्तक का विमोचन करते हुए कुलपति संपादकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह पुस्तक स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र में काम कर रहे अकादमिक पेशेवरों के लिए काफी प्रासंगिक है। प्रो. टंकेश्वर कुमार को पुस्तक की पहली प्रति भेंट करते हुए पुस्तक के संपादक प्रो. पवन कुमार मौर्य ने कहा कि यह पुस्तक चिकित्सा अनुप्रयोग के लिए आक्साइड की भूमिका को कवर करती है।

विश्वविद्यालय के स्कूल आफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने संपादकों को बधाई दी। यह पुस्तक ऑक्साइड के सबसे अधिक प्रासंगिक चिकित्सा अनुप्रयोगों जैसे बायोसेंसिंग, ड्रग डिलीवरी, टिशू इंजीनियरिंग और अन्य में उनके उपयोग का अवलोकन प्रदान करती है।

इस अवसर पर प्रो. अंतरेश कुमार, डा. सौरभ सक्सेना, डा. उषा नागराजन, डा. मुलका मारुति, डा. नीलम, डा. पूजा और डा. इंद्रजीत कुमार भी उपस्थित रहे।

हकेंवि में बीटेक लेटरल एंट्री के लिए आवेदन शुरू

संस, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में स्कूल आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी के अंतर्गत संचालित प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलाजी, सिविल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग व कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग कार्यक्रमों में लेटरल एंट्री स्कीम के अंतर्गत बीटेक-द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर) में प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय के स्कूल आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी का उद्देश्य सामाजिक तथा कार्पोरेट जिम्मेदारी के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने वाले पेशेवर तकनीकी प्रोफेशनल तैयार करना है। साथ ही विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के संचार कौशल, समस्या निदान पर भी जोर दे रहा है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के शिक्षण के लिए योग्य एवं औद्योगिक व अनुसंधान अनुभव रखने वाले शिक्षक उपलब्ध हैं। स्कूल के पास आधुनिक उपकरणों एवं नवीनतम अनुसंधान सुविधाओं से सुसज्जित प्रयोगशालाओं के साथ समृद्ध पुस्तकालय भी उपलब्ध है।

हकेंवि के स्कूल आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी के अधिष्ठाता प्रो. फूल सिंह ने बताया कि बीटेक कार्यक्रमों में लेटरल एंट्री स्कीम के अंतर्गत बीटेक-द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर) प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है।

हकेंवि में बीटेक लेटरल के लिए दाखिला प्रक्रिया शुरू

नारनौल (निस) : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अंतर्गत संचालित प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी, सिविल इंजीनियरिंग, इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग व कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग कार्यक्रमों में लेटरल एंट्री स्कीम के अंतर्गत बी.टेक-द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर) में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि लेटरल एंट्री स्कीम में बीटेक- प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी में 10 तथा सिविल इंजीनियरिंग, इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग व कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में 6-6 सीटें उपलब्ध हैं। इनमें दाखिला प्रवेश परीक्षा की मेरिट के आधार पर होगा। उक्त कार्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 28 जून 2023 है। इस संबंध में विस्तृत विवरण **http://phd.cuh.ac.in/** पर उपलब्ध है।

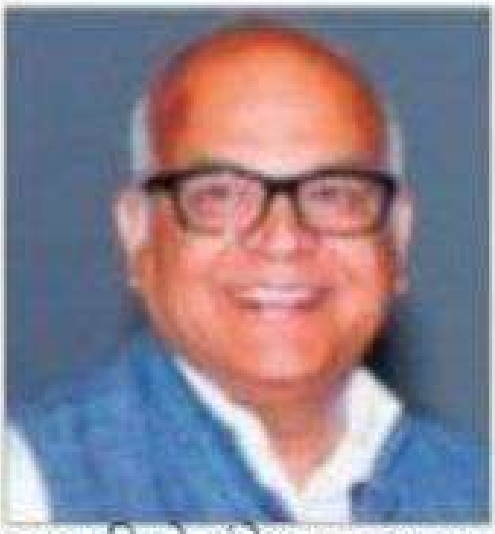

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार

दैनिक ट्रिब्यून Fri, 09 June 2023
https://epaper.dainiktribu

कुलपति ने किया पुस्तक का विमोचन

■ ऑक्साइड्स फॉर मेडिकल एप्लिकेशन्स पुस्तक का संपादन प्रो. पवन कुमार मौर्य, डॉ. पीयूष कुमार, डॉ. गणेशलेनिन कंदासामी और डॉ. जितेंद्र पाल ने किया

महेंद्रगढ़। पुस्तक का विमोचन करते कुलपति। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंदगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के जैव रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पवन कुमार मौर्य, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, यूपीईएस, देहरादून के डॉ. पीयूष कुमार, शिव नादर विश्वविद्यालय के डॉ. गणेशलेनिन कंदासामी तथा मानव रचना विश्वविद्यालय के डॉ. जितेंद्र पाल द्वारा संपादित व एल्सेवियर द्वारा प्रकाशित पुस्तक का हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विमोचन किया। ऑक्साइड्स फॉर मेडिकल एप्लिकेशन्स नामक इस पुस्तक का विमोचन करते हुए कुलपति ने संपादकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह पुस्तक स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र में काम कर रहे अकादमिक पेशेवरों के लिए काफी प्रासंगिक है। प्रो. टंकेश्वर कुमार को पुस्तक की पहली प्रति भेंट करते हुए पुस्तक के संपादक प्रो. पवन कुमार मौर्य ने कहा कि यह पुस्तक चिकित्सा अनुप्रयोग के लिए ऑक्साइड की भूमिका को कवर करती है। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने संपादकों को बधाई दी। यह पुस्तक ऑक्साइड के सबसे अधिक प्रासंगिक चिकित्सा अनुप्रयोगों जैसे बायोसेंसिंग, ड्रग डिलीवरी, टिशू इंजीनियरिंग और अन्य में उनके उपयोग का अवलोकन प्रदान करती है। इस अवसर पर प्रो. अंतरेश कुमार, डॉ. सौरभ सक्सेना, डॉ. उषा नागराजन आदि मौजूद रहे।

हकेंवि में बीटेक लेटरल एंट्री को ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

- ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 28 जून 2023

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अंतर्गत संचालित प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी, सिविल इंजीनियरिंग, इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग व कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग कार्यक्रमों में लेटरल एंट्री स्कीम के अंतर्गत बीटेक-द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर) में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरु हो गई है।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी का उद्देश्य सामाजिक तथा कॉपारेट जिम्मेदारी के साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने वाले पेशेवर तकनीकी प्रोफेशनल तैयार करना है। साथ ही विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के संचार कौशल, समस्या निदान पर भी जोर दे रहा है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के शिक्षण के लिए योग्य एवं औद्योगिक व अनुसंधान अनुभव रखने वाले शिक्षक उपलब्ध हैं। स्कूल के पास आधुनिक उपकरणों एवं नवीनतम अनुसंधान सुविधाओं से सुसज्जित प्रयोगशालाओं के साथ समृद्ध पुस्तकालय भी उपलब्ध है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. फूल सिंह ने बताया कि बीटेक कार्यक्रमों में लेटरल एंट्री स्कीम के अंतर्गत बीटेक-द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर) प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरु हो गई है।

मेरिट पर होगा एडमिशन

उन्होंने बताया कि लेटरल एंट्री स्कीम में बीटेक- प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी में 10 तथा सिविल इंजीनियरिंग, इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग व कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में 6-6 सीटें उपलब्ध हैं। इनमें दाखिला प्रवेश परीक्षा की मेरिट के आधार पर होगा। उक्त कार्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 28 जून 2023 है। इस संबंध में विस्तृत विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

'ऑक्साइड्स फॉर मैडिकल एप्लिकेशन्स' नामक पुस्तक का कुलपति ने किया विमोचन

महेंद्रगढ़, 8 जून (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के जैव रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पवन कुमार मौर्य, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, यू.पी.ई.एस., देहरादून के डॉ. पीयूष कुमार, शिव नादर विश्वविद्यालय के डॉ. गणेशलेनिन कंदासामी तथा मानव रचना विश्वविद्यालय के डॉ. जितेंद्र पाल द्वारा संपादित व एल्सेवियर द्वारा प्रकाशित पुस्तक का हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विमोचन किया।

'ऑक्साइड्स फॉर मैडिकल एप्लिकेशन्स' नामक इस पुस्तक का विमोचन करते हुए कुलपति

प्रो. पवन कुमार मौर्य की पुस्तक का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। (मोहन)

संपादकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह पुस्तक स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र में काम कर रहे अकादमिक पेशेवरों के लिए काफी प्रासंगिक है। प्रो. टंकेश्वर कुमार को पुस्तक की पहली प्रति भेंट करते हुए पुस्तक के संपादक प्रो. पवन कुमार मौर्य ने कहा कि यह पुस्तक चिकित्सा अनुप्रयोग के लिए ऑक्साइड की भूमिका को कवर करती है।

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने संपादकों को बधाई दी।

यह पुस्तक ऑक्साइड के सबसे अधिक प्रासंगिक चिकित्सा अनुप्रयोगों जैसे बायोसैंसिंग, ड्रग डिलीवरी, टिशू इंजीनियरिंग और अन्य में उनके उपयोग का अवलोकन प्रदान करती है। इस अवसर पर प्रो. अंतरेश कुमार, डॉ. सौरभ सक्सेना, डॉ. उषा नागराजन, डॉ. मुलका मारुति, डॉ. नीलम, डॉ. पूजा और डॉ. इंद्रजीत कुमार भी उपस्थित रहे।

हकेंवि में बी.टैक. लेटरल एंट्री के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू

महेंद्रगढ़, 8 जून (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी के अंतर्गत संचालित प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टैक्नोलॉजी, सिविल इंजीनियरिंग, इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग व कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग कार्यक्रमों में लेटरल एंट्री स्कीम के अंतर्गत बी.टैक-द्वितीय वर्ष (तृतीय समैस्टर) में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी का उद्देश्य सामाजिक तथा कॉर्पोरेट जिम्मेदारी के साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने वाले पेशेवर तकनीकी प्रोफैशनल तैयार करना है।

हकेंवि के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. फूल सिंह ने बताया कि बी.टैक. कार्यक्रमों में लेटरल एंट्री स्कीम के अंतर्गत बी.टैक-द्वितीय वर्ष (तृतीय समैस्टर) प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है।ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 28 जून है।

राव ने महिलाओं की सुरक्षा और समाज की सुरक्षा के संकल्प विषय पर विचार रखे। संवाद

उन्होंने कहा कि संघ के कार्यक्रमों में संघ की मूल है और संघ संपूर्ण हिंदू सिंह, राम आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए तैयारी जारी, हकेंवि में कुलपति के नेतृत्व में होगा आयोजन

भारतीय ज्ञान परंपरा का वाहक है योग : प्रो. टंकेश्वर

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर 21 जून की तैयारियां जारी हैं। इसके अंतर्गत विश्वविद्यालय के योग विभाग व योग, ट्रैकिंग एवं एडवेंचर क्लब के संयुक्त तत्वावधान में योग के प्रति आमजन का जागरूक करने के उद्देश्य से योग प्रशिक्षण कार्यक्रम चला रहा है।

कुलपति ने कहा कि योग से जुड़कर व्यक्ति भारतीय ज्ञान परंपरा से परिचित होता है। इससे उसका आत्मबोध बढ़ता है और यह आत्मबोध ही राष्ट्र बोध कराता है, जो व्यक्ति के संपूर्ण नागरिक बनने में बहुत बड़ी भूमिका निभाता है। योग भारतीय ज्ञान परंपरा का वाहक है।

योग विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से चलाए जा रहे योग प्रशिक्षण कार्यक्रम में बच्चों सहित आमजन के लिए सामान्य योग प्रशिक्षण, योग के विद्यार्थियों और शोधार्थियों द्वारा दिया जा रहा है। इसी क्रम में जिला महेंद्रगढ़ के गांव जांजडियावास की व्यायामशाला में योग विभाग के शोधार्थी प्रदीप कुमार सामान्य योग प्रशिक्षण उपलब्ध करा रहे हैं। इस योग प्रशिक्षण का उद्देश्य लोगों को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए तैयार करना है। इससे वह अपने जीवन में योग को समाहित कर सकें और अपना जीवन सभी प्रकार से स्वस्थ बना सकें।

शिविर में योगाभ्यास करते प्रतिभागी। संवाद

तीन दिवसीय शिविर का हुआ शुभारंभ

अटेली। हरियाणा योग आयोग व भारत सरकार के संयुक्त तत्वाधान में शुक्रवार को राजकीय कन्या महाविद्यालय में योग प्रोटोकॉल अभ्यास शिविर का आयोजन सुबह 6:00 से 7:30 बजे तक किया गया। 9 से 11 जून तक तीन दिवसीय शिविर का आयोजन किया जाएगा, जिसमें 21 जून को अंतरर्राष्ट्रीय योग दिवस पर होने वाले प्रोटोकॉल का नियमित रूप से तीन दिनों तक ब्लॉक के सभी प्रशासनिक अधिकारी व कर्मचारी सरपंच, पंच व अन्य निर्वाचित सदस्य, पुलिस विभाग के अधिकारी व कर्मचारी, एनसीसी के कैडेट्स व इच्छुक जनसाधारण को इस प्रशिक्षण शिविर में प्रोटोकॉल का अभ्यास करवाया जाएगा। इस अवसर पर आयुष विभाग से डॉ. दिनेश कुमार ने भगवान के समक्ष दीप प्रज्वलित कर प्रशिक्षण शिविर की शुरुआत की। संवाद

योग प्रशिक्षण का कार्यक्रम आयोजित

सिहमा। हरियाणा योग आयोग तथा आयुष विभाग के दिशा निर्देशानुसार जिले में अलग-अलग स्थानों पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस प्रोटोकॉल का अभ्यास करवाया जा रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार को राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल सीहमा में योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। योग सहायिका नीलम ने बताया कि योग एक प्राचीन भारतीय पद्धति है, जिसमें शरीर, मन और आत्मा को एक साथ लाने में (योग) का काम होता है। योग के माध्यम से शरीर, मन और मस्तिष्क को पूर्ण रूप से स्वस्थ किया जा सकता है। शरीर, मन और मस्तिष्क के स्वस्थ रहने से हम स्वयं को स्वस्थ महसूस करते हैं। उन्होंने बताया कि योग के द्वारा न ही सिर्फ बीमारियों का उपचार किया जाता है बल्कि इसे अपनाकर कई शारीरिक और मानसिक कमियों को भी दूर किया जा सकता है। संवाद

भारतीय ज्ञान परंपरा का वाहक है योग : प्रो. टंकेश्वर

महेंद्रगढ़ | हकेंवि महेंद्रगढ़ में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 21 जून 2023 की तैयारियां जारी हैं। इसके अंतर्गत विश्वविद्यालय के योग विभाग व योग, ट्रैकिंग एवं एडवेंचर क्लब के संयुक्त तत्वाधान में योग के प्रति आमजन का जागरूक करने के उद्देश्य से योग प्रशिक्षण कार्यक्रम चला रहा है। कुलपति ने योग के प्रचार और प्रसार के लिए योग विभाग की सराहना की। योग विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे योग प्रशिक्षण कार्यक्रम में बच्चों सहित आमजन के लिए सामान्य योग प्रशिक्षण, योग के विद्यार्थियों और शोधार्थियों द्वारा दिया जा रहा है। इसी क्रम में जिला महेंद्रगढ़ के गांव जांजडियावास की व्यायामशाला में योग विभाग के शोधार्थी प्रदीप कुमार सामान्य योग प्रशिक्षण उपलब्ध करा रहे हैं। योग विभाग के शिक्षक प्रभारी डॉ अजय पाल ने बताया कि योग विभाग प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी महेंद्रगढ़ जिले के कई स्थानों पर सामान्य योग प्रशिक्षण दे रहा है। इस कार्यक्रम के संयोजक योग विभाग के सहायक आचार्य डॉ नवीन हैं, जिन्होंने योग के कार्यक्रमों का आयोजन विभिन्न स्थानों पर करने की योजना बनाई है।

भारतीय ज्ञान परंपरा का वाहक है योग

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून की तैयारियां जारी हैं। इसके अंतर्गत विवि के योग विभाग व योग, ट्रैकिंग एवं एडवेंचर क्लब के संयुक्त तत्वाधान में योग के प्रति आमजन का जागरूक करने के उद्देश्य से योग प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया रहा है। कुलपति ने योग के प्रचार और प्रसार के लिए योग विभाग की सराहना की और कहा कि योग से जुड़कर व्यक्ति भारतीय ज्ञान परंपरा से परिचित होता है, जिससे उसका आत्मबोध बढ़ता है। योग विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान ने बताया कि विवि द्वारा चलाए जा रहे योग प्रशिक्षण कार्यक्रम में बच्चों सहित आमजन के लिए सामान्य योग प्रशिक्षण, योग के विद्यार्थियों और शोधार्थियों द्वारा दिया जा रहा है।

पंजाब केसरी
SAT,10 JUNE 2023
EDITION: REWARI KESARI, PAGE NO. 4

भारतीय ज्ञान परंपरा का वाहक है योग : प्रो. टंकेश्वर

हकेंवि द्वारा चलाए जा रहे योग प्रशिक्षण शिविर में योगाभ्यास करते प्रतिभागी। (मोहन)

महेंद्रगढ़, 9 जून (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 21 जून की तैयारियां जारी हैं।

इसके अंतर्गत विश्वविद्यालय के योग विभाग व योग, ट्रैकिंग एवं एडवैंचर क्लब के संयुक्त तत्वावधान में योग के प्रति आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से योग प्रशिक्षण कार्यक्रम चला रहा है।

कुलपति ने योग के प्रचार और प्रसार के लिए योग विभाग की सराहना की और कहा कि योग से जुड़कर व्यक्ति भारतीय ज्ञान परंपरा से परिचित होता है, जिससे उसका आत्मबोध बढ़ता है और यह आत्मबोध ही राष्ट्र बोध कराता है, जो व्यक्ति के संपूर्ण नागरिक बनने में बहुत बड़ी भूमिका निभाता है।

योग विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे योग प्रशिक्षण कार्यक्रम में बच्चों सहित आमजन के लिए सामान्य योग प्रशिक्षण, योग के विद्यार्थियों और शोधार्थियों द्वारा दिया जा रहा है। इसी क्रम में जिला महेंद्रगढ़ के गांव जांजडियावास की व्यायामशाला में योग विभाग के शोधार्थी प्रदीप कुमार सामान्य योग प्रशिक्षण उपलब्ध करा रहे हैं।

इस योग प्रशिक्षण का उद्देश्य लोगों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए तैयार करना है, जिससे वह अपने जीवन में योग को समाहित कर सकें और अपना जीवन सभी प्रकार से स्वस्थ और समुन्नत बना सकें। योग विभाग के शिक्षक प्रभारी डॉ. अजय पाल ने बताया कि योग विभाग प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी महेंद्रगढ़ जिले के कई स्थानों पर सामान्य योग प्रशिक्षण दे रहा है।

इस कार्यक्रम के संयोजक योग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. नवीन हैं, जिन्होंने योग के कार्यक्रमों का आयोजन विभिन्न स्थानों पर करने की योजना बनाई है। योग विभाग लोगों से योग करने और उससे जुड़ने की अपील करता है, जिससे व्यक्तियों के स्वास्थ्य में सुधार होता है।

रा.सी.सै. स्कूल सिहमा में योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

नारनौल (पवन, हेमंत): हरियाणा योग आयोग तथा आयुष विभाग के दिशा-निर्देशानुसार जिले में अलग-अलग स्थानों पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस प्रोटोकॉल का अभ्यास करवाया जा रहा है। इसी कड़ी में आज राजकीय सीनियर सैकेंडरी स्कूल सिहमा में योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

योगासन करते अधिकारी व कर्मचारी। (पवन)

योग सहायिका नीलम ने बताया कि योग एक प्राचीन भारतीय पद्धति है, जिसमें शरीर, मन और आत्मा को एक साथ लाने में (योग) का काम होता है। योग के माध्यम से शरीर, मन और मस्तिष्क को पूर्ण रूप से स्वस्थ किया जा सकता है। शरीर, मन और मस्तिष्क के स्वस्थ रहने से हम स्वयं को स्वस्थ महसूस करते हैं।

उन्होंने बताया कि योग द्वारा न ही सिर्फ बीमारियों का उपचार किया जाता है बल्कि इसे अपनाकर कई शारीरिक और मानसिक कमियों को भी दूर किया जा सकता है। योग हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाकर जीवन में नई ऊर्जा का संचार करता है। योगासन शरीर को शक्तिशाली एवं लचीला बनाए रखता है। साथ ही तनाव से भी मुक्ति दिलाता है।

इस अवसर पर सिहमा बी.डी.पी.ओ., ग्राम सचिव, स्कूल स्टाफ तथा पी.एच.सी. में कार्यरत अधिकारी व कर्मचारियों ने योगासन किया।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के चार विद्यार्थियों को मिला कैम्पस प्लेसमेंट

प्लेसमेंट ड्राइव में विद्यार्थी का साक्षात्कार लेती संगीता श्रीवास्तव व प्लेसमेंट पाने वाले विद्यार्थी कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व शिक्षकों के साथ।

- कुलपति ने दी बधाई, एमसीए के हैं चारों विद्यार्थी

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल द्वारा विद्यार्थियों को रोजगार उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। प्लेसमेंट ड्राइव में बहुराष्ट्रीय कंपनी हैप्पी रेंटल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने भाग लिया। इसमें विश्वविद्यालय में एमसीए के चार विद्यार्थियों को प्लेसमेंट मिला। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्लेसमेंट पाने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय अध्ययन के साथ-साथ विद्यार्थियों को रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए भी प्रयासरत है।

विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल के उपनिदेशक व प्लेसमेंट ड्राइव के संयोजक डॉ. सूरज आर्य ने बताया कि यह प्लेसमेंट ड्राइव चार राउंड में सम्पन्न हुआ। जिसमें विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान व कौशल तथा साक्षात्कार के आधार पर विद्यार्थियों का चयन हुआ। उन्होंने बताया कि प्रत्येक विद्यार्थी को कंपनी की ओर से चार लाख रूपए का पैकेज मिला है।

प्लेसमेंट ड्राइव के अंतिम राउंड में हैप्पी रेंटल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की कोफाउंडर एंड मैनेजिंग पार्टनर सुश्री संगीता श्रीवास्तव भी उपस्थित रहीं।

विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल के निदेशक डॉ. आकाश सक्सेना ने प्लेसमेंट पाने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय में एमसीए के विद्यार्थी चंद्र नारायण, सत्य संग्राम, शिवानी व वंशिका को प्लेसमेंट प्राप्त हुआ है और इन सभी को कंपनी की तरफ से नियुक्ति पत्र प्रदान किया जा चुका है। इस अवसर पर ट्रेनिंग व प्लेसमेंट सेल की उपनिदेशक डॉ. दिव्या, डॉ. कपिल, डॉ. तरुण भी उपस्थित रहे।

हकेंवि के चार विद्यार्थियों को मिला कैंपस प्लेसमेंट

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल द्वारा विद्यार्थियों को रोजगार उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। प्लेसमेंट ड्राइव में बहुराष्ट्रीय कंपनी हैप्पी रेंटल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने भाग लिया। इसमें विश्वविद्यालय में एमसीए के चार विद्यार्थियों को प्लेसमेंट मिला।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्लेसमेंट पाने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल के उपनिदेशक व प्लेसमेंट ड्राइव के संयोजक डॉ. सूरज आर्य ने बताया कि यह प्लेसमेंट ड्राइव चार राउंड में संपन्न हुआ। विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान व कौशल तथा साक्षात्कार के आधार पर विद्यार्थियों का चयन हुआ। प्लेसमेंट ड्राइव के अंतिम राउंड में हैप्पी रेंटल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की को-फाउंडर एंड मैनेजिंग पार्टनर संगीता श्रीवास्तव भी उपस्थित रहीं। विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल के निदेशक डॉ. आकाश सक्सेना ने बताया कि विश्वविद्यालय में एमसीए के विद्यार्थी चंद्र नारायण, सत्य संग्राम, शिवानी व वंशिका को प्लेसमेंट प्राप्त हुआ है और इन सभी को कंपनी की तरफ से नियुक्ति पत्र प्रदान किया जा चुका है। इस अवसर पर ट्रेनिंग व प्लेसमेंट सेल की उपनिदेशक डॉ. दिव्या, डॉ. कपिल, डॉ. तरुण भी उपस्थित रहे।

प्लेसमेंट पाने वाले विद्यार्थी कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व शिक्षकों के साथ। संवाद

हकेंवि के चार विद्यार्थियों को कैंपस प्लेसमेंट

- प्लेसमेंट ड्राइव में बहुराष्ट्रीय कंपनी ने भी लिया भाग
- व्यावहारिक ज्ञान, कौशल व साक्षात्कार पर हुआ चयन

प्लेसमेंट पाने वाले विद्यार्थी प्रो. टंकेश्वर व शिक्षकों के साथ ● सौ. विश्वविद्यालय प्रवक्ता

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल द्वारा विद्यार्थियों को रोजगार उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। इसमें बहुराष्ट्रीय कंपनी हैप्पी रेंटल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने भाग लिया। इसमें विश्वविद्यालय में एमसीए के चार विद्यार्थियों को प्लेसमेंट मिला। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय अध्ययन के साथ-साथ विद्यार्थियों को रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए भी प्रयासरत है।

विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल के उपनिदेशक व प्लेसमेंट ड्राइव के संयोजक डा. सूरज आर्य ने बताया कि यह प्लेसमेंट ड्राइव चार राउंड में सम्पन्न हुआ। इसमें विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान व कौशल तथा साक्षात्कार के आधार पर विद्यार्थियों का चयन हुआ। उन्होंने बताया कि प्रत्येक विद्यार्थी को कंपनी की ओर से चार लाख का पैकेज मिला है।

प्लेसमेंट ड्राइव के अंतिम राउंड में हैप्पी रेंटल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की को-फाउंडर एंड मैनेजिंग पार्टनर संगीता श्रीवास्तव भी उपस्थित रहीं। विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल के निदेशक डा. आकाश सक्सेना ने बताया कि विश्वविद्यालय में एमसीए के विद्यार्थी चंद्र नारायण, सत्य संग्राम, शिवानी व वंशिका को प्लेसमेंट प्राप्त हुआ है और इन सभी को कंपनी की तरफ से नियुक्ति पत्र प्रदान किया जा चुका है। इस अवसर पर ट्रेनिंग व प्लेसमेंट सेल की उपनिदेशक डा. दिव्या, डा. कपिल, डा. तरुण भी उपस्थित रहे।

हरिभूमि
रोहतक -महेन्द्रगढ़
11 Jun 2023

हरियाणा केंद्रीय विवि के चार छात्रों को मिला कैंपस प्लेसमेंट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विवि के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल द्वारा विद्यार्थियों को रोजगार उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। प्लेसमेंट ड्राइव में बहुराष्ट्रीय कंपनी हैप्पी रेंटल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने भाग लिया। इसमें विवि में एमसीए के चार विद्यार्थियों को प्लेसमेंट मिला। विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्लेसमेंट पाने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि विवि अध्ययन के साथ-साथ विद्यार्थियों को रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए भी प्रयासरत है।

विवि के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल के उपनिदेशक व प्लेसमेंट ड्राइव के संयोजक डॉ. सूरज आर्य ने बताया कि यह प्लेसमेंट ड्राइव चार राउंड में सम्पन्न हुआ, जिसमें विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान व कौशल तथा साक्षात्कार के आधार पर विद्यार्थियों का चयन हुआ।

महेंद्रगढ़। प्लेसमेंट पाने वाले विद्यार्थी कुलपति व शिक्षकों के साथ।

उन्होंने बताया कि प्रत्येक विद्यार्थी को कंपनी की ओर से चार लाख रुपये का पैकेज मिला है। प्लेसमेंट ड्राइव के अंतिम राउंड में हैप्पी रेंटल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की कोफाउंडर एंड मैनेजिंग पार्टनर संगीता श्रीवास्तव भी उपस्थित रहीं।

विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल के निदेशक डॉ. आकाश सक्सेना ने प्लेसमेंट पाने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय में एमसीए के विद्यार्थी चंद्र नारायण, सत्य संग्राम, शिवानी व वंशिका को प्लेसमेंट प्राप्त हुआ है और इन सभी, को कंपनी की तरफ से नियुक्ति पत्र प्रदान किया जा चुका है।

पंजाब केसरी
SUN,11 JUNE 2023
EDITION: REWARI KESARI, PAGE NO. 4

हकेंवि में कैम्पस प्लेसमैंट ड्राइव

एम.सी.ए. के 4 विद्यार्थी सिलैक्ट

प्लेसमैंट पाने वाले विद्यार्थी कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व शिक्षकों के साथ, (दाएं) प्लेसमैंट ड्राइव में विद्यार्थी का साक्षात्कार लेती संगीता श्रीवास्तव।

•प्रत्येक विद्यार्थी को 4 लाख रुपए का मिला पैकेज

महेंद्रगढ़ 10 जून (परमजीत/मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के ट्रेनिंग एवं प्लेसमैंट सैल द्वारा विद्यार्थियों को रोजगार उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से कैम्पस प्लेसमैंट ड्राइव का आयोजन किया गया। प्लेसमैंट ड्राइव में बहुराष्ट्रीय कंपनी हैप्पी रेंटल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने भाग लिया। इसमें विश्वविद्यालय में एम.सी.ए. के 4 विद्यार्थियों को प्लेसमैंट मिला।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्लेसमैंट पाने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय अध्ययन के साथ-साथ विद्यार्थियों को रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए भी प्रयासरत है।

विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमैंट सैल के उपनिदेशक व प्लेसमैंट ड्राइव के संयोजक डॉ. सूरज आर्य ने बताया कि यह प्लेसमैंट ड्राइव 4 राऊंड में सम्पन्न हुआ, जिस में विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान व कौशल तथा साक्षात्कार के आधार पर विद्यार्थियों का चयन हुआ। उन्होंने बताया कि प्रत्येक विद्यार्थी को कंपनी की ओर से 4 लाख रुपए का पैकेज मिला है। प्लेसमैंट ड्राइव के अंतिम राऊंड में हैप्पी रेंटल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की को-फाऊंडर एंड मैनेजिंग पार्टनर संगीता श्रीवास्तव भी उपस्थित रहीं।

नियुक्ति पत्र पाकर झूमे विद्यार्थी

विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमैंट सैल के निदेशक डॉ. आकाश सक्सेना ने प्लेसमैंट पाने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय में एम.सी.ए. के विद्यार्थी चंद्र नारायण, सत्य संग्राम, शिवानी व वंशिका को प्लेसमैंट प्राप्त हुआ है और इन सभी को कंपनी की तरफ से नियुक्ति पत्र प्रदान किया जा चुका है नियुक्ति पत्र पाकर विद्यार्थी खुशी से झूम उठे। इस अवसर पर ट्रेनिंग व प्लेसमैंट सैल की उपनिदेशक डॉ. दिव्या, डॉ. कपिल, डॉ. तरुण भी उपस्थित रहे।

हकेवि में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी जारी

- 21 जून को होने वाले कार्यक्रम की शोभा बढ़ायेगी पद्मश्री संतोष यादव

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। 21 जून को आयोजित होने जा रहे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में योगा अभ्यास के साथ-साथ आयोजन से संबंधित विभिन्न तैयारियां जोर-शोर से जारी हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन व मार्गदर्शन में योग दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पद्मश्री संतोष यादव प्रतिभागियों के बीच उपस्थित रहेगी।

योग विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष में योग विभाग के द्वारा निरंतर स्थानीय क्षेत्रों जाट, लावन, झुंक, पाली, सिसोठ, जांजडियावास, बुचौली और नारनौल में विश्वविद्यालय के प्रयासों से विशेष योग प्रशिक्षण का कार्य जारी हैं। इस काम में विभाग के सहायक आचार्य डॉ. नवीन कुमार, विभाग के विद्यार्थी व शोद्यार्थी निरंतर जुटें हुए हैं। प्रो. नीलम सांगवान ने कहा कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से न सिर्फ आमजन को योग का ज्ञान उपलब्ध कराया जा रहा है बल्कि हमारे विद्यार्थी इस विषय में आवश्यक व्यावहारिक प्रशिक्षण से संबंधित बारिकियों को भी जान पा रहे हैं। विभाग के शिक्षक प्रभारी डॉ. अजय पाल ने बताया कि विश्वविद्यालय अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से जुड़ी विभिन्न तैयारियों में जुटा है। इस बार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एक ही वर्ष में दो बार माउंट एवरेस्ट की चोटी पर विजय प्राप्त करने वाली पद्मश्री संतोष यादव जी मुख्य वक्ता के रूप में विश्वविद्यालय में उपस्थित रहने जा रही हैं। डॉ. अजय पाल ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से समय-समय पर समाज के विभिन्न क्षेत्रों में सफलतम विभूतियों को आमंत्रित किया जाता है और उनके माध्यम से विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों और अधिकारियों को उनके जीवन अनुभवों के माध्यम से नवीन ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया जाता है।इन प्रयासों का उद्देश्य है कि विभिन्न सहभागी जीवन के नए आयामों से भी परिचित हों, जीवन में आने वाले चुनौतियों, परिवर्तनों का सामना प्रभावी रूप करने में सक्षम हो।

स्थानीय लोगों को योगाभ्यास कराते हकेवि विद्यार्थी। आज समाज

हकेंवि में माउंट एवरेस्ट को दो बार फतह करने वाली संतोष यादव होंगी मुख्य वक्ता

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में योग अभ्यास के साथ-साथ आयोजन से संबंधित विभिन्न तैयारियां जोर-शोर से जारी हैं। कार्यक्रम में दो बार माउंट एवरेस्ट को फतह करने वाली एवं पद्मश्री अवॉर्डी संतोष यादव बतौर मुख्य वक्ता उपस्थित होंगी।

स्थानीय लोगों को योगाभ्यास कराते हकेंवि के विद्यार्थी। संवाद

योग विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में योग विभाग के द्वारा निरंतर स्थानीय क्षेत्रों जाट, लावन, झुंक, पाली, सिसोठ, जांजडियावास, बुचौली और नारनौल में विश्वविद्यालय के प्रयासों से विशेष योग प्रशिक्षण का कार्य जारी है। इस काम में विभाग के सहायक आचार्य डॉ. नवीन कुमार, विभाग के विद्यार्थी व शोद्यार्थी निरंतर जुटें हुए हैं।

हकेंवि में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी तेज

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: 21 जून को आयोजित होने जा रहे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में योग अभ्यास के साथ-साथ आयोजन से संबंधित विभिन्न तैयारियां जारी हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन व मार्गदर्शन में योग दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पद्मश्री संतोष यादव प्रतिभागियों के बीच उपस्थित रहेंगी।

सुभाष पार्क मे नागरिको को योग करवाते हकेंवि के विद्यार्थी ● सौ. हकेंवि प्रकाशन।

योग विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष में योग विभाग के द्वारा निरंतर स्थानीय क्षेत्रों जाट, लावन, झूंक, पाली, सिसोठ, जांजडियावास, बुचौली और नारनौल में विशेष योग प्रशिक्षण का कार्य जारी हैं। इस काम में विभाग के सहायक आचार्य डा. नवीन कुमार, विभाग के विद्यार्थी व शोद्यार्थी निरंतर जुटें हुए हैं। प्रो. नीलम सांगवान ने कहा कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से न सिर्फ आमजन को योग का ज्ञान उपलब्ध कराया जा रहा है, बल्कि हमारे विद्यार्थी इस विषय में आवश्यक व्यावहारिक प्रशिक्षण से संबंधित बारीकियों को भी जान पा रहे हैं। विभाग के शिक्षक प्रभारी डा.अजय पाल ने बताया कि विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से जुड़ी विभिन्न तैयारियों में जुटा है। इस बार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एक ही वर्ष में दो बार माउंट एवरेस्ट की चोटी पर विजय प्राप्त करने वाली पद्मश्री संतोष यादव जी मुख्य वक्ता के रूप में विश्वविद्यालय में उपस्थित होने जा रही हैं।

राज्य स्तर पर होगा योग प्रतियोगिता का आयोजन

जागरण संवाददाता, नारनौल: हरियाणा उदय अभियान के तहत अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष में खंड स्तर, जिला स्तर व राज्य स्तर पर योगासन खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने बताया कि 19 जून को खंड स्तर पर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाया जाएगा। 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिला स्तर पर तथा 24 जून को राज्य स्तर पर ताऊ देवीलाल स्टेडियम पंचकूला में योगासन खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह प्रतियोगिता 3 आयु वर्ग में होगी। इसमें 10 वर्ष से कम, 10 से 60 वर्ष से कम आयु तथा 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में यह प्रतियोगिता होगी।

हकेंवि में योग दिवस की तैयारी

■ 21 जून को होने वाले कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा। इस उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय में योगा अभ्यास के साथ-साथ आयोजन से संबंधित विभिन्न तैयारियां जोर -शोर से जारी हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन व मार्गदर्शन में योग दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में पद्मश्री संतोष यादव प्रतिभागियों के बीच उपस्थित रहेगी। योग विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान ने बताया कि योग दिवस के उपलक्ष्य में योग विभाग के द्वारा निरंतर स्थानीय क्षेत्रों जाट, लावन, झूक, पाली, सिसोठ, जांजड़ियावास, बुचौली और नारनौल में विश्वविद्यालय के प्रयासों से विशेष योग प्रशिक्षण का कार्य जारी हैं। इस काम में विभाग के सहायक आचार्य डॉ. नवीन कुमार, विभाग के विद्यार्थी व शोद्यार्थी निरंतर जुटे हुए हैं। विभाग शिक्षक प्रभारी डॉ. अजय पाल ने बताया कि विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से जुड़ी विभिन्न तैयारियों में जुटा है।

महेंद्रगढ़। योग का अभ्यास करवाते हुए। फोटो : हरिभूमि

ह.कें.वि. में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियां जारी, विद्यार्थी लोगों को करवा रहे योगाभ्यास

स्थानीय लोगों को योगाभ्यास करवाते ह.कें.वि. के विद्यार्थी। (मोहन)

•21 जून को होने वाले कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगी पद्मश्री संतोष यादव

महेंद्रगढ़, 13 जून (परमजीत, मोहन): आगामी 21 जून को आयोजित होने जा रहे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.कें.वि.), महेंद्रगढ़ में योगाभ्यास के साथ-साथ आयोजन से संबंधित विभिन्न तैयारियां जोर-शोर से जारी हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन व मार्गदर्शन में योग दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पद्मश्री संतोष यादव प्रतिभागियों के बीच उपस्थित रहेंगी।

योग विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में योग विभाग द्वारा निरंतर स्थानीय क्षेत्रों जाट, लावन, झूंक, पाली, सिसोठ, जांजडियावास, बचौली और नारनौल में विश्वविद्यालय के प्रयासों से विशेष योग प्रशिक्षण का कार्य जारी है। इस काम में विभाग के सहायक आचार्य डॉ. नवीन कुमार, विभाग के विद्यार्थी व शोधार्थी निरंतर जुटे हुए हैं।

विभाग के शिक्षक प्रभारी डॉ. अजय पाल ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से समय-समय पर समाज के विभिन्न क्षेत्रों में सफलतम विभूतियों को आमंत्रित किया जाता है और उनके माध्यम से विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों और अधिकारियों को उनके जीवन अनुभवों के माध्यम से नवीन ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया जाता है।

विश्वविद्यालय के इन प्रयासों का उद्देश्य है कि विभिन्न सहभागी जीवन के नए आयामों से भी परिचित हों, जीवन में आने वाली चुनौतियों, परिवर्तनों का सामना प्रभावी रूप करने में सक्षम हों।

हकेवि के डॉ. सुमित को मिला विस्कोमीटर के लिए डिजाइन पेटेंट

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में भेषजिक विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सुमित कुमार ने नैनोजेल विस्कोसिटी मापने के लिए विस्कोमीटर का नया डिजाइन तैयार किया है। भेषजिक विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. सुमित कुमार और उनकी टीम के इस उल्लेखनीय कार्य के लिए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को पेटेंट्स महानियंत्रक कार्यालय, डिजाइन्स एंड ट्रेड मार्क्स, भारत सरकार द्वारा डिजाइन पेटेन्ट प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डॉ. सुमित कुमार एवं उनकी टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह नवाचार समाज के लिए काफी मददगार साबित होगा। हमारा उद्देश्य समाजोपयोगी काम करना है और आमजन को नवाचारों के बारे में जागरूक करना है।

इस संबंध में डॉ. सुमित कुमार ने कहा कि उनकी टीम ने नैनोजेल विस्कोसिटी मापने के लिए विस्कोमीटर का नया डिजाइन तैयार किया है। उन्होंने बताया कि विस्कोमीटर का उपयोग मुख्य रूप से विभिन्न तरल पदार्थों के गाढ़ेपन को मापने में किया जाता है और जहां तक हमारे द्वारा तैयार डिजाइन की बात है तो यह नैनोजेल के संबंध में उपयोग किया जा सकता है। इस विस्कोमीटर के डिजाइन को इस तरह से डिजाइन किया गया है जिससे उसका संचालन सहज हो सके क्योंकि उपकरण का डिजाइन जितना सरल होगा, उसे उतना ही आसानी से उसका उपयोग किया जा सकेगा। इसका उपयोग भेषजिक विज्ञान, खाद्य विज्ञान एवं खाद्य उद्योग व मेडिकल आदि के क्षेत्र में किया जा सकेगा। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता एवं शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने डॉ. सुमित कुमार को इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए बधाई दी। इसी क्रम में भेषजिक विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश कुमार ने भी डॉ. सुमित कुमार के प्रयासों की सराहना की।

पेटेंट की प्रति कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के समक्ष प्रस्तुत करते डॉ. सुमित कुमार। आज समाज

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में हिंदी तकनीकी टूल्स पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

- नाबार्ड के प्रबंधक कृष्ण कुमार रहे उपस्थित

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में राजभाषा अनुभाग की ओर से बुधवार को हिंदी में तकनीकी टूल्स का उपयोग विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में नाबार्ड भोपाल के प्रबंधक श्री कृष्ण कुमार उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय में कार्यालयीन कार्यों में हिंदी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तिमाही कार्यशाला का आयोजन किया जाता है। इसी उद्देश्य हेतु विश्वविद्यालय में हिंदी सलाहकार समिति का भी गठन किया गया है। कुलपति ने कहा कि इस प्रकार का व्यावहारिक प्रशिक्षण विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को हिन्दी के कार्यालयीन प्रयोग में मददगार साबित होगा। उन्होंने कार्यशाला के विशेषज्ञ का भी विश्वविद्यालय की ओर से आभार व्यक्त किया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने स्मृति चिह्न प्रदान कर विशेषज्ञ का स्वागत किया। प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देना है और मुझे यकीन है कि कार्यशाला के माध्यम से प्राप्त जानकारी को अपने कार्यालयीन कार्यों में अवश्य करेंगे। उन्होंने कहा कि मुझे आशा है कि भविष्य में भी ऐसी कार्यशालाओं का आयोजन होता रहेगा। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में पधारे कृष्ण कुमार ने कहा कि हिंदी का प्रयोग आसान है क्योंकि वह हमारी अपनी भाषा है। तकनीकी मोर्चे पर अगर कुछ समस्याएं आ रही हैं तो कुछ प्रयासों के द्वारा उनका समाधान किया जा सकता है। उन्होंने राजभाषा अधिनियमों के विभिन्न नियमों से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया। शैलेंद्र सिंह ने विशेषज्ञ वक्ता का परिचय प्रस्तुत किया। इसी के साथ-साथ उन्होंने हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने हेतु प्रचलित ई-टूल्स की भी जानकारी प्रतिभागियों को दी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की हिंदी सलाहकार समिति के अध्यक्ष प्रो. बीरपाल सिंह यादव सहित, नराकास महेंद्रगढ़ के सदस्य कार्यालय, विभिन्न विभागों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, प्रभारी, शिक्षक, कर्मचारी उपस्थित रहे।

हकेवि में आयोजित कार्यशाला में उपस्थित कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व विशेषज्ञ।

उपलब्धि

विस्कोमीटर से विभिन्न तरल पदार्थों का मापा जाएगा गाढ़ापन

हकेंवि के आचार्य डॉ. सुमित को मिला विस्कोमीटर के लिए डिजाइन पेटेंट

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में भेषजिक विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सुमित कुमार ने नैनोजेल विस्कोसिटी मापने के लिए विस्कोमीटर का नया डिजाइन तैयार किया है। भेषजिक विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. सुमित कुमार और उनकी टीम के इस उल्लेखनीय कार्य के लिए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को पेटेंट्स महानियंत्रक कार्यालय, डिजाइन्स एंड ट्रेड मार्क्स, भारत सरकार द्वारा डिजाइन पेटेंट प्रदान किया गया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डॉ. सुमित कुमार एवं उनकी टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह नवाचार समाज के लिए काफी मददगार साबित होगा। हमारा उद्देश्य समाजोपयोगी काम करना है और आमजन को नवाचारों के बारे में जागरूक करना है। डॉ. सुमित कुमार ने कहा कि उनकी टीम ने नैनोजेल विस्कोसिटी मापने के लिए विस्कोमीटर का नया डिजाइन तैयार किया है। उन्होंने बताया कि विस्कोमीटर का उपयोग मुख्य रूप से विभिन्न तरल पदार्थों के गाढ़ेपन को मापने में किया जाता है और जहां तक हमारे द्वारा तैयार डिजाइन की बात है तो यह नैनोजेल के संबंध में उपयोग किया जा सकता है। इस विस्कोमीटर के डिजाइन को इस तरह से डिजाइन किया गया है जिससे उसका संचालन सहज हो सके।

पेटेंट की प्रति कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के समक्ष प्रस्तुत करते डॉ. सुमित कुमार। संवाद

हिंदी में तकनीकी टूल्स का उपयोग विषय पर कार्यशाला

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में राजभाषा अनुभाग की ओर से हिंदी में तकनीकी टूल्स का उपयोग विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में नाबार्ड भोपाल के प्रबंधक कृष्ण कुमार उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय में कार्यालयीन कार्यों में हिंदी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तिमाही कार्यशाला का आयोजन किया जाता है। इसी उद्देश्य हेतु विश्वविद्यालय में हिंदी सलाहकार समिति का भी गठन किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने स्मृति चिह्न प्रदान कर विशेषज्ञ का स्वागत किया। प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देना है। उनको यकीन है कि कार्यशाला के माध्यम से प्राप्त जानकारी को अपने कार्यालयीन कार्यों में अवश्य करेंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की हिंदी सलाहकार समिति के अध्यक्ष प्रो. बीरपाल सिंह यादव सहित, नराकास महेंद्रगढ़ के सदस्य आदि उपस्थित रहे।

हकेवि के डॉ. सुमित को मिला विस्कोमीटर के लिए डिजाइन पेटेंट

नारनौल/ अशोक कुमार कौशिक। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में भेषजिक विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सुमित कुमार ने नैनोजेल विस्कोसिटी मापने के लिए विस्कोमीटर का नया डिजाइन तैयार किया है। भेषजिक विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. सुमित कुमार और उनकी टीम के इस उल्लेखनीय कार्य के लिए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को पेटेंट्स महानियंत्रक कार्यालय, डिजाइन्स एंड ट्रेड मार्क्स, भारत सरकार द्वारा डिजाइन पेटेन्ट प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डॉ. सुमित कुमार एवं उनकी टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह नवाचार समाज के लिए काफी मददगार साबित होगा। हमारा उद्देश्य समाजोपयोगी काम करना है और आमजन को नवाचारों के बारे में जागरूक करना है।

इस संबंध में डॉ. सुमित कुमार ने कहा कि उनकी टीम ने नैनोजेल विस्कोसिटी मापने के लिए विस्कोमीटर का नया डिजाइन तैयार किया है। उन्होंने बताया कि

विस्कोमीटर का उपयोग मुख्य रूप से विभिन्न तरल पदार्थों के गाढ़ेपन को मापने में किया जाता है और जहां तक हमारे द्वारा तैयार डिजाइन की बात है तो यह नैनोजेल के संबंध में उपयोग किया जा सकता है। इस विस्कोमीटर के डिजाइन को इस तरह से डिजाइन किया गया है जिससे उसका संचालन सहज हो सके क्योंकि उपकरण का डिज़ाइन जितना सरल होगा, उसे उतना ही आसानी से उसका उपयोग किया जा सकेगा। इसका उपयोग भेषजिक विज्ञान, खाद्य विज्ञान एवं खाद्य उद्योग व मेडिकल आदि के क्षेत्र में किया जा सकेगा। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता एवं शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने डॉ. सुमित कुमार को इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए बधाई दी।

हकेंवि के डॉ. सुमित को मिला विस्कोमीटर के लिए डिजाइन पेटेंट

महेंद्रगढ़ | हकेंवि में भेषजिक विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सुमित कुमार ने नैनोजेल विस्कोसिटी मापने के लिए विस्कोमीटर का नया डिजाइन तैयार किया है। भेषजिक विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. सुमित कुमार और उनकी टीम के इस उल्लेखनीय कार्य के लिए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को पेटेंट्स महानियंत्रक कार्यालय, डिजाइंस एंड ट्रेड मार्क्स, भारत सरकार द्वारा डिजाइन पेटेंट प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डॉ. सुमित कुमार एवं उनकी टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह नवाचार समाज के लिए काफी मददगार साबित होगा। हमारा उद्देश्य समाजोपयोगी काम करना है और आमजन को नवाचारों के बारे में जागरूक करना है।

इस संबंध में डॉ. सुमित कुमार ने कहा कि उनकी टीम ने नैनोजेल विस्कोसिटी मापने के लिए विस्कोमीटर का नया डिजाइन तैयार किया है। विस्कोमीटर का उपयोग मुख्य रूप से विभिन्न तरल पदार्थों के गाढ़ेपन को मापने में किया जाता है और जहां तक हमारे द्वारा तैयार डिजाइन की बात है तो यह नैनोजेल के संबंध में उपयोग किया जा सकता है। इस विस्कोमीटर के डिजाइन को इस तरह से डिजाइन किया गया है जिससे उसका संचालन सहज हो सके

पेटेंट की प्रति कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के समक्ष प्रस्तुत करते डॉ. सुमित कुमार

क्योंकि उपकरण का डिजाइन जितना सरल होगा, उसे उतना ही आसानी से उसका उपयोग किया जा सकेगा। इसका उपयोग भेषजिक विज्ञान, खाद्य विज्ञान एवं खाद्य उद्योग व मेडिकल आदि के क्षेत्र में किया जा सकेगा। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता एवं शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने डॉ. सुमित कुमार को इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए बधाई दी। इसी क्रम में भेषजिक विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश कुमार ने भी डॉ. सुमित कुमार के प्रयासों की सराहना की।

हकेंवि के सहायक आचार्य डा. सुमित को मिला विस्कोमीटर के लिए डिजाइन पेटेंट

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ः हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में भेषजिक विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डा. सुमित कुमार ने नैनोजेल विस्कोसिटी मापने के लिए विस्कोमीटर का नया डिजाइन तैयार किया है। भेषजिक विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर डा. सुमित कुमार और उनकी टीम के इस उल्लेखनीय कार्य के लिए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को पेटेंट्स महानियंत्रक कार्यालय, डिजाइन्स एंड ट्रेड मार्क्स, भारत सरकार द्वारा डिजाइन पेटेन्ट प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डा. सुमित कुमार एवं उनकी टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह नवाचार समाज के लिए काफी मददगार साबित होगा। हमारा उद्देश्य समाजोपयोगी काम करना है और आमजन को नवाचारों के बारे में जागरूक करना है।

इस संबंध में डा. सुमित कुमार ने कहा कि उनकी टीम ने नैनोजेल विस्कोसिटी मापने के लिए विस्कोमीटर का नया डिजाइन तैयार किया है।

पेटेंट की प्रति कुलपति के समक्ष प्रस्तुत करते डा. सुमित कुमार • सौ. हकेंवि।

उन्होंने बताया कि विस्कोमीटर का उपयोग मुख्य रूप से विभिन्न तरल पदार्थों के गाढ़ेपन को मापने में किया जाता है और जहां तक हमारे द्वारा तैयार डिजाइन की बात है तो यह नैनोजेल के संबंध में उपयोग किया जा सकता है। इस विस्कोमीटर के डिजाइन को इस तरह से डिजाइन किया गया है जिससे उसका संचालन सहज हो सके क्योंकि उपकरण का डिजाइन जितना सरल होगा, उसे उतना ही आसानी से उसका उपयोग किया जा सकेगा। इसका उपयोग भेषजिक विज्ञान, खाद्य विज्ञान एवं खाद्य उद्योग व मेडिकल आदि के क्षेत्र में किया जा सकेगा।

विश्वविद्यालय के स्कूल आफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता एवं शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने डा. सुमित कुमार को इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए बधाई दी। इसी क्रम में भेषजिक विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डा. दिनेश कुमार ने भी डा. सुमित कुमार के प्रयासों की सराहना की।

हकेंवि हिंदी तकनीकी टूल्स पर कार्यशाला का हुआ शानदार आयोजन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में राजभाषा अनुभाग की ओर से बुधवार को हिंदी में तकनीकी टूल्स का उपयोग विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में नाबार्ड भोपाल के प्रबंधक कृष्ण कुमार उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय में कार्यालयीन कार्यों में हिंदी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तिमाही कार्यशाला का आयोजन किया जाता है। इसी उद्देश्य

हकेंवि मे आयोजित कार्यशाला मे उपस्थित कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व विशेषज्ञ।

के लिए विश्वविद्यालय में हिंदी सलाहकार समिति का भी गठन किया गया है। कुलपति ने कहा कि हिन्दी के कार्यालयीन प्रयोग में इस प्रकार का व्यावहारिक प्रशिक्षण विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को मददगार साबित होगा। उन्होंने कार्यशाला के विशेषज्ञ का भी विश्वविद्यालय की ओर से आभार व्यक्त किया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने स्मृति चिह्न प्रदान कर विशेषज्ञ का स्वागत किया।

प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देना है। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में पधारे कृष्ण कुमार ने कहा कि हिंदी का प्रयोग आसान है, क्योंकि यह हमारी अपनी भाषा है। तकनीकी मोर्चे पर अगर कुछ समस्याएं आ रही हैं तो कुछ प्रयासों के द्वारा उनका समाधान किया जा सकता है। उन्होंने राजभाषा अधिनियमों के विभिन्न नियमों से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यक्रम में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रचलित ई-टूल्स की भी जानकारी प्रतिभागियों को दी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की हिंदी सलाहकार समिति के अध्यक्ष प्रो. बीरपाल सिंह यादव सहित, नराकास महेंद्रगढ़ के सदस्य कार्यालय, विभिन्न विभागों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, प्रभारी, शिक्षक, कर्मचारी उपस्थित रहे।

हकेवि में हिंदी तकनीकी टूल्स पर कार्यशाला का आयोजन

नरनौल, 14 जून (निस)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में राजभाषा अनुभाग की ओर से बुधवार को हिंदी में तकनीकी टूल्स का उपयोग विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में नाबार्ड भोपाल के प्रबंधक कृष्ण कुमार उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय में कार्यालयीन कार्यों में हिंदी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तिमाही कार्यशाला का आयोजन किया जाता है। इसी उद्देश्य हेतु विश्वविद्यालय में हिंदी सलाहकार समिति का भी गठन किया गया है। कुलपति ने कहा कि इस प्रकार का व्यावहारिक प्रशिक्षण विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को हिन्दी के कार्यालयीन प्रयोग में मददगार साबित होगा। विषय विशेषज्ञ के रूप में पधारे कृष्ण कुमार ने कहा कि हिंदी का प्रयोग आसान है क्योंकि यह हमारी अपनी भाषा है।

दैनिक ट्रिब्यून Thu, http:

डॉ. सुमित को मिला विस्कोमीटर के लिए डिजाइन पेटेंट

■ नैनोजेल विस्कोसिटी मापने के लिए विस्कोमीटर का नया डिजाइन तैयार किया : डॉ. सुमित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का भवन।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में भेषजिक विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सुमित कुमार ने नैनोजेल विस्कोसिटी मापने के लिए विस्कोमीटर का नया डिजाइन तैयार किया है। भेषजिक विज्ञान विभाग के सहायक प्रो. डॉ. सुमित कुमार और उनकी टीम के इस उल्लेखनीय कार्य के लिए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को पेटेंट्स महानियंत्रक कार्यालय, डिजाइन्स एंड ट्रेड मार्क्स, भारत सरकार द्वारा डिजाइन पेटेन्ट प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डॉ. सुमित कुमार एवं उनकी टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह नवाचार समाज के लिए काफी मददगार साबित होगा। हमारा उद्देश्य समाजोपयोगी काम करना है और आमजन को नवाचारों के बारे में जागरूक करना है। इस संबंध में डॉ. सुमित कुमार ने कहा कि उनकी टीम ने नैनोजेल विस्कोसिटी मापने के लिए विस्कोमीटर का नया डिजाइन तैयार किया है। उन्होंने बताया कि विस्कोमीटर का उपयोग मुख्य रूप से विभिन्न तरल पदार्थों के गाढ़ेपन को मापने में किया जाता है और जहां तक हमारे द्वारा तैयार डिजाइन की बात है तो यह नैनोजेल के संबंध में उपयोग किया जा सकता है। इस विस्कोमीटर के डिजाइन को इस तरह से डिजाइन किया गया है जिससे उसका संचालन सहज हो सके क्योंकि उपकरण का डिजाइन जितना सरल होगा, उसे आसानी से उसका उपयोग किया जा सकेगा।

हकेवि के सुमित को मिला विस्कोमीटर के लिए डिजाइन पेटैंट

महेंद्रगढ़, 14 जून (मोहन/परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में भैषजिक विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डा. सुमित कुमार ने नैनोजेल विस्कोसिटी मापने के लिए विस्कोमीटर का नया डिजाइन तैयार किया है।

भैषजिक विज्ञान विभाग के सहायक प्रो. डा. सुमित कुमार और उनकी टीम के इस उल्लेखनीय कार्य के लिए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को पेटैंट्स महानियंत्रक कार्यालय, डिजाइन्स एंड ट्रेड मार्क्स, भारत सरकार द्वारा डिजाइन पेटैंट प्रदान किया गया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डा. सुमित कुमार एवं उनकी टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह नवाचार समाज के लिए काफी मददगार साबित होगा। हमारा उद्देश्य समाजोपयोगी काम करना है और आमजन को नवाचारों के बारे में जागरूक करना है।

पेटैंट की प्रति कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के समक्ष प्रस्तुत करते डा. सुमित कुमार।

इस संबंध में डा. सुमित ने कहा कि उनकी टीम ने नैनोजेल विस्कोसिटी मापने के लिए विस्कोमीटर का नया डिजाइन तैयार किया है।

उन्होंने बताया कि विस्कोमीटर का उपयोग मुख्य रूप से विभिन्न तरल पदार्थों के गाढ़ेपन को मापने में किया जाता है और जहां तक हमारे द्वारा तैयार डिजाइन की बात है तो यह नैनोजेल के संबंध में उपयोग किया जा सकता है।

उन्होंने बताया कि इस विस्कोमीटर के डिजाइन को इस तरह से डिजाइन किया गया है जिससे उसका संचालन सहज हो सके क्योंकि उपकरण का डिजाइन जितना सरल होगा, उसे उतना ही आसानी से उसका उपयोग किया जा सकेगा। इसका उपयोग भैषजिक विज्ञान, खाद्य विज्ञान एवं खाद्य उद्योग व मैडीकल आदि के क्षेत्र में किया जा सकेगा।

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता एवं शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने डा. सुमित कुमार को इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए बधाई दी। भैषजिक विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डा. दिनेश कुमार ने भी सुमित के प्रयासों की सराहना की।

योग प्रोटोकॉल को आमजन तक पहुंचा रहा हकेंवि

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंवि) में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस में होने वाले योग प्रोटोकॉल की तैयारियां जनसामान्य के बीच जाकर करवा रहा है। इसी शृंखला में योग विभाग के शोधार्थियों, विद्यार्थियों और शिक्षकों ने विश्वविद्यालय परिसर के साथ-साथ लावन, झूक, महेंद्रगढ़ व नारनौल में योगाभ्यास करवाया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में विश्वविद्यालय अपनी सेवाएं जनसामान्य तक पहुंचा रहा है। योग विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान ने बताया कि योग विभाग भारतीय ज्ञान परंपरा के अंग अवयवों से जन सामान्य को परिचित करा रहा है। सहायक आचार्य डॉ. अजय पाल व डॉ. नवीन के साथ शोधार्थी अनुज कुमारी, रिद्धि अग्रवाल, मोहित, प्रदीप व एमएससी प्रथम और तृतीय वर्ष के विद्यार्थी योग को जन-जन तक पहुंचा रहे हैं। संवाद

योग प्रोटोकॉल को आमजन तक पहुंचा रहा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में होने वाले योग प्रोटोकॉल की तैयारियां जनसामान्य के बीच जाकर करवा रहा है। इसी श्रृंखला में योग विभाग के शोधार्थियों, विद्यार्थियों और शिक्षकों ने विश्वविद्यालय परिसर के साथ-साथ लावन, झूंक, महेंद्रगढ़, व नारनौल में योग का अभ्यास करवाया। इन योगाभ्यासों में स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और योग प्रशिक्षण प्राप्त किया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में विश्वविद्यालय अपनी सेवाएं जनसामान्य तक पहुंचा रहा है। विद्यार्थियों में योग का यह कौशल उन्हें आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर करेगा। योग विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान ने बताया कि योग विभाग भारतीय ज्ञान परंपरा के अंग अवयवों से जन सामान्य को परिचित करा रहा है।

योग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अजय पाल और डॉ. नवीन के साथ विभाग के शोधार्थी अनुज कुमारी, रिद्धि अग्रवाल, मोहित, प्रदीप तथा एमएससी प्रथम वर्ष और तृतीय वर्ष के विद्यार्थी योग को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। योग के विद्यार्थी भी अपने ज्ञान को व्यवहारिक रूप में परिणित करने, प्रायोगिक पक्ष को और सक्षम बनाने के लिए इन योग शिविरों के माध्यम से अपने व्यक्तित्व का विकास कर रहे हैं।

योगाभ्यास करवाते हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के विद्यार्थी व अन्य ● सौ. डीपीआरओ

योग दिवस को लेकर तैयारियां जोरों पर

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस में होने वाले योग प्रोटोकाल की तैयारियां जनसामान्य के बीच जाकर करवा रहा है। इसी श्रृंखला में योग विभाग के शोधार्थियों, विद्यार्थियों और शिक्षकों ने विश्वविद्यालय परिसर के साथ-साथ लावन, झूंक, महेंद्रगढ़ व नारनौल में योग का अभ्यास करवाया। इन योगाभ्यासों में स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और योग प्रशिक्षण प्राप्त किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में विश्वविद्यालय अपनी सेवाएं जनसामान्य तक पहुंचा रहा है। विद्यार्थियों में योग का यह कौशल उन्हें आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर करेगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय शोधार्थियों, विद्यार्थियों और सभी हित धारकों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

योग विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान ने बताया कि योग विभाग भारतीय ज्ञान परंपरा के अंग अवयवों से जन सामान्य को परिचित करा रहा है। योग विभाग के सहायक आचार्य डा. अजय पाल और डा. नवीन के साथ विभाग के शोधार्थी अनुज कुमारी, रिद्धि अग्रवाल, मोहित, प्रदीप तथा एमएससी प्रथम वर्ष और तृतीय वर्ष के विद्यार्थी योग को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की इस पहल का क्षेत्रवासी स्वागत कर रहे हैं। योग के विद्यार्थी भी अपने ज्ञान को व्यावहारिक रूप में परिणित करने, प्रायोगिक पक्ष को और सक्षम बनाने के लिए इन योग शिविरों के माध्यम से अपने व्यक्तित्व का विकास कर रहे हैं।

योग प्रोटोकॉल को आमजन तक पहुंचा रहा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय

महेंद्रगढ़, 15 जून (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में होने वाले योग प्रोटोकॉल की तैयारियां जनसामान्य के बीच जाकर करवा रहा है।

इसी श्रृंखला में योग विभाग के शोधार्थियों, विद्यार्थियों और शिक्षकों ने विश्वविद्यालय परिसर के साथ-साथ लावन, झुंक, महेंद्रगढ़, व नारनौल में योग का अभ्यास करवाया। इन योगाभ्यासों में स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और योग प्रशिक्षण प्राप्त किया।

योगाभ्यास करवाते हकेंवि के विद्यार्थी।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में विश्वविद्यालय अपनी सेवाएं जनसामान्य तक पहुंचा रहा है। विद्यार्थियों में योग का यह कौशल उन्हें आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर करेगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय शोधार्थियों, विद्यार्थियों और सभी हित धारकों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

योग विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान ने बताया कि योग विभाग भारतीय ज्ञान परंपरा के अंग अवयवों से जन सामान्य को परिचित करा रहा है।

योग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अजय पाल और डॉ. नवीन के साथ विभाग के शोधार्थी अनुज कुमारी, रिद्धि अग्रवाल, मोहित, प्रदीप तथा एम.एससी. प्रथम वर्ष और तृतीय वर्ष के विद्यार्थी योग को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को सफल बनाने में सामाजिक क्षेत्र के उन्नायकों का भी योगदान

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 21 जून 2023 को विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाने जा रहा है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के निदेशों की अनुपालना करते हुए विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी, शोधार्थी, विद्यार्थी और विश्वविद्यालय के हितधारक मिलकर, इस अभियान को जन अभियान बनाने में लगे हुए हैं।

इसी संदर्भ में विश्वविद्यालय ने अपने आसपास के क्षेत्रों में योग प्रशिक्षण के लिए योग के विद्यार्थियों के समूह बनाये हैं, जो भारत सरकार के द्वारा निर्धारित योगासनों का प्रशिक्षण आमजन को दे रहे हैं। इस वर्ष भारत सरकार द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का विषय ह्यूपूरी वसुधा के लिए योगह्ल का रखा गया है। योग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अजय पाल ने बताया कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सामाजिक क्षेत्र के उन्नायकों ने भी अपना योगदान दिया है। उन्होंने विभिन्न गांवों में योग प्रशिक्षण शिविर हेतु व्यवस्था उपलब्ध करवाने के लिए अशोक बुचौली, भंवर सिंह तंवर, रतन सिंह, महेश कुमार का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया।

योग प्रशिक्षण शिविर में योगाभ्यास करवाते हकेवि के विद्यार्थी। आज समाज

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को सफल बनाने में उन्नायकों का भी योगदान

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) 21 जून को विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाने जा रहा है। इसी संदर्भ में विश्वविद्यालय ने अपने आसपास के क्षेत्रों में योग प्रशिक्षण के लिए योग के विद्यार्थियों के समूह बनाए हैं। इस वर्ष केंद्र सरकार द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का विषय पूरी वसुधा के लिए योग का रखा गया है। योग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अजय पाल ने बताया कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सामाजिक क्षेत्र के उन्नायकों ने भी अपना योगदान दिया है। उन्होंने विभिन्न गांवों में योग प्रशिक्षण शिविर के लिए व्यवस्था उपलब्ध करवाने के लिए अशोक बुचौली, भंवर सिंह तंवर, रतन सिंह, महेश कुमार की सराहना की। संवाद

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को सफल बनाने में सामाजिक क्षेत्र के उन्नायकों का भी योगदान

योग प्रशिक्षण शिविर में योगाभ्यास करवाते हकेवि के विद्यार्थी।

महेंद्रगढ़ | हकेवि महेंद्रगढ़ में 21 जून को विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के निर्देशों की अनुपालना करते हुए विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी, शोधार्थी, विद्यार्थी और विश्वविद्यालय के हितधारक मिलकर, इस अभियान को जन अभियान बनाने में लगे हुए हैं।

इसी संदर्भ में विश्वविद्यालय ने अपने आसपास के क्षेत्रों में योग प्रशिक्षण के लिए योग के विद्यार्थियों के समूह बनाये हैं, जो भारत सरकार के द्वारा निर्धारित योगासनों का प्रशिक्षण आमजन को दे रहे हैं। इस वर्ष भारत सरकार द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का विषय' पूरी वसुधा के लिए योग' का रखा गया है। योग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अजय पाल ने बताया कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सामाजिक क्षेत्र के उन्नायकों ने भी अपना योगदान दिया है। उन्होंने विभिन्न गांवों में योग प्रशिक्षण शिविर हेतु व्यवस्था उपलब्ध करवाने के लिए अशोक बुचौली, भंवर सिंह तंवर, रतन सिंह, महेश कुमार का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया।

योग दिवस को सफल बनाने में सामाजिक क्षेत्र के उन्नायकों का भी योगदान

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ः हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 21 जून को विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाने जा रहा है।

सरकार के आयुष मंत्रालय के निर्देशों की अनुपालना करते हुए विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक, विद्यार्थी और विश्वविद्यालय के हितधारक मिलकर, इस अभियान को जन अभियान बनाने में लगे हुए हैं। इसी संदर्भ में विश्वविद्यालय ने अपने आसपास के क्षेत्रों में योग प्रशिक्षण के लिए योग के विद्यार्थियों के समूह बनाये हैं। इस वर्ष भारत सरकार द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का विषय 'पूरी वसुधा के लिए योग' का रखा गया है।

योग विभाग के सहायक आचार्य डा. अजय पाल ने बताया कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सामाजिक क्षेत्र के उन्नायकों ने भी अपना योगदान दिया है। उन्होंने विभिन्न व्यवस्था उपलब्ध करवाने के लिए अशोक बुचौली, भंवर सिंह तंवर, रतन सिंह, महेश कुमार का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया।

योग प्रशिक्षण शिविर में योगाभ्यास कराते हकेंवि के विद्यार्थी • सौ. विश्वविद्यालय प्रवक्ता

हरियाणा केंद्रीय विवि में मनेगा योग दिवस

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विवि हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी 21 जून को विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने जा रहा है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के निर्देशों की अनुपालना करते हुए विवि के अधिकारी, शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी, शोधार्थी, विद्यार्थी और विवि के हितधारक मिलकर, इस अभियान को जन अभियान बनाने में लगे हुए हैं। इसी संदर्भ में विवि ने अपने आसपास के क्षेत्रों में योग प्रशिक्षण के लिए योग के विद्यार्थियों के समूह बनाए हैं, जो भारत सरकार के द्वारा निर्धारित योगासनों का प्रशिक्षण आमजन को दे रहे हैं। सरकार द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का विषय पूरी वसुधा के लिए योग का रखा गया है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को सफल बनाने में सामाजिक क्षेत्र के उन्नायकों का भी योगदान

महेंद्रगढ़, 19 जून (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 21 जून को विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाने जा रहा है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के निर्देशों की अनुपालना करते हुए विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी, शोधार्थी, विद्यार्थी और विश्वविद्यालय के हितधारक मिलकर, इस अभियान को जन अभियान बनाने में लगे हुए हैं।

योग प्रशिक्षण शिविर में योगाभ्यास करवाते हकेंवि के विद्यार्थी। (मोहन)

इसी संदर्भ में विश्वविद्यालय ने अपने आसपास के क्षेत्रों में योग प्रशिक्षण के लिए योग के विद्यार्थियों के समूह बनाए हैं, जो भारत सरकार द्वारा निर्धारित योगासनों का प्रशिक्षण आमजन को दे रहे हैं। इस वर्ष भारत सरकार द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का विषय 'पूरी वसुधा के लिए योग' का रखा गया है।

योग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अजय पाल ने बताया कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सामाजिक क्षेत्र के उन्नायकों ने भी अपना योगदान दिया है। उन्होंने विभिन्न गांवों में योग प्रशिक्षण शिविर हेतु व्यवस्था उपलब्ध करवाने के लिए अशोक बुचौली, भंवर सिंह तंवर, रतन सिंह, महेश कुमार का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया।

हकेवि में कवि सम्मलेन का हुआ आयोजन

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में मंगलवार को कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कोडिंग क्लब एवं साहित्यिक संस्था आजाद कलम के साझा प्रयासों से आयोजित इस कवि सम्मेलन में हास्य रस, श्रृंगार रस, हास्य व्यंग्य व वीर रस की कविताओं ने सभी का मन मोह लिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवसर पर उपस्थित कवियों व विशिष्ठजनों का आभार व्यक्त किया और कहा कि यह आयोजन अवश्य ही सहभागियों में नई ऊर्जा के संचार में मददगार साबित होगा। कुलपति ने इस आयोजन के लिए कोडिंग क्लब एवं साहित्यिक संस्था आजाद कलम का धन्यवाद करते हुए कहा कि आयोजन में सम्मिलित कवियों विभिन्न रसों में अपनी महारत रखते हैं। अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से प्रतिभागियों को कुछ नया सीखने का अवसर मिलेगा। इस मौके पर विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव भी उपस्थित रहीं।

इस अवसर पर प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने सभी कवियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि यह आयोजन आनंद का अवसर देने वाला है। कवि अक्सर मनोरंजन के साथ-साथ बेहद अनोखे अंदाज में अपनी बात कह जाते हैं जोकि हमें संवेदनशील विषयों के करीब ले जाते हैं। आज का आयोजन भी ऐसा ही अवसर प्रदान करने वाला है। विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सुनील बैफलावत ने बताया कि आयोजन में हास्य कवि पीके मस्त व पीके आजाद, हास्य व्यंग्य नवल घुणावत, वीर रस के विनय विनम्र, सपना सोनी तथा शायर शाह आफताब उपस्थित रहे और उन्होंने अपनी रचनाएं प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य विश्वविद्यालय के विभिन्न सहभागियों के बीच आपसी समन्वय को बेहतर बनाना है। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए वाद विवाद व ऑनलाइन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आयोजन के सहसंयोजक डॉ. दिव्या, डॉ. अभिरंजन कुमार, डॉ. मनीष कुमार, डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ. प्रीति मराठा, डॉ. मारूति मुलाका, डॉ. अनूप तिवारी तथा डॉ. नितिन गोयल सहित भारी संख्या अधिकारी, शिक्षक व शिक्षणेतर कर्मचारी उपस्थित रहे।

हकेवि में आयोजित कवि सम्मेलन को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। **आज समाज**

हांस्य, श्रृंगार व वीर रस पर दीं प्रस्तुतियां

विश्वविद्यालय में कोडिंग क्लब व आजाद कलम के साझा प्रयासों से कवि सम्मेलन का आयोजन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में मंगलवार को कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कोडिंग क्लब एवं साहित्यिक संस्था आजाद कलम के साझा प्रयासों से आयोजित सम्मेलन में हांस्य रस, श्रृंगार रस, हांस्य व्यंग्य व वीर रस की कविताओं ने सभी का मन मोह लिया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह आयोजन अवश्य ही सहभागियों में नई ऊर्जा के संचार में मददगार साबित होगा। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि यह आयोजन आनंद का अवसर देने वाला है। कवि अक्सर मनोरंजन के साथ साथ बेहद अनोखे अंदाज में अपनी बात कह जाते हैं जोकि हमें संवेदनशील विषयों के करीब ले जाते हैं।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सुनील बैफलावत ने बताया कि आयोजन में हांस्य कवि पीके मस्त व पीके आजाद, हांस्य व्यंग्य नवल घुणावत, वीर रस के विनय विनम्र, सपना सोनी तथा शायर शाह आफताब उपस्थित रहे ।

उन्होंने अपनी रचनाएं प्रस्तुत की। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए वाद विवाद व ऑनलाइन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आयोजन के सहसंयोजक डॉ. दिव्या, डॉ. अभिरंजन कुमार, डॉ. मनीष कुमार, डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ. प्रीति मराठा, डॉ. मारुति मुलाका, डॉ. अनूप तिवारी तथा डॉ. नितिन गोयल सहित भारी संख्या अधिकारी, शिक्षक व शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

हकेंवि में आयोजित कवि सम्मेलन को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

सुषमा और नेहा ने विश्वविद्यालय टॉप 10 में बनाई जगह

छात्रा सुषमा

महेंद्रगढ़। आईजीयू द्वारा बीएससी मेडिकल एवं नॉन मेडिकल के छठे सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम घोषित किए गए। यदुवंशी कालेज की छात्रा सुषमा तथा नेहा ने संयुक्त रूप से पूरे विश्व विद्यालय में बीएससी मेडिकल के कोर्स में दसवां स्थान प्राप्त किया। वहीं इस कोर्स के सभी विद्यार्थी 77 प्रतिशत अंक प्राप्त किया।

बीएससी मेडिकल की छात्रा निशु ने 82.89, लक्ष्मी ने 82.22, रितिका ने 80.40 प्रतिशत अंक प्राप्त किया। बीएससी नॉन मेडिकल में छात्रा रितु ने 82.40 प्रतिशत अंक लेकर कॉलेज में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं एकता ने 81.78 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर कब्जा किया। इसी क्रम में पूजा ने 78.67 तीसरा स्थान हासिल किया। छात्रा सरला ने 77.78, नेहा ने 76.67, अनु ने 76, भावना ने 75.78 प्रतिशत अंक लेकर उच्च प्रथम श्रेणी हासिल की। वहीं शेष सभी उत्तीर्ण विद्यार्थियों ने 61 प्रतिशत अंकों से अधिक अंक हासिल किया। चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। संवाद

केविवि में कवि सम्मेलन: हस्य, वीर रस व श्रृंगार रस से सराबोर हुए श्रोता

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि में मंगलवार को कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कोडिंग क्लब एवं साहित्यिक संस्था आजाद कलम के साझा प्रयासों से आयोजित इस कवि सम्मेलन में हास्य रस, श्रृंगार रस, हास्य व्यंग्य व वीर रस की कविताओं ने सभी का मन मोह लिया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने उपस्थित कवियों व विशिष्ठजनों का आभार व्यक्त किया और कहा कि यह आयोजन अवश्य ही सहभागियों में नई ऊर्जा के संचार में मददगार साबित होगा। इस मौके पर विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव भी उपस्थित रहीं।

कवि सम्मेलन में वीर रस के कवि विनय विनम्र ने आजादी की लड़ाई में अपने प्राण न्यौछावर करने वाले भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद और नेताजी सुभाषचंद्र के बलिदान से अवगत कराया। श्रृंगार रस की कवयित्री सपना सोनी ने बेहद अनोखे अंदाज प्रेम और पारिवारिक मूल्यों के साथ प्रेम का वर्णन किया। हास्य कवि पी के मस्त ने अपनी प्रस्तुति में जमीन की बढ़ी कीमत और उससे समाज में उपजे हालत पर प्रकाश डाला।

हकेवि में आयोजित कवि सम्मेलन को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर।

विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सुनील बैफलावत ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य विश्वविद्यालय के विभिन्न सहभागियों के बीच आपसी समन्वय को बेहतर बनाना है। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए वाद विवाद व ऑनलाइन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आयोजन के सहसंयोजक डॉ. दिव्या, डॉ. अभिरंजन कुमार, डॉ. मनीष कुमार, डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ. प्रीति मराठा, डॉ. मारूति मुलाका, डॉ. अनूप तिवारी तथा डॉ. नितिन गोयल सहित भारी संख्या अधिकारी, शिक्षक व शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

महेंद्रगढ़। कवि सम्मेलन को संबोधित करते कुलपति। फोटो : हरिभूमि

हकेंवि में कवि सम्मलेन का हुआ आयोजन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मंगलवार को कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कोडिंग क्लब एवं साहित्यिक संस्था आजाद कलम के साझा प्रयासों से कवि सम्मेलन में आयोजित हुआ। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने उपस्थित कवियों व विशिष्ठजनों का आभार व्यक्त किया। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने सभी कवियों का आभार व्यक्त किया। हास्य कवि पीके मस्त व पीके आजाद, हास्य व्यंग्य नवल घुणावत, वीर रस के विनय विनम्र, सपना सोनी तथा शायर शाह आफताब उपस्थित रहे और उन्होंने अपनी रचनाएं प्रस्तुत की।

हकेवि में कवि सम्मलेन का हुआ आयोजन

महेंद्रगढ़, 20 जून (परमजीत/मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में मंगलवार को कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कोडिंग क्लब एवं साहित्यिक संस्था आजाद कलम के साझा प्रयासों से आयोजित इस कवि सम्मेलन में हास्य रस, श्रृंगार रस, हास्य व्यंग्य व वीर रस की कविताओं ने सभी का मन मोह लिया।

हकेवि में आयोजित कवि सम्मेलन को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। (मोहन)

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवसर पर उपस्थित कवियों व विशिष्टजनों का आभार व्यक्त किया और कहा कि यह आयोजन अवश्य ही सहभागियों में नई ऊर्जा के संचार में मददगार साबित होगा।

कुलपति ने इस आयोजन के लिए कोडिंग क्लब एवं साहित्यिक संस्था आजाद कलम का धन्यवाद करते हुए कहा कि आयोजन में सम्मिलित कवियों विभिन्न रसों में अपनी महारत रखते हैं। अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से प्रतिभागियों को कुछ नया सीखने का अवसर मिलेगा।

इस मौके पर विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव भी उपस्थित रहीं। उन्होंने सभी कवियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि यह आयोजन आनंद का अवसर देने वाला है। कवि अक्सर मनोरंजन के साथ साथ बेहद अनोखे अंदाज में अपनी बात कह जाते हैं जोकि हमें संवेदनशील विषयों के करीब ले जाते हैं। आज का आयोजन भी ऐसा ही अवसर प्रदान करने वाला है।

इस कार्यक्रम के संयोजक डा. सुनील बैफलावत ने बताया कि आयोजन में हास्य कवि पी.के. मस्त व पी.के. आजाद, हास्य व्यंग्य नवल घुणावत, वीर रस के विनय विनम्र, सपना सोनी तथा शायर शाह आफताब उपस्थित रहे और उन्होंने अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं। उन्होंने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य विश्वविद्यालय के विभिन्न सहभागियों के बीच आपसी समन्वय को बेहतर बनाना है। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए वाद विवाद व ऑनलाइन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

आयोजन के सह-संयोजक डा. दिव्या, डा. अभिरंजन कुमार, डा. मनीष कुमार, डा. जितेंद्र कुमार, डा. प्रीति मराठा, डा. मारुति मुलाका, डा. अनूप तिवारी तथा डा. नितिन गोयल सहित भारी संख्या अधिकारी, शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वस्थ जीवन का आधार है योग: टंकेश्वर

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रतिभागियों को संबोधित करतीं पद्मश्री संतोष यादव व पद्मश्री संतोष यादव को श्रीफल भेंट कर स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार एवं अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योगभाभ्यास करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य।

आज समाज

- हकेवि में नौवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का हुआ आयोजन
- पद्मश्री संतोष यादव ने दिया स्वस्थ जीवन का मंत्र
- प्रतिभागियों ने आयुष मंत्रालय के प्रोटोकॉल के तहत किया योगाभ्यास

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। भारत की धरती पर जन्म लेने वाला हर व्यक्ति सौभाग्यशाली है। भारत ही वह भूमि है जहां पुरातन काल से आमजन की दिनचर्या का हिस्सा रहे योग के महत्त्व को आज समूचा विश्व मान रहा है। भारत ने ही विश्व पटल पर योग को स्वस्थ जीवन के आधार के रूप में स्थापित करने का कार्य किया है। यही वह कारण है जिसके परिणामस्परूप समूचा विश्व नौवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को मना रहा है। यह विचार नौवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए। इस अवसर पर आयुष मंत्रालय के द्वारा निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत विश्वविद्यालय शिक्षकों, अधिकारियों, शिक्षणेतर कर्मचारियों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों व स्थानीय नागरिकों ने योगाभ्यास किया। आयोजन में विशेषज्ञ व्याख्यान हेतु पद्मश्री संतोष यादव उपस्थित रहीं।

विश्वविद्यालय के योग विभाग, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) तथा योग ट्रेकिंग व एडवेंचर क्लब के संयुक्त प्रयासों से आयोजित इस कार्यक्रम की शुरूआत प्रातःकाल योगाभ्यास के साथ हुई। जिसमें विश्वविद्यालय के कुलपति सहित समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने आयोजन की अगुवाई की। आयोजन के दौरान योग विभाग के विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने आयुष मंत्रालय द्वारा निर्धारित योगा प्रोटोकॉल के तहत विभिन्न योग क्रियाएं कराई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत सदैव ही अपने पुरातन ज्ञान व समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए विख्यात रहा है। योग भारत की उसी परम्परा का एक प्रत्यक्ष प्रमाण है। हमें वह अवसर प्राप्त है जिसके परिणाम स्वरूप हम बिना किसी बाधा के हिमालय पर्वत श्रृंखला का भ्रमण कर सकते हैं। पवित्र गंगा में स्नान कर शुद्धता को प्राप्त कर सकते हैं। भारतीय ज्ञान परम्परा इसी का प्रमाण है कि हम समूचे विश्व के समक्ष जीवन के गूढ़ सत्य से अवगत करा रहे हैं। योग इसका एक प्रत्यक्ष प्रमाण है और समूचा विश्व इसकी महत्ता स्वीकार कर रहा है।

आयोजन में उपस्थित विशेषज्ञ वक्ता पद्मश्री संतोष यादव ने अपने जीवन अनुभवों के माध्यम से प्रतिभागियों को स्वस्थ जीवनचर्या और उसके लिए आवश्यक उपायों से अवगत कराया। उन्होंने अपने संबोधन में खानपान में संयम, योगाभ्यास, ध्यान लगाने पर जोर दिया और बताया कि किस तरह से उन्होंने अपने जीवन में कुछ नियमों का पालन करके माऊंट एवरेस्ट फतह जैसी उपलब्धि हासिल की। अपने संबोधन में पद्मश्री संतोष यादव ने प्रतिभागियों को सादगी भरे जीवन और उससे प्राप्त होने वाली सकरात्मक ऊर्जा से अवगत कराया और कहा कि इसके माध्यम से आप इच्छित लक्ष्यों की प्राप्ति कर सकते हैं। उन्होंने अपने संबोधन में सभी को कड़ी मेहनत के लिए प्रेरित किया और कहा कि इसके परिणाम स्वरूप प्राप्त होने वाले फल को लेकर चिंतित न होने की भी सीख दी। आयोजन के आरंभ में शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के महेनजर विश्वविद्यालय द्वारा बीत दो सप्ताह से जारी विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी और स्थानीय स्तर पर आयोजित योगाभ्यास शिविरों के लिए सहभागी ग्रामीणों का भी मंच से आभार व्यक्त किया। मुख्य वक्ता पद्मश्री संतोष यादव का परिचय योग विभाग के प्रभारी डॉ. अजयपाल ने प्रस्तुत किया जबकि मंच का संचालन शिक्षक शिक्षा विभाग की डॉ. किरण रानी ने तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो. दिनेश चहल ने किया। इस आयोजन में प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. हरीश, प्रो. आनंद शर्मा, प्रो. सुनील, डॉ. नवीन, डॉ. खेराज, डॉ. अमित सहित भारी सख्या में शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हुडा पार्क में खंड स्तरीय योगा कार्यक्रम आयोजित

महेंद्रगढ़। 9वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आज हुडा पार्क महेंद्रगढ़ में खंड स्तरीय योगा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर एसडीएम महेंद्रगढ़ हर्षित कुमार आईएस ने भी योगा किया।

एसडीएम हर्षित कुमार ने कहा कि शरीर को स्वस्थ रखने के लिए योग जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन योग करने से मानसिक व शारीरिक परेशानी, मोटापा व अन्य बीमारियों को दूर किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यदि आप योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करते हैं तो आप तनाव मुक्त जीवन जी सकते हैं। योग न केवल हमारे शरीर की मांसपेशियों को अक्छा व्यायाम देता है, बल्कि यह हमारे दिमाग को शांत रखने में भी मदद करता है। उन्होंने कहा कि जब हम योग करते हैं तो मांसपेशियों में खिंचाव जैसी कई क्रियाएं होती हैं। इससे हमारे शरीर की थकान दूर होती है और हम हमेशा तरोताजा महसूस करते हैं। यदि आप नियमित रूप से योग करते हैं तो आपके शरीर में ऊर्जा का संचार होगा। इस अवसर पर बीडीपीओ निशा तंवर ने कहा कि योग को हर मानव अपने दैनिक जीवन में उतारे ताकि बीमारियों से बचा जा सके। इस मौके पर योग प्रशिक्षक निलेश, योग सहायिका सुनील देवी ने योग करवाया तथा योग से होने वाले फायदों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर डॉ. नवीन, एमओ डॉ. इंदु बाला, डॉ. दीपक, डॉ. गीता, रूपेश कुमार, सीडीपीओ सरला यादव, मास्टर वेद प्रकाश, मास्टर लक्ष्मण सिंह, मास्टर राजेश कुमार व आमजन मौजूद थे।

जिला न्यायिक परिसर में योग कार्यक्रम आयोजित

महेंद्रगढ़। जिला न्यायालय परिसर में आज 9वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस योग कार्यक्रम में जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष रजनीश बंसल व एसीजे (एसडी) अमित सिहाग ने भी योग किया। जिला एवं सत्र न्यायाधीश रजनीश बंसल ने कहा कि हमें प्रतिदिन योग करना चाहिए। योग से शरीर स्वस्थ रहेगा तथा तनाव से छुटकारा मिलेगा। योग अगर सही तरीके से किया जाए तो इसका जल्द ही फायदा दिखने लगता है। प्रतिदिन व सही तरीके सहयोग करने पर गंभीर से गंभीर बीमारी पर भी अंकुश लगाया जा सकता है। इस मौके पर आयुष विभाग से योग प्रशिक्षक सुंदर सिंह व पवन ने योग प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर जिला बार एसोसिएशन के अधिवक्ता, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पैनल अधिवक्ता व कानूनी स्वयंसेवक, विभिन्न अदालतों व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय के अधिकारी ने योग किया।

आईटीआई डेरोली अहीर में योग कार्यक्रम आयोजित

महेंद्रगढ़। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान डेरोली अहीर में आज 9वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें गांव के आमजन, आईटीआई का समस्त स्टाफ व विद्यार्थियों ने योगा किया। आईटीआई प्राचार्य राकेश कुमार ने बताया कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में शरीर को स्वस्थ रखने के लिए योग बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि योग का संपूर्ण फायदा हमें तभी मिलता है जब हम प्रतिदिन योग करते हैं। योग हमें शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रखता है । योग करने से हमें अच्छी नींद आती है तथा हमारा शरीर स्वस्थ और तंदुरुस्त रहता है। योग से हमें शांति तथा आनंद प्राप्त होता है। योग से हमारा मस्तिष्क एकाग्रचित होकर काम करता है तथा हमारे मन में अच्छे विचारों का निवास होता है। योग हमारे शरीर को स्वस्थ, लचीला तथा शक्तिशाली बनाए रखता है। योगासन के बाद गांव के सरपंच की ओर से उपस्थित लोगों के लिए जलपान की व्यवस्था की गई। इस अवसर पर आईटीआई से प्रशिक्षक सुरेंद्र कुमार, राजबीर सिंह, आमजन व आईटीआई के विद्यार्थी मौजूद थे।

हकेंविवि में योग करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व विद्यार्थी संवाद

स्वस्थ जीवन का आधार है योग : प्रो. टंकेश्वर

महेंद्रगढ़। भारत की धरती पर जन्म लेने वाला हर व्यक्ति सौभाग्यशाली है। भारत ही वह भूमि है जहां पुरातन काल से आमजन की दिनचर्या का हिस्सा रहे योग के महत्त्व को आज समूचा विश्व मान रहा है।

नौवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को मना रहा है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए।

आयुष मंत्रालय के द्वारा निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत विश्वविद्यालय शिक्षकों, अधिकारियों, शिक्षणेतर कर्मचारियों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों व स्थानीय नागरिकों ने योगाभ्यास किया। आयोजन में विशेषज्ञ व्याख्यान के लिए पद्मश्री संतोष यादव उपस्थित रही। विश्वविद्यालय के योग विभाग राष्ट्रीय सेवा योजना, योग ट्रेकिंग व एडवेंचर क्लब के संयुक्त प्रयासों से आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत प्रातःकाल योगाभ्यास के साथ हुई। संवाद

योग के महत्व को आज समूचा विश्व मान रहा : प्रो. टंकेश्वर

महेंद्रगढ़ | भारत की धरती पर जन्म लेने वाला हर व्यक्ति सौभाग्यशाली है। भारत ही वह भूमि है जहां पुरातन काल से आमजन की दिनचर्या का हिस्सा रहे योग के महत्त्व को आज समूचा विश्व मान रहा है। यह विचार नौवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर हकेवि, महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए। आयुष मंत्रालय के द्वारा निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत विश्वविद्यालय शिक्षकों, अधिकारियों, शिक्षणेतर कर्मचारियों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों व स्थानीय नागरिकों ने योगाभ्यास किया। आयोजन में विशेषज्ञ व्याख्यान हेतु पद्मश्री संतोष यादव उपस्थित रहीं।

विश्वविद्यालय के योग विभाग, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) तथा योग ट्रेकिंग व एडवेंचर क्लब के संयुक्त प्रयासों से आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत प्रातःकाल योगाभ्यास के साथ हुई। जिसमें विश्वविद्यालय के कुलपति सहित समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने आयोजन की अगुवाई की। आयोजन में उपस्थित विशेषज्ञ वक्ता पद्मश्री संतोष यादव ने अपने जीवन अनुभवों के माध्यम से प्रतिभागियों को स्वस्थ जीवनचर्या और उसके लिए आवश्यक उपायों से अवगत कराया। आयोजन के आरंभ में शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मद्देनजर विश्वविद्यालय द्वारा बीत दो सप्ताह से जारी विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। मुख्य वक्ता पद्मश्री संतोष यादव का परिचय योग विभाग के प्रभारी डॉ. अजयपाल ने प्रस्तुत किया जबकि मंच का संचालन शिक्षक शिक्षा विभाग की डॉ. किरण रानी ने तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो. दिनेश चहल ने किया। इस आयोजन में प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. हरीश, प्रो. आनंद शर्मा, प्रो. पवन शर्मा, प्रो. बीरपाल सिंह यादव, प्रो. सुनील, डॉ. नवीन, डॉ. खेराज, डॉ. अमित सहित भारी संख्या में शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

स्वस्थ जीवन का आधार है योग : प्रो . टंकेश्वर

संस, महेंद्रगढ़: भारत ने ही विश्व पटल पर योग को स्वस्थ जीवन के आधार के रूप में स्थापित करने का कार्य किया है। यही वह कारण है जिसके परिणामस्परूप समूचा विश्व नौवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को मना रहा है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि योग स्वस्थ जीवन का आधार है। विशेषज्ञ व्याख्यान के लिए पद्मश्री संतोष यादव उपस्थित रहीं। कुलपति सहित समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने आयोजन की अगुवाई की। योग विभाग के विद्यार्थियों व शोधार्थियों को योग कराया गया। पद्मश्री संतोष यादव ने प्रतिभागियों को सकारात्मक ऊर्जा से अवगत कराया। शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने गतिविधियों की जानकारी दी। मंच का संचालन शिक्षक शिक्षा विभाग की डा. किरण रानी ने तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो. दिनेश चहल ने किया। इस मौके पर प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. हरीश, प्रो. आनंद शर्मा, प्रो. पवन शर्मा, प्रो. बीरपाल सिंह यादव, प्रो. सुनील, डा. नवीन, डा. खेराज, डा. अमित, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

पद्मश्री संतोष यादव को श्रीफल भेंट कर स्वागत करते कुलपति प्रो . टंकेश्वर कुमार

'स्वस्थ जीवन का आधार है योग'

नारनौल (निस) : भारत ही वह भूमि है जहां पुरातन काल से आमजन की दिनचर्या का हिस्सा रहे योग के महत्त्व को आज समूचा विश्व मान रहा है। योग स्वस्थ जीवन का आधार है। भारत ने ही विश्व पटल पर योग को स्वस्थ जीवन के आधार के रूप में स्थापित करने का कार्य किया है। यही वह कारण है जिसके परिणामस्परूप समूचा विश्व नौवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को मना रहा है। यह विचार नौवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए। इस अवसर पर विशेषज्ञ व्याख्यान हेतु पद्मश्री संतोष यादव उपस्थित रहीं।

दैनिक ट्रिब्यून Thu, 22 June 2023
https://epaper.dainiktribuneor

हकेंवि में नौवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का हुआ आयोजन

महेंद्रगढ़। भारत की धरती पर जन्म लेने वाला हर व्यक्ति सौभाग्यशाली है। भारत ही वह भूमि है जहां पुरातन काल से आमजन की दिनचर्या का हिस्सा रहे योग के महत्व को आज समूचा विश्व मान रहा है। यह विचार नौवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए। आयोजन में विशेषज्ञ व्याख्यान हेतु पद्मश्री संतोष यादव उपस्थित रही। कार्यक्रम विश्वविद्यालय कुलपति सहित समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार की अगुवाई में हुआ। संतोष यादव ने खानपान में संयम, योगाभ्यास, ध्यान लगाने पर जोर दिया। मुख्य वक्ता संतोष यादव का परिचय योग विभाग के प्रभारी डा. अजयपाल ने प्रस्तुत किया। मंच का संचालन शिक्षक शिक्षा विभाग की डा. किरण रानी व धन्यवाद ज्ञापन प्रो. दिनेश चहल ने किया।

9th International Day of Yoga celebrated in CUH

Sanjay Kumar
info@impressivetimes.com

MAHENDRAGARH: Every human being born on Indian soil is fortunate. India is the only land where the importance of Yoga, which has been a part of common man's daily routine since ancient times, is now being recognized by the whole world. India has done the work of establishing Yoga on the world stage as the basis of a healthy life. This is the reason as a result of which the whole world is celebrating the ninth International Day of Yoga. On the occasion of 9th International Day of Yoga, this idea was expressed by Vice Chancellor of Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh, Prof. Tankeshwar Kumar in the program organized in the University campus. On this occasion, University teachers, officers, non-teaching staff, students, research scholars and local citizens performed yoga as per the protocol laid down by the Ministry of AYUSH. Padma Shri Santosh Yadav was present for the expert lecture in the event. During the event, the students and researchers of the Yoga Department performed various yoga activities under the yoga protocol prescribed by the Ministry of AYUSH. After this, the Vice-Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar while addressing the participants said that India has always been famous for its ancient knowledge and rich cultural heritage. Yoga is a visible proof of that tradition of India Padmashree Santosh Yadav emphasized on food moderation, yoga practice, meditation and explained how he achieved the feat of conquering Mount Everest by following some rules in her life. In her address, Padmashree Santosh Yadav apprised the participants about simple life and positive energy derived from it and said that through this you can achieve desired goals. In her address, she inspired everyone to work hard and said that it also taught them not to be worried about the results they get. At the beginning of the event, Dean Research Prof. Neelam Sangwan informed about the various activities carried out by the University during the last two weeks in view of the International Yoga Day and also thanked the participating villagers from the stage for the yoga practice camps organized at the local level. Dr. Ajaypal, in-charge of Yoga Department, introduced the chief speaker Padmashree Santosh Yadav while the stage was conducted by Dr. Kiran Rani of Teacher Education Department and the vote of thanks was given by Prof. Dinesh Chahal.

स्वस्थ जीवन का आधार है योग: प्रो. टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़, 21 जून (परमजीत, मोहन): भारत की धरती पर जन्म लेने वाला हर व्यक्ति सौभाग्यशाली है। भारत ही वह भूमि है जहां पुरातन काल से आमजन की दिनचर्या का हिस्सा रहे योग के महत्व को आज समूचा विश्व मान रहा है।

भारत ने ही विश्व पटल पर योग को स्वस्थ जीवन के आधार के रूप में स्थापित करने का कार्य किया है। यही वह कारण है जिसके परिणामस्वरूप समूचा विश्व 9वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को मना रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योगाभ्यास करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य। (मोहन)

यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए। इस अवसर पर आयुष मंत्रालय द्वारा निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत विश्वविद्यालय शिक्षकों, अधिकारियों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों व स्थानीय नागरिकों ने योगाभ्यास किया। आयोजन में विशेषज्ञ व्याख्यान हेतु पद्मश्री संतोष यादव उपस्थित रहीं।

संतोष यादव ने अपने जीवन अनुभवों के माध्यम से प्रतिभागियों को स्वस्थ जीवनचर्या और उसके लिए आवश्यक उपायों से अवगत करवाया। उन्होंने अपने संबोधन में खानपान में संयम, योगाभ्यास, ध्यान लगाने पर जोर दिया और बताया कि किस तरह से उन्होंने अपने जीवन में कुछ नियमों का पालन करके माऊंट एवरेस्ट फतह जैसी उपलब्धि हासिल की। संतोष यादव ने प्रतिभागियों को सादगी भरे जीवन और उससे प्राप्त होने वाली सकरात्मक ऊर्जा से अवगत कराया और कहा कि इसके माध्यम से आप इच्छित लक्ष्यों की प्राप्ति कर सकते हैं।

असम में शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में प्रो. सुषमा यादव दे रही हैं योगदान

महेंद्रगढ़। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन को लेकर निरंतर केंद्र व राज्य स्तर पर

योजनागत प्रयास जारी हैं। ऐसे ही एक प्रयास के अंतर्गत असम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति से जुड़े महत्त्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित नीति निर्धारण की प्रक्रिया में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ की समकुलपति व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की सम्मानित सदस्य प्रो. सुषमा यादव सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। अपने इस प्रयास के अंतर्गत प्रो. सुषमा यादव ने बीते दिनों गुवाहाटी में आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन में प्रतिभागिता की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की दिशा में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय न सिर्फ अपने विश्वविद्यालय के स्तर पर बल्कि अन्य शिक्षण संस्थानों के स्तर पर भी मार्गदर्शक की भूमिका निभा रहा है। प्रो. सुषमा यादव के द्वारा असम में राज्य के स्तर पर आयोजित इस सम्मेलन में प्रतिभागिता इसका परिचायक है। सम्मेलन में हिस्सा लेने के पश्चात प्रो. सुषमा यादव ने विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार से मुलाकात की। प्रो. सुषमा यादव ने बताया कि असम के माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया व मुख्यमंत्री डॉ. हेमंता बिस्वासरमा के नेतृत्व में आयोजित इस प्रक्रिया में उन्होंने विशेष रूप से अकादमिक, बैंक ऑफ क्रेडिट, च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम, शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण, भारतीय ज्ञान परम्परा और भारतीय भाषाओं के प्रचार, शैक्षणिक कार्यक्रम के निर्धारण, पाठ्यक्रमों में आवश्यक बदलाव और संबद्धता व उत्कृष्टता से संबंधित विषयों पर विमर्श में योगदान दिया। उन्होंने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य भारतीय ज्ञान परम्परा के गौरव में विश्वास रखते हुए विश्व स्तरीय शिक्षा व्यवस्था का विकास करना है और इस दिशा में विभिन्न स्तर पर निरंतर प्रयास जारी है। प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सदस्य के रूप में उन्हें मिले दायित्व का वह पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन कर रही हैं और जिस प्रकार से देश भर में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन हेतु विमर्श का दौर सक्रिय है, उससे अवश्य ही इसके निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होगा। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय इस दिशा में न केवल अपने लिए बल्कि माननीय कुलपति के निर्देशन में संपूर्ण उत्तर भारत व अन्य सहभागियों के लिए हरसंभव सहयोग व नेतृत्व प्रदान कर रहा है।

कार्यक्रम

दो दिवसीय सम्मेलन में विशेषज्ञ के रूप में लिया भाग, भारतीय ज्ञान परंपरा और भाषाओं के प्रचार पर रखे विचार

असम में शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में प्रो. सुषमा यादव दे रहीं योगदान

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन को लेकर निरंतर केंद्र व राज्य स्तर पर योजनागत प्रयास जारी हैं। ऐसे ही एक प्रयास के अंतर्गत असम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित नीति निर्धारण की प्रक्रिया में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ की समकुलपति व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की सम्मानित सदस्य प्रो. सुषमा यादव सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।

इस प्रयास के अंतर्गत प्रो. सुषमा यादव ने बीते दिनों गुवाहाटी में आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन में प्रतिभागिता की। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की दिशा में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय न सिर्फ अपने विश्वविद्यालय स्तर पर बल्कि अन्य शिक्षण संस्थानों के स्तर पर भी मार्गदर्शक की भूमिका निभा रहा है। प्रो. सुषमा यादव के द्वारा असम में राज्य स्तर पर आयोजित इस सम्मेलन में प्रतिभागिता इसका परिचायक है।

असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया के साथ प्रो. सुषमा यादव। विज्ञप्ति

सम्मेलन में हिस्सा लेने के पश्चात प्रो. सुषमा यादव ने विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार से मुलाकात की।

प्रो. सुषमा यादव ने बताया कि असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया व मुख्यमंत्री डॉ. हेमंता बिस्वासरमा के नेतृत्व में आयोजित इस प्रक्रिया में उन्होंने विशेष रूप से अकादमिक, बैंक ऑफ क्रेडिट, च्वाइस वेस्ड क्रेडिट सिस्टम, शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण, भारतीय ज्ञान परंपरा और भारतीय भाषाओं के प्रचार, शैक्षणिक कार्यक्रम के निर्धारण, पाठ्यक्रमों में आवश्यक बदलाव और संबद्धता व उत्कृष्टता से संबंधित विषयों पर विमर्श में योगदान दिया।

प्रतिभागियों को डाटा साइंस के महत्व के बारे में बताया

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) महेंद्रगढ़ के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। कॅरिअर प्रोस्पेक्ट्स ऑफ डाटा साइंस विषय पर आधारित व्याख्यान में मिको कंपनी, मुंबई के सीनियर डाटा साइंटिस्ट अनमोल वार्ष्णेय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। प्रतिभागियों को डाटा साइंस के महत्व, तकनीकी एवं औद्योगिक क्षेत्र में डाटा साइंस में काम आने वाले टूल्स के बारे में जानकारी दी गई।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि डाटा साइंस में रोजगार के अवसर दिन प्रतिदिन बढ़ रहे हैं। यही कारण है कि युवाओं का रुझान इस क्षेत्र में बढ़ रहा है। डॉ. तरुण कुमार ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से विद्यार्थियों को क्षेत्र की नवीनतम जानकारी मिलती है। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता अनमोल वार्ष्णेय ने प्रतिभागियों को डाटा साइंस के महत्व, तकनीकी एवं औद्योगिक क्षेत्र में डाटा साइंस में काम आने वाले टूल्स के बारे में बताया। कार्यक्रम में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय सहित पटना यूनिवर्सिटी, राजस्थान यूनिवर्सिटी व कडुना स्टेट यूनिवर्सिटी नाइजीरिया, एमिटी यूनिवर्सिटी, स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय, रैफल्स विश्वविद्यालय व फिलीपींस के पॉलिटेक्निक विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की। संवाद

केंद्रीय विश्वविद्यालय में पहली बार शॉर्ट टर्म का कोर्स शुरू

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.0 के तहत हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में अस्सिटेंड ऑपरेटर प्रिंटिंग और पैकेजिंग का शॉर्ट टर्म कोर्स शुरु किया गया है। इस कोर्स की 40 सीट निर्धारित की गई हैं।

25
जून को कोर्स के लिए आवेदन की अंतिम तिथि

विद्यार्थी 25 जून तक ऑनलाइन आवेदन कर सकता है। उसके बाद मेरिट सूची जारी की जाएगी। 30 जून तक दस्तावेजों की जांच की जाएगी। दस्तावेजों की जांच के बाद जिन विद्यार्थियों का नाम शॉर्टटर्म कोर्स के लिए सूची में जारी हुआ है, उसको विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर डाल दिया जाएगी। साथ ही विद्यार्थियों को मोबाइलों पर सूचना दी जाएगी। यह कोर्स 340 घंटे का रहेगा। उसके बाद विद्यार्थियों की परीक्षा होगी।

आठवीं पास विद्यार्थी कर सकता है उक्त कोर्स : पीएमकेवीवाई 4.0 के तहत वर्ष 2023 में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को पहली बार जोड़ा गया है। स्कूल, कॉलेज व विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थी भी इसमें हिस्सा ले सकते हैं। यह कोर्स बेरोजगार युवाओं के लिए किसी वरदान से कम नहीं होगा। घर बैठे आठवीं पास बेरोजगार भी इस कोर्स को कर सकते हैं। आठवीं में एक वर्ष का एनटीसी/एनएसी का अनुभव होना अनिवार्य है। विद्यार्थी घर बैठे https://forms.gle/VFiYgeo ktCqL12zq7 वेबसाइट पर जाकर अपना आवेदन कर सकता है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़।

30
जून को होगी दस्तावेजों की जांच

ये दस्तावेज हैं जरूरी

आवेदन के लिए विद्यार्थियों आठवीं पास एक वर्षीय का एनटीसी/एनएसी अनुभव, शैक्षणिक योग्यता, जाति प्रमाण पत्र, आधार कार्ड नंबर, पंजीकृत मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी होना भी जरूरी है।

> हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शॉर्ट टर्म अस्सिटेंड ऑपरेटर प्रिंटिंग और पैकेजिंग कोर्स शुरू किया गया है। जिसकी 40 सीटें निर्धारित हैं। 25 जून तक विद्यार्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकता है।
>
> -शैलेंद्र सिंह, पीआरओ, हकेंवि।

डाटा साइंस में रोजगार के अवसर बढ़ने के कारण युवाओं का रुझान इस क्षेत्र में बढ़ रहा : प्रो. टंकेश्वर

महेंद्रगढ़ | हकेवि के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। करियर प्रोस्पेक्ट्स ऑफ डाटा साइंस विषय पर आधारित इस विशेषज्ञ व्याख्यान में मिको कंपनी, मुंबई के सीनियर डाटा साइंटिस्ट अनमोल वार्ष्णेय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि डाटा साइंस में रोजगार के अवसर दिन प्रतिदिन बढ़ रहे हैं।

कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता अनमोल वार्ष्णेय ने प्रतिभागियों को डाटा साइंस के महत्व, तकनीकी एवं औद्योगिक क्षेत्र में डाटा साइंस में काम आने वाले टूल्स के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सूरज आर्य ने बताया कि विद्यार्थियों के हित में इस प्रकार के कार्यक्रम भविष्य में भी ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित किए जाते रहेंगे। इस अवसर पर ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की उपनिदेशक डॉ. दिव्या भी उपस्थित रहीं।

शिक्षा नीति क्रियान्वयन में प्रो. सुषमा दे रही हैं योगदान

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन को लेकर निरंतर केंद्र व राज्य स्तर पर योजनागत प्रयास जारी हैं। ऐसे ही एक प्रयास के अंतर्गत असम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित नीति निर्धारण की प्रक्रिया में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ की समकुलपति व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की सम्मानित सदस्य प्रो. सुषमा यादव सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। अपने इस प्रयास के अंतर्गत प्रो. सुषमा यादव ने बीते दिनों गुवाहाटी में आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन में प्रतिभाग किया।

दो दिवसीय सम्मेलन में असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया के साथ प्रो. सुषमा यादव ● सौ. संस्था

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की दिशा में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय न सिर्फ अपने विश्वविद्यालय के स्तर पर बल्कि अन्य शिक्षण संस्थानों के स्तर पर भी मार्गदर्शक की भूमिका निभा रहा है। प्रो. सुषमा यादव के द्वारा असम में राज्य के स्तर पर आयोजित इस सम्मेलन में प्रतिभागिता इसका परिचायक है। सम्मेलन में हिस्सा लेने के पश्चात प्रो. सुषमा यादव ने विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार से मुलाकात की।

प्रो. सुषमा यादव ने बताया कि असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया व मुख्यमंत्री डा. हेमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व में आयोजित इस प्रक्रिया में उन्होंने विशेष रूप से अकादमिक, बैंक आफ क्रेडिट, च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम, शिक्षा का अंतरराष्ट्रीयकरण, भारतीय ज्ञान परंपरा और भारतीय भाषाओं के प्रचार, शैक्षणिक कार्यक्रम के निर्धारण, पाठ्यक्रमों में आवश्यक बदलाव और संबद्धता व उत्कृष्टता से संबंधित विषयों पर विमर्श में योगदान दिया। प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सदस्य के रूप में उन्हें मिले दायित्व का वह पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन कर रही हैं। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय इस दिशा में न केवल अपने लिए बल्कि कुलपति के निर्देशन में संपूर्ण उत्तर भारत व अन्य सहभागियों के लिए हरसंभव सहयोग व नेतृत्व प्रदान कर रहा है।

डाटा साइंस के क्षेत्र में प्रतिदिन बढ़ रहे हैं रोजगार के अवसर : प्रो. टंकेश्वर कुमार

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। करियर प्रोस्पेक्ट्स आफ डाटा साइंस विषय पर आधारित इस विशेषज्ञ व्याख्यान में मिको कंपनी, मुंबई के सीनियर डाटा साइंटिस्ट अनमोल वार्ष्णेय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि डाटा साइंस में रोजगार के अवसर दिन प्रतिदिन बढ़ रहे हैं। यहीं कारण है कि युवाओं का रुझान इस क्षेत्र में बढ़ रहा है।

कार्यक्रम की शुरुआत में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के उपनिदेशक डा. सूरज आर्य ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का परिचय प्रस्तुत किया। डा. तरुण कुमार ने विशेषज्ञ वक्ता का परिचय प्रतिभागियों से कराया और कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से विद्यार्थियों को क्षेत्र की नवीनतम जानकारी मिलती है। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता अनमोल वार्ष्णेय ने प्रतिभागियों को डाटा साइंस के महत्व, तकनीकी एवं ओद्योगिक क्षेत्र में डाटा साइंस में काम आने वाले टूल्स के बारे में विस्तार से बताया और रोजगार के अवसरों से भी अवगत कराया। कार्यक्रम में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय सहित पटना यूनिवर्सिटी, राजस्थान यूनिवर्सिटी व कडुना स्टेट यूनिवर्सिटी नाइजीरिया, एमिटी यूनिवर्सिटी, स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय, रैफल्स विश्वविद्यालय व फिलीपींस के पालिटेक्निक विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की। कार्यक्रम के संयोजक डा. सूरज आर्य ने बताया कि विद्यार्थियों के हित में कार्यक्रम भविष्य में भी ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित किए जाते रहेंगे।

डाटा साइंस में बढ़ रहे रोजगार के अवसर : प्रो. टंकेश्वर कुमार

नारनौल (निस) : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। करियर प्रॉस्पेक्ट्स ऑफ़ डाटा साइंस विषय पर आधारित इस विशेषज्ञ व्याख्यान में मिको कंपनी, मुंबई के सीनियर डाटा साइंटिस्ट अनमोल वार्ष्णेय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि डाटा साइंस में रोजगार के अवसर दिन प्रतिदिन बढ़ रहे हैं। यही कारण है कि युवाओं का रुझान इस क्षेत्र में बढ़ रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के उपनिदेशक डॉ. सूरज आर्य ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का परिचय प्रस्तुत किया। डॉ तरुण कुमार ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से विद्यार्थियों को क्षेत्र की नवीनतम जानकारी मिलती है। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता अनमोल वार्ष्णेय ने प्रतिभागियों को डाटा साइंस के महत्व, तकनीकी एवं औद्योगिक क्षेत्र में डाटा साइंस में काम आने वाले टूल्स के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने इस क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार के अवसरों से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया।

दैनिक ट्रिब्यून Fri, 23 June 2023
https://epaper.dainiktribuneonline.com/c/72753770

महेंद्रगढ़। राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया के साथ प्रो. सुषमा यादव।
फोटो : हरिभूमि

- दो दिवसीय सम्मेलन में विशेषज्ञ के रूप में हुई सम्मिलित

असम में शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में प्रो. सुषमा यादव दे रही योगदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन को लेकर निरंतर केंद्र व राज्य स्तर पर योजनागत प्रयास जारी हैं। ऐसे ही एक प्रयास के अंतर्गत असम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित नीति निर्धारण की प्रक्रिया में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की समकुलपति व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की सम्मानित सदस्य प्रो. सुषमा यादव सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। अपने इस प्रयास के अंतर्गत प्रो. सुषमा यादव ने बीते दिनों गुवाहाटी में आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन में प्रतिभागिता की। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की दिशा में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय न सिर्फ अपने विश्वविद्यालय के स्तर पर बल्कि अन्य शिक्षण संस्थानों के स्तर पर भी मार्गदर्शक की भूमिका निभा रहा है। प्रो. सुषमा यादव के द्वारा असम में राज्य के स्तर पर आयोजित इस सम्मेलन में प्रतिभागिता इसका परिचायक है।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार से की मुलाकात

सम्मेलन में हिस्सा लेने के पश्चात प्रो. सुषमा यादव ने विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार से मुलाकात की। प्रो. सुषमा यादव ने बताया कि असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया व मुख्यमंत्री डॉ. हेमंता बिस्वासरमा के नेतृत्व में आयोजित इस प्रक्रिया में उन्होंने विशेष रूप से अकादमिक, बैंक ऑफ क्रेडिट, च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम, शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण, भारतीय ज्ञान परम्परा और भारतीय भाषाओं के प्रचार, शैक्षणिक कार्यक्रम के निर्धारण, पाठ्यक्रमों में आवश्यक बदलाव और संबद्धता व उत्कृष्टता से संबंधित विषयों पर विमर्श में योगदान दिया। उन्होंने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य भारतीय ज्ञान परम्परा के गौरव में विश्वास रखते हुए विश्व स्तरीय शिक्षा व्यवस्था का विकास करना है और इस दिशा में विद्वितन्न स्तर पर निरंतर प्रयास जारी है। प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सदस्य के रूप में उन्हें मिले दायित्व का वह पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन कर रही हैं।

हकेंवि में डाटा साइंस पर केंद्रित विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

■ डाटा साइंस में रोजगार के अवसर दिन प्रतिदिन बढ़ : सीनियर डाटा साइंटिस्ट अनमोल

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विवि के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। करियर प्रोस्पेक्ट्स ऑफ डाटा साइंस विषय पर आधारित इस विशेषज्ञ व्याख्यान में मिको कंपनी, मुंबई के सीनियर डाटा साइंटिस्ट अनमोल विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि डाटा साइंस में रोजगार के अवसर दिन प्रतिदिन बढ़ रहे हैं।

इसी कारण युवाओं का रुझान इस क्षेत्र में बढ़ रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत में ट्रेनिंग एंड

महेंद्रगढ़। विशेषज्ञ व्याख्यान में प्रतिभागिता करते विशेषज्ञ व शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

प्लेसमेंट सेल उपनिदेशक डॉ. सूरज आर्य ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का परिचय प्रस्तुत किया। डॉ. तरुण कुमार ने विशेषज्ञ वक्ता का परिचय प्रतिभागियों से कराया और कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से विद्यार्थियों को क्षेत्र की नवीनतम जानकारी मिलती है। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता अनमोल ने प्रतिभागियों को डाटा साइंस के महत्व, तकनीकी एवं औद्योगिक क्षेत्र में डाटा साइंस में काम आने वाले टूल्स के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने इस क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार के अवसरों से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यक्रम में हरियाणा केंद्रीय विवि सहित पटना यूनिवर्सिटी, राजस्थान यूनिवर्सिटी व कडुना स्टेट यूनिवर्सिटी नाइजीरिया, एमिटी यूनिवर्सिटी, स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय, रैफल्स विश्वविद्यालय व फिलीपींस के पॉलिटेक्निक विवि के विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की।

जताया आभार

कार्यक्रम संयोजक डॉ. सूरज आर्य ने बताया कि विद्यार्थियों के हित में इस प्रकार के कार्यक्रम भविष्य में भी ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित किए जाते रहेंगे। इस अवसर पर ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की उपनिदेशक डॉ. दिव्या भी उपस्थित रही। कार्यक्रम के अंत में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के उपनिदेशक डॉ. कपिल कुमार ने विशेषज्ञ वक्ता, कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक डॉ. आकाश सक्सेना व विद्यार्थी समन्वयकों का भी आभार व्यक्त किया गया।

हकेवि में डाटा साइंस पर केंद्रित विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

ह्यूमन इंडिया/मनोज गोयल गुडियानिया

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। करियर प्रोस्पेक्ट्स ऑफ़ डाटा साइंस विषय पर आधारित इस विशेषज्ञ व्याख्यान में मिको कंपनी, मुंबई के सीनियर डाटा साइंटिस्ट अनमोल वार्ष्णेय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि डाटा साइंस में रोजगार के अवसर दिन प्रतिदिन बढ़ रहे हैं। यही कारण है कि युवाओं का रुझान इस क्षेत्र में बढ़ रहा है।

कार्यक्रम की शुरुआत में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के उपनिदेशक डॉ. सूरज आर्य ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का परिचय प्रस्तुत किया। डॉ तरुण कुमार ने विशेषज्ञ वक्ता का परिचय प्रतिभागियों से कराया और कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से विद्यार्थियों को क्षेत्र की नवीनतम जानकारी मिलती है। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता अनमोल वार्ष्णेय ने प्रतिभागियों को डाटा साइंस के महत्व, तकनीकी एवं औद्योगिक क्षेत्र में डाटा साइंस में काम आने वाले टूल्स के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने इस क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार के अवसरों से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यक्रम में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय सहित पटना यूनिवर्सिटी, राजस्थान यूनिवर्सिटी व कडुना स्टेट यूनिवर्सिटी नाइजीरिया, एमिटी यूनिवर्सिटी, स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय, रैफल्स विश्वविद्यालय व फिलीपींस के पॉलिटेक्निक विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सूरज आर्य ने बताया कि विद्यार्थियों के हित में इस प्रकार के कार्यक्रम भविष्य में भी ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित किए जाते रहेंगे। इस अवसर पर ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की उपनिदेशक डॉ. दिव्या भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के अंत में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के उपनिदेशक डॉ. कपिल कुमार ने विशेषज्ञ वक्ता, कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक डॉ. आकाश सक्सेना व विद्यार्थी समन्वयकों का भी आभार व्यक्त किया गया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन को लेकर निरंतर योजनागत प्रयास जारी

असम में शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में प्रो. सुषमा यादव दे रहीं अहम योगदान

•2 दिवसीय सम्मेलन में विशेषज्ञ के रूप में हुईं सम्मिलित

महेंद्रगढ़, 22 जून (मोहन, परमजीत): राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन को लेकर निरंतर केंद्र व राज्य स्तर पर योजनागत प्रयास जारी हैं। ऐसे ही एक प्रयास के अंतर्गत असम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित नीति निर्धारण की प्रक्रिया में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ की समकुलपति व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सम्मानित सदस्य प्रो. सुषमा यादव सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।

अपने इस प्रयास के अंतर्गत प्रो. सुषमा यादव ने बीते दिनों गुवाहाटी में आयोजित 2 दिवसीय सम्मेलन में प्रतिभागिता की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की दिशा में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय न सिर्फ अपने विश्वविद्यालय के स्तर पर बल्कि अन्य शिक्षण संस्थानों के स्तर पर भी मार्गदर्शक की भूमिका निभा रहा है।

दो दिवसीय सम्मेलन में असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया के साथ प्रो. सुषमा यादव। (मोहन)

प्रो. सुषमा यादव द्वारा असम में राज्य के स्तर पर आयोजित इस सम्मेलन में प्रतिभागिता इसका परिचायक है।

सम्मेलन में हिस्सा लेने के पश्चात प्रो. सुषमा यादव ने विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार से मुलाकात की। प्रो. सुषमा यादव ने बताया कि असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया व मुख्यमंत्री डॉ. हेमंता बिस्वासरमा के नेतृत्व में आयोजित इस प्रक्रिया में उन्होंने विशेष रूप से अकादमिक, बैंक ऑफ क्रैडिट, च्वाइस बेस्ड क्रैडिट सिस्टम, शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण, भारतीय ज्ञान परम्परा और भारतीय भाषाओं के प्रचार, शैक्षणिक कार्यक्रम के निर्धारण, पाठ्यक्रमों में आवश्यक बदलाव और संबद्धता व उत्कृष्टता से संबंधित विषयों पर विमर्श में योगदान दिया।

विचार-विमर्श से निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति का मार्ग होगा प्रशस्त

उन्होंने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य भारतीय ज्ञान परम्परा के गौरव में विश्वास रखते हुए विश्व स्तरीय शिक्षा व्यवस्था का विकास करना है और इस दिशा में विभिन्न स्तर पर निरंतर प्रयास जारी है।

प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सदस्य के रूप में उन्हें मिले दायित्व का वह पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन कर रही हैं और जिस प्रकार से देश भर में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन हेतु विमर्श का दौर सक्रिय है, उससे अवश्य ही इसके निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होगा।

प्रो. यादव ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय इस दिशा में न केवल अपने लिए बल्कि माननीय कुलपति के निर्देशन में संपूर्ण उत्तर भारत व अन्य सहभागियों के लिए हरसंभव सहयोग व नेतृत्व प्रदान कर रहा है।

हकेंवि में डाटा साइंस पर केंद्रित विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन

महेंद्रगढ़, 22 जून (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। करियर प्रोस्पैक्ट्स ऑफ डाटा साइंस विषय पर आधारित इस विशेषज्ञ व्याख्यान में मिको कंपनी, मुंबई के सीनियर डाटा साइंटिस्ट अनमोल वार्ष्णेय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि डाटा साइंस में रोजगार के अवसर दिन-प्रतिदिन बढ़ रहे हैं। यही कारण है कि युवाओं का रुझान इस क्षेत्र में बढ़ रहा है।

कार्यक्रम की शुरूआत में ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के उपनिदेशक डॉ. सूरज आर्य ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का परिचय प्रस्तुत किया। डॉ. तरुण कुमार ने विशेषज्ञ वक्ता का परिचय प्रतिभागियों से करवाया और कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से विद्यार्थियों को क्षेत्र की नवीनतम जानकारी मिलती है।

कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता अनमोल वार्ष्णेय ने प्रतिभागियों को डाटा साइंस के महत्व, तकनीकी एवं औद्योगिक क्षेत्र में डाटा साइंस में काम आने वाले टूल्स के बारे में विस्तार से बताया।

उन्होंने इस क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार के अवसरों से भी प्रतिभागियों को अवगत करवाया। कार्यक्रम में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय सहित पटना यूनिवर्सिटी, राजस्थान यूनिवर्सिटी व कडुना स्टेट यूनिवर्सिटी नाइजीरिया, एमिटी यूनिवर्सिटी, स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय, रैफल्स विश्वविद्यालय व फिलीपींस के पॉलिटैक्निक विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की।

असम में शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में प्रो. सुषमा यादव दे रही हैं योगदान

महेंद्रगढ़ मनोज गोयल गुडियानिया, उजाला आज तक

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन को लेकर निरंतर केंद्र व राज्य स्तर पर योजनागत प्रयास जारी हैं। ऐसे ही एक प्रयास के अंतर्गत असम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति से जुड़े महत्त्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित नीति निर्धारण की प्रक्रिया में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ की समकुलपति व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की सम्मानित सदस्य प्रो. सुषमा यादव सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। अपने इस प्रयास के अंतर्गत प्रो. सुषमा यादव ने बीते दिनों गुवाहाटी में आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन में प्रतिभागिता की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की दिशा में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय न सिर्फ अपने विश्वविद्यालय के स्तर पर बल्कि अन्य शिक्षण संस्थानों के स्तर पर भी मार्गदर्शक की भूमिका निभा रहा है। प्रो. सुषमा यादव के द्वारा असम में राज्य के स्तर पर आयोजित इस सम्मेलन में प्रतिभागिता इसका परिचायक है।

सम्मेलन में हिस्सा लेने के पश्चात प्रो. सुषमा यादव ने विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार से मुलाकात की। प्रो. सुषमा यादव ने बताया कि असम के माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया व मुख्यमंत्री डॉ. हेमंता बिस्वासरमा के नेतृत्व में आयोजित इस प्रक्रिया में उन्होंने विशेष रूप से अकादमिक, बैंक ऑफ क्रेडिट, च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम, शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण, भारतीय ज्ञान परम्परा और भारतीय भाषाओं के प्रचार, शैक्षणिक कार्यक्रम के निर्धारण, पाठ्यक्रमों में आवश्यक बदलाव और संबद्धता व उत्कृष्टता से संबंधित विषयों पर विमर्श में योगदान दिया। उन्होंने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य भारतीय ज्ञान परम्परा के गौरव में विश्वास रखते हुए विश्व स्तरीय शिक्षा व्यवस्था का विकास करना है और इस दिशा में विभिन्न स्तर पर निरंतर प्रयास जारी है। प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सदस्य के रूप में उन्हें मिले दायित्व का वह पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन कर रही हैं और जिस प्रकार से देश भर में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन हेतु विमर्श का दौर सक्रिय है, उससे अवश्य ही इसके निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होगा। प्रो. यादव ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय इस दिशा में न केवल अपने लिए बल्कि माननीय कुलपति के निर्देशन में संपूर्ण उत्तर भारत व अन्य सहभागियों के लिए हरसंभव सहयोग व नेतृत्व प्रदान कर रहा है।

प्रो. पवन शर्मा को फुलब्राइट स्कॉलर-इन-रेसिडेंस फेलोशिप के लिए किया गया नामित

- दुनिया भर के 30 देशों से विभिन्न विषयों में नामित 46 विद्वानों में जगह मिली
- हकेवि के लिए एक और उपलब्धि
- सांस्कृतिक और शैक्षणिक आदान-प्रदान से विश्वविद्यालय होगा लाभांवित - प्रो. टंकेश्वर कुमार

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के रसायन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर पवन कुमार शर्मा को प्रतिष्ठित फुलब्राइट स्कॉलर-इन-रेसिडेंस फेलोशिप के लिए नामित गया है। इस वर्ष, फुलब्राइट फॉरेन स्कॉलरशिप बोर्ड, वाशिंगटन डी.सी. ने फुलब्राइट स्कॉलर-इन-रेसिडेंस प्रोग्राम के तहत छह महाद्वीपों के 30 देशों के विविध विषयों में 46 विद्वानों को मंजूरी दी है। प्रो. पवन कुमार शर्मा हरियाणा के पहले विद्वान हैं जिन्हें इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रो. पवन शर्मा को इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय जैसे युवा विश्वविद्यालय के लिए यह एक बड़ा सम्मान है कि विश्वविद्यालय के एक वरिष्ठ प्रोफेसर और एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित शोधकर्ता को इस प्रतिष्ठित फैलोशिप के लिए नामित किया गया है। यह न केवल हकेवि के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दृश्यता लाएगा, बल्कि यह हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय और अमेरिकी विश्वविद्यालयों के बीच दीर्घकालिक सहयोग के अवसर भी प्रदान करेगा। दुनिया भर के वैज्ञानिकों के साथ वैज्ञानिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान हकेवि में अनुसंधान और शिक्षण की नई संभावनाओं को बढ़ावा देगा जिसका हमारे विद्यार्थी व शोधार्थी आने वाले समय में लाभ उठा सकेंगे।

इस फैलोशिप के अंतर्गत, प्रो. पवन कुमार शर्मा संयुक्त राज्य अमेरिका के वेस्लीयन विश्वविद्यालय में एक शैक्षणिक सत्र बिताएंगे। यहां बता दें कि प्रोफेसर पवन को इससे पहले यूनाइटेड स्टेट्स-इंडिया एजुकेशनल फाउंडेशन द्वारा फुलब्राइट-नेहरू इंटरनेशनल एजुकेशन एडमिनिस्ट्रेटर अवार्ड 2019, इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन द्वारा श्रीनिवास रामानुजन जन्म शताब्दी स्वर्ण पदक 2018, केमिकल रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा कांस्य पदक 2018, इंडियन केमिकल सोसायटी द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार 2012 सहित अन्य कई अवार्ड्स से सम्मानित किया जा चुका है। उन्हें अंटार्कटिका के 21भारतीय वैज्ञानिक अभियान में सदस्य वैज्ञानिक के रूप में नामित हरियाणा के पहले और एकमात्र वैज्ञानिक होने का गौरव भी प्राप्त है।

वह बेंथम साइंस पब्लिशर्स द्वारा प्रकाशित जर्नल ह्यएक्सपर्ट ओपिनियन

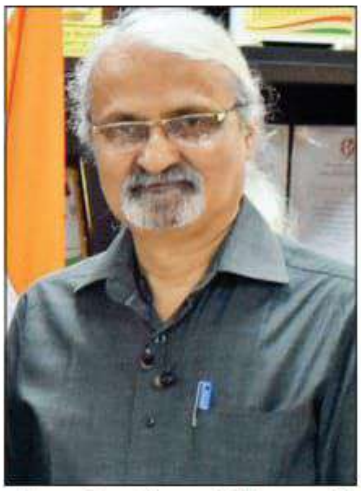

ऑन थेराप्यूटिक पेटेंट्सह्ल के संपादकीय बोर्ड के सदस्य, जर्नल ह्लकरंट इंडियन साइंसह्ल के मानद वरिष्ठ सलाहकार और अमेरिकन केमिकल सोसाइटी, रॉयल सोसाइटी, केमिकल सोसायटी, एल्सेवियर, स्प्रिंगर, विली आदि द्वारा प्रकाशित कई प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं के समीक्षक हैं।

फुलब्राइट फेलोशिप की बात करें तो यह 1946 में स्थापित यूएसए में काउंसिल फॉर इंटरनेशनल एक्सचेंज ऑफ स्कॉलर्स (सीआईईएस) के माध्यम से अमेरिकी सरकार का प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक विनिमय कार्यक्रम है। यह दुनिया भर में 160 से अधिक देशों में संचालित होता है और प्रतिभागियों को उनकी शैक्षणिक योग्यता और नेतृत्व क्षमता के लिए चुना जाता है।

यह अध्ययन, अध्यापन और अनुसंधान करने, विचारों का आदान-प्रदान करने और साझा अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों के समाधान खोजने में योगदान करने का अवसर प्रदान करता है। फुलब्राइट समूह के अंतर्गत, फुलब्राइट स्कॉलर-इन-रेसिडेंस प्रोग्राम दुनिया भर से विजिटिंग स्कॉलर्स को संयुक्त राज्य अमेरिका के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में लाता है, जिससे संस्थानों को अपने परिसरों और पाठ्यक्रम का अंतर्राष्ट्रीयकरण करने और अपने छात्रों, संकाय, कर्मचारियों और आसपास का समुदाय के शैक्षिक अनुभवों में विविधता लाने में मदद मिलती है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, फुलब्राइट विद्वानों को अपने क्षेत्र में अत्यधिक सम्मानित विशेषज्ञ माना जाता है और फुलब्राइट फेलोशिप अर्जित करना विद्वान और मूल विश्वविद्यालय के लिए एक असाधारण सम्मान माना जाता है जो मूल विश्वविद्यालय की अंतरराष्ट्रीय दृश्यता में सुधार करते हुए अपने अनुशासन में विद्वान की प्रधानता और प्रभाव को पहचानता है। प्रो. पवन ने कहा कि इस फैलोशिप का लाभ उठाने से निश्चित रूप से उन्हें अमेरिकी शिक्षा और शिक्षाशास्त्र, वेस्लेयन और हकेवि के बीच व्यक्तिगत रूप से सहयोग और संयुक्त राज्य अमेरिका के बहुसांस्कृतिक समुदाय बहु-जातीय अनुभव करके वह एक विस्तारित विश्वदृष्टि, अमेरिकी उच्च शिक्षा प्रणाली और इसके लोगों के लिए एक गहरी प्रशंसा, और उच्च शिक्षा परिदृश्य का विस्तार करने की क्षमता वाले सहयोगियों के एक नए नेटवर्क के साथ वापस हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय लौट आएंगे।

फेलोशिप और संबद्ध वैज्ञानिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान निश्चित रूप से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शिक्षण और अनुसंधान के बेंचमार्किंग को और मजबूत करने में मदद करेंगे।

सराहनीय

हकेंवि की एक और उपलब्धि, वीसी ने दी बधाई

प्रो. पवन फुलब्राइट फेलोशिप के लिए नामित

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के रसायन विज्ञान विभाग के प्रो. पवन कुमार शर्मा को प्रतिष्ठित फुलब्राइट स्कॉलर-इन-रेसिडेंस फेलोशिप के लिए नामित गया है। इस वर्ष फुलब्राइट फॉरेन स्कॉलरशिप बोर्ड, वाशिंगटन डीसी ने फुलब्राइट स्कॉलर-इन-रेसिडेंस कार्यक्रम के तहत छह महाद्वीपों के 30 देशों के विविध विषयों में 46 विद्वानों को मंजूरी दी है।

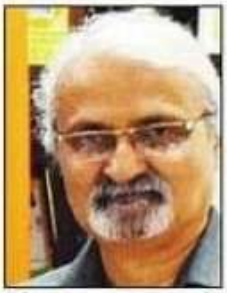

प्रो. पवन कुमार शर्मा।

प्रो. पवन कुमार शर्मा प्रदेश के पहले विद्वान हैं जिन्हें इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय जैसे युवा विश्वविद्यालय के लिए यह एक बड़ा सम्मान है कि विश्वविद्यालय के एक वरिष्ठ प्रो. और एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित शोधकर्ता को इस प्रतिष्ठित फेलोशिप के लिए नामित किया गया है। यह न केवल हकेंवि के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दृश्यता लाएगा, बल्कि यह हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय और अमेरिकी विश्वविद्यालयों के बीच दीर्घकालिक सहयोग के अवसर भी प्रदान करेगा।

अमेरिकी विज्ञान संस्कृति की होगी बेहतर समझ

प्रो. पवन ने कहा कि इस फैलोशिप का लाभ उठाने से निश्चित रूप से उन्हें अमेरिकी शिक्षा और शिक्षाशास्त्र, वेस्लेयन और हकेंवि के बीच व्यक्तिगत रूप से सहयोग और संयुक्त राज्य अमेरिका के बहुसांस्कृतिक समुदाय और अमेरिकी विज्ञान संस्कृति की बेहतर समझ मिलेगी। उन्होंने आगे कहा कि इस पुरस्कार का लाभ उठाने के बाद वापस हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय लौट आएंगे। फेलोशिप और संबद्ध वैज्ञानिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान निश्चित रूप से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शिक्षण और अनुसंधान के बेंच मार्किंग को और मजबूत करने में मदद करेंगे।

यह है फुलब्राइट फेलोशिप

फुलब्राइट फेलोशिप की बात करें तो यह 1946 में स्थापित यूएसए में काउंसिल फॉर इंटरनेशनल एक्सचेंज ऑफ स्कॉलर्स के माध्यम से अमेरिकी सरकार का प्रमुख अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक विनिमय कार्यक्रम है। यह दुनियाभर में 160 से अधिक देशों में संचालित होता है व प्रतिभागियों को शैक्षणिक योग्यता व नेतृत्व क्षमता के लिए चुना जाता है। यह अध्ययन, अध्यापन और अनुसंधान करने, विचारों का आदान-प्रदान करने और साझा अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों के समाधान खोजने में योगदान करने का अवसर प्रदान करता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, फुलब्राइट विद्वानों को अत्यधिक सम्मानित विशेषज्ञ माना जाता है व फुलब्राइट फेलोशिप अर्जित करना विद्वान और मूल विश्वविद्यालय के लिए एक असाधारण सम्मान माना जाता है।

पवन शर्मा को फुलब्राइट स्कॉलर-इन-रेसिडेंस फेलोशिप के लिए किया गया नामित

- दुनिया भर के 30 देशों से विभिन्न विषयों में नामित 46 विद्वानों में जगह मिली
- हकेवि के लिए एक और उपलब्धि। कुलपति ने दी बधाई। बोले- सांस्कृतिक और शैक्षणिक आदान-प्रदान से विश्वविद्यालय होगा लाभांवित

नारनौल/ अशोक कुमार कौशिक। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के रसायन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर पवन कुमार शर्मा को प्रतिष्ठित फुलब्राइट स्कॉलर-इन-रेसिडेंस फेलोशिप के लिए नामित गया है। इस वर्ष, फुलब्राइट फॉरेन स्कॉलरशिप बोर्ड, वाशिंगटन डी.सी. ने फुलब्राइट स्कॉलर-इन-रेसिडेंस प्रोग्राम के तहत छह महाद्वीपों के 30 देशों के विविध विषयों में 46 विद्वानों को मंजूरी दी है। प्रो. पवन कुमार शर्मा हरियाणा के पहले विद्वान हैं जिन्हें इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रो. पवन शर्मा को इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय जैसे युवा विश्वविद्यालय के लिए यह एक बड़ा सम्मान है कि विश्वविद्यालय के एक वरिष्ठ प्रोफेसर और एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित शोधकर्ता को इस प्रतिष्ठित फैलोशिप के लिए नामित किया गया है। यह न केवल हकेवि के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दृश्यता लाएगा, बल्कि यह हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय और अमेरिकी विश्वविद्यालयों के बीच दीर्घकालिक सहयोग के अवसर भी प्रदान करेगा। दुनिया भर के वैज्ञानिकों के साथ वैज्ञानिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान हकेवि में अनुसंधान और शिक्षण की नई संभावनाओं को बढ़ावा देगा जिसका हमारे विद्यार्थी व शोधार्थी आने वाले समय में लाभ उठा सकेंगे।

इस फैलोशिप के अंतर्गत, प्रो. पवन कुमार शर्मा संयुक्त राज्य अमेरिका के वेस्लीयन विश्वविद्यालय में एक शैक्षणिक सत्र बिताएंगे। यहाँ बता दें कि प्रोफेसर पवन को इससे पहले यूनाइटेड स्टेट्स-इंडिया एजुकेशनल फाउंडेशन द्वारा फुलब्राइट-नेहरू इंटरनेशनल एजुकेशन एडमिनिस्ट्रेटर अवार्ड 2019, इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन द्वारा श्रीनिवास रामानुजन जन्म शताब्दी स्वर्ण पदक 2018, केमिकल रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा कांस्य पदक 2018, इंडियन केमिकल सोसायटी द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार 2012 सहित अन्य कई अवार्ड्स से सम्मानित किया जा चुका है। उन्हें अंटार्कटिका के 21भारतीय वैज्ञानिक अभियान में सदस्य वैज्ञानिक के रूप में नामित हरियाणा के पहले और एकमात्र वैज्ञानिक होने का गौरव भी प्राप्त है। वह बेंथम साइंस पब्लिशर्स द्वारा प्रकाशित जर्नल 'एक्सपर्ट ओपिनियन ऑन थेराप्यूटिक पेटेंट्स' के संपादकीय बोर्ड के सदस्य, जर्नल 'करंट इंडियन साइंस' के मानद वरिष्ठ सलाहकार और अमेरिकन केमिकल सोसाइटी, रॉयल सोसाइटी, केमिकल सोसायटी, एल्सेवियर, स्प्रिंगर, विली आदि द्वारा प्रकाशित कई प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं के समीक्षक हैं। फुलब्राइट फेलोशिप की बात करें तो यह 1946 में स्थापित यूएसए में काउंसिल फॉर इंटरनेशनल एक्सचेंज ऑफ स्कॉलर्स (सीआईईएस) के माध्यम से अमेरिकी सरकार का प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक विनिमय कार्यक्रम है। यह दुनिया भर में 160 से अधिक देशों में संचालित होता है और प्रतिभागियों को उनकी शैक्षणिक योग्यता और नेतृत्व क्षमता के लिए चुना जाता है। यह अध्ययन, अध्यापन और अनुसंधान करने, विचारों का आदान-प्रदान करने और साझा अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों के समाधान खोजने में योगदान करने का अवसर प्रदान करता है। फुलब्राइट समूह के अंतर्गत, फुलब्राइट स्कॉलर-इन-रेसिडेंस प्रोग्राम दुनिया भर से विजिटिंग स्कॉलर्स को संयुक्त राज्य अमेरिका के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में लाता है, जिससे संस्थानों को अपने परिसरों और पाठ्यक्रम का अंतर्राष्ट्रीयकरण करने और अपने छात्रों, संकाय, कर्मचारियों और आसपास का समुदाय के शैक्षिक अनुभवों में विविधता लाने में मदद मिलती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, फुलब्राइट विद्वानों को अपने क्षेत्र में अत्यधिक सम्मानित विशेषज्ञ माना जाता है और फुलब्राइट फेलोशिप अर्जित करना विद्वान और मूल विश्वविद्यालय के लिए एक असाधारण सम्मान माना जाता है जो मूल विश्वविद्यालय की अंतरराष्ट्रीय दृश्यता में सुधार करते हुए अपने अनुशासन में विद्वान की प्रधानता और प्रभाव को पहचानता है।

प्रो. पवन ने कहा कि इस फैलोशिप का लाभ उठाने से निश्चित रूप से उन्हें अमेरिकी शिक्षा और शिक्षाशास्त्र, वेस्लेयन और हकेवि के बीच व्यक्तिगत रूप से सहयोग और संयुक्त राज्य अमेरिका के बहुसांस्कृतिक समुदाय बहु-जातीय अनुभव करके अमेरिकी विज्ञान संस्कृति की बेहतर समझ मिलेगी। उन्होंने आगे कहा कि इस पुरस्कार का लाभ उठाने के बाद, वह एक विस्तारित विश्वदृष्टि, अमेरिकी उच्च शिक्षा प्रणाली और इसके लोगों के लिए एक गहरी प्रशंसा, और उच्च शिक्षा परिदृश्य का विस्तार करने की क्षमता वाले सहयोगियों के एक नए नेटवर्क के साथ वापस हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय लौट आएंगे। फेलोशिप और संबद्ध वैज्ञानिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान निश्चित रूप से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शिक्षण और अनुसंधान के बेंचमार्किंग को और मजबूत करने में मदद करेंगे।

प्रो. पवन शर्मा को फुलब्राइट स्कॉलर-इन-रेसिडेंस फैलोशिप के लिए किया गया नामित

महेंद्रगढ़| हकेंवि महेंद्रगढ़ के रसायन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर पवन कुमार शर्मा को प्रतिष्ठित फुलब्राइट स्कॉलर-इन-रेसिडेंस-फ लोशिप के लिए नामित गया

है। इस वर्ष, फुलब्राइट फॉरेन स्कॉलरशिप बोर्ड, वाशिंगटन डी.सी. ने फुलब्राइट स्कॉलर-इन-रेसिडेंस प्रोग्राम के तहत छह महाद्वीपों के 30 देशों के विविध विषयों में 46 विद्वानों को मंजूरी दी है। प्रो. पवन कुमार शर्मा हरियाणा के पहले विद्वान हैं, जिन्हें इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रो. पवन शर्मा को इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय जैसे युवा विश्वविद्यालय के लिए यह एक बड़ा सम्मान है कि विश्वविद्यालय के एक वरिष्ठ प्रोफेसर और एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित शोधकर्ता को इस प्रतिष्ठित फैलोशिप के लिए नामित किया गया है। यह न केवल हकेंवि के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दृश्यता लाएगा, बल्कि यह हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय और अमेरिकी विश्वविद्यालयों के बीच दीर्घकालिक सहयोग के अवसर भी प्रदान करेगा। दुनिया भर के वैज्ञानिकों के साथ वैज्ञानिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान हकेंवि में अनुसंधान और शिक्षण की नई संभावनाओं को बढ़ावा देगा जिसका हमारे विद्यार्थी व शोधार्थी आने वाले समय में लाभ उठा सकेंगे। इस फैलोशिप के अंतर्गत, प्रो. पवन कुमार शर्मा संयुक्त राज्य अमेरिका के वेस्लीयन विश्वविद्यालय में एक शैक्षणिक सत्र बिताएंगे।

प्रो. पवन का फुलब्राइट स्कालर फेलोशिप के लिए चयन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के रसायन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर पवन कुमार शर्मा को प्रतिष्ठित फुलब्राइट स्कालर-इन-रेसिडेंस फेलोशिप के लिए नामित गया है। इस वर्ष, फुलब्राइट फारेन स्कालरशिप बोर्ड, वाशिंगटन डीसी ने फुलब्राइट स्कालर-इन-रेसिडेंस प्रोग्राम के तहत छह महाद्वीपों के 30 देशों के विविध विषयों में 46 विद्वानों को मंजूरी दी है। प्रो. पवन कुमार शर्मा हरियाणा के पहले विद्वान हैं, जिनका चयन हुआ है।

प्रो. पवन शर्मा

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय जैसे युवा विश्वविद्यालय के लिए यह एक बड़ा सम्मान है कि विश्वविद्यालय के एक वरिष्ठ प्रोफेसर और एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित शोधकर्ता को इस प्रतिष्ठित फैलोशिप के लिए नामित किया गया है। यह न केवल हकेंवि के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दृश्यता लाएगा, बल्कि यह हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय और अमेरिकी विश्वविद्यालयों के बीच दीर्घकालिक सहयोग के अवसर भी प्रदान करेगा। इस फैलोशिप के अंतर्गत, प्रो. पवन कुमार शर्मा संयुक्त राज्य अमेरिका के वेस्लीयन विश्वविद्यालय में एक शैक्षणिक सत्र बिताएंगे।

यहां बता दें कि प्रोफेसर पवन को इससे पहले यूनाइटेड स्टेट्स-इंडिया एजुकेशनल फाउंडेशन द्वारा फुलब्राइट-नेहरू इंटरनेशनल एजूकेशन एडमिनिस्ट्रेटर अवार्ड 2019, इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन द्वारा श्रीनिवास रामानुजन जन्म शताब्दी स्वर्ण पदक 2018, केमिकल रिसर्च सोसाइटी आफ इंडिया द्वारा कांस्य पदक 2018, इंडियन केमिकल सोसायटी द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार 2012 सहित अन्य कई अवाड्र्स से सम्मानित किया जा चुका है। उन्हें अंटार्कटिका के 21 भारतीय वैज्ञानिक अभियान में सदस्य वैज्ञानिक के रूप में नामित हरियाणा के पहले और एकमात्र वैज्ञानिक होने का गौरव भी प्राप्त है।

प्रो. पवन ने कहा कि इस फैलोशिप का लाभ उठाने से निश्चित रूप से उन्हें अमेरिकी शिक्षा और शिक्षाशास्त्र, वेस्लेयन और हकेंवि के बीच व्यक्तिगत रूप से सहयोग और संयुक्त राज्य अमेरिका के बहुसांस्कृतिक समुदाय बहु-जातीय अनुभव करके अमेरिकी विज्ञान संस्कृति की बेहतर समझ मिलेगी। उन्होंने आगे कहा कि इस पुरस्कार का लाभ उठाने के बाद, वह एक विस्तारित विश्वदृष्टि, अमेरिकी उच्च शिक्षा प्रणाली और इसके लोगों के लिए एक गहरी प्रशंसा, और उच्च शिक्षा परिदृश्य का विस्तार करने की क्षमता वाले सहयोगियों के एक नए नेटवर्क के साथ वापस हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय लौट आएंगे। इससे विश्वविद्यालय में शिक्षण और अनुसंधान के बेंचमार्किंग को और मजबूत करने में मदद करेंगे।

यह है फुलब्राइट स्कालर-इन-रेसिडेंस फेलोशिप

फुलब्राइट फेलोशिप की बात करें तो यह 1946 में स्थापित यूएसए में काउंसिल फार इंटरनेशनल एक्सचेंज आफ स्कालर्स (सीआइईएस) के माध्यम से अमेरिकी सरकार का प्रमुख अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक विनिमय कार्यक्रम है। यह दुनिया भर में 160 से अधिक देशों में संचालित होता है और प्रतिभागियों को उनकी शैक्षणिक योग्यता और नेतृत्व क्षमता के लिए चुना जाता है। यह अध्ययन, अध्यापन, अनुसंधान करने, विचारों के आदान-प्रदान और साझा अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों के समाधान खोजने में योगदान करने का अवसर प्रदान करता है।

दुनिया भर के 30 देशों से विभिन्न विषयों में नामित 46 विद्वानों में जगह मिली, इसमें शामिल है प्रो. पवन शर्मा का नाम

30 देशों से विभिन्न विषयों में नामित 46 विद्वानों में जगह मिली

प्रो. पवन शर्मा को फैलोशिप के लिए किया नामित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर पवन कुमार शर्मा को प्रतिष्ठित फुलब्राइट स्कॉलर इन रेसिडेंस फेलोशिप के लिए नामित गया है।

प्रो. पवन कुमार।

इस वर्ष फुलब्राइट फॉरेन स्कॉलरशिप बोर्ड वाशिंगटन डीसी ने फुलब्राइट स्कॉलर इन रेसिडेंस प्रोग्राम के तहत छह महाद्वीपों के 30 देशों के विविध विषयों में 46 विद्वानों को मंजूरी दी है। प्रो. पवन कुमार शर्मा हरियाणा के पहले विद्वान हैं, जिन्हें इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रो. पवन शर्मा को इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय जैसे युवा विश्वविद्यालय के लिए यह एक बड़ा सम्मान है कि विश्वविद्यालय के एक वरिष्ठ प्रोफेसर और एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित शोधकर्ता को इस प्रतिष्ठित फैलोशिप के लिए नामित किया गया है। प्रो. पवन ने कहा कि इस फैलोशिप का लाभ उठाने से निश्चित रूप से उन्हें अमेरिकी शिक्षा और शिक्षाशास्त्र, वेस्लेयन और हकेवि के बीच व्यक्तिगत रूप से सहयोग और संयुक्त राज्य अमेरिका के बहुसांस्कृतिक समुदाय बहुजातीय अनुभव करके अमेरिकी विज्ञान संस्कृति की बेहतर समझ मिलेगी।

पहले भी मिल चुके है कई सम्मान

इस फैलोशिप के अंतर्गत प्रो. पवन कुमार शर्मा संयुक्त राज्य अमेरिका के वेस्लीयन विश्वविद्यालय में एक शैक्षणिक सत्र बिताएंगे। यहां बता दें कि प्रोफेसर पवन को इससे पहले यूनाइटेड स्टेट्स इंडिया एजुकेशनल फाउंडेशन द्वारा फुलब्राइट नेहरू इंटरनेशनल एजुकेशन एडमिनिस्ट्रेटर अवार्ड 2019, इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन द्वारा श्रीनिवास रामानुजन जन्म शताब्दी स्वर्ण पदक 2018, केमिकल रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा कांस्य पदक 2018, इंडियन केमिकल सोसायटी द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार 2012 सहित अन्य कई अवाइर्स से सम्मानित किया जा चुका है। उन्हें अंटार्कटिका के 21 भारतीय वैज्ञानिक अभियान में सदस्य वैज्ञानिक के रूप में नामित हरियाणा के पहले और एकमात्र वैज्ञानिक होने का गौरव भी प्राप्त है। वह बेंथम साइंस पब्लिशर्स द्वारा प्रकाशित जर्नल एक्सपर्ट ओपिनियन ऑन थेराप्यूटिक पेटेंट्स के संपादकीय बोर्ड के सदस्य, जर्नल करंट इंडियन साइंस के मानद वरिष्ठ सलाहकार और अमेरिकन केमिकल सोसायटी, रॉयल सोसायटी, केमिकल सोसायटी, एल्सेवियर, स्प्रिंगर, विली आदि द्वारा प्रकाशित कई प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं के समीक्षक हैं। फुलब्राइट फैलोशिप की बात करें तो यह 1946 में स्थापित यूएसए में काउंसिल फॉर इंटरनेशनल एक्सचेंज ऑफ स्कॉलर्स (सीआईईएस) के माध्यम से अमेरिकी सरकार का प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक विनिमय कार्यक्रम है।

प्रो. पवन शर्मा फुलब्राइट स्कॉलर-इन-रैसिडैंस फैलोशिप के लिए नामित

■ दुनिया भर के 30 देशों से विभिन्न विषयों में नामित 46 विद्वानों में जगह मिली

महेंद्रगढ़, 23 जून (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के रसायन विज्ञान विभाग के प्रो. पवन कुमार शर्मा को प्रतिष्ठित फुलब्राइट स्कॉलर-इन-रैसिडैंस पैलोशिप के लिए नामित गया है।

इस वर्ष फुलब्राइट फॉरेन स्कॉलरशिप बोर्ड, वाशिंगटन डी.सी. ने फुलब्राइट स्कॉलर-इन-रैसिडैंस प्रोग्राम के तहत 6 महाद्वीपों के 30 देशों के विविध विषयों में 46 विद्वानों को मंजूरी दी है।

प्रो. पवन कुमार शर्मा हरियाणा के पहले विद्वान हैं जिन्हें इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रो. पवन शर्मा को इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के लिए यह एक बड़ा सम्मान है कि विश्वविद्यालय के एक वरिष्ठ प्रो. और एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित शोधकर्त्ता को इस प्रतिष्ठित फैलोशिप के लिए नामित किया गया है।

यह न केवल हकेंवि के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दृश्यता लाएगा, बल्कि यह हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय और अमेरिकी विश्वविद्यालयों के बीच दीर्घकालिक सहयोग के अवसर भी प्रदान करेगा।

दुनिया भर के वैज्ञानिकों के साथ वैज्ञानिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान हकेंवि में अनुसंधान और शिक्षण की नई संभावनाओं को बढ़ावा देगा जिसका हमारे विद्यार्थी व शोधार्थी आने वाले समय में लाभ उठा सकेंगे।

प्रो. पवन ने कहा कि इस फैलोशिप का लाभ उठाने से निश्चित रूप से उन्हें अमेरिकी शिक्षा और शिक्षाशास्त्र, वेस्लेयन और हकेंवि के बीच व्यक्तिगत रूप से सहयोग और संयुक्त राज्य अमेरिका के बहुसांस्कृतिक समुदाय बहु-जातीय अनुभव करके अमेरिकी विज्ञान संस्कृति की बेहतर समझ मिलेगी।